नये पाठ्यक्रमके अनुसार १

'प्राथमिक परीक्षा मार्गदर्शन'

- बच्चोंकी किताब
- पहली पुस्तक
- दूसरी पुस्तक
- रसीली कहानियाँ
- हिन्दी रचना (भाग १)
- प्रश्नोत्तर (१९५३ परवर्गीके)

लेखक :

एम. वी. संतवा, "गौरीश"

प्रकाशक :

के. एस्. कुलकर्णी बुक डिपो

स्टेशन रोड, हुबळी

(All rights are reserved by the publisher)

::

संशोधित दूसरी बार

१९५३

दाम : १-८-०

ನನ್ನ ಅರಿಕೆ

ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಹಿಂದಿ ಪರೀಕ್ಷಾರ್ಥಿಗಳು ಈ ಪುಸ್ತಕವನ್ನು ಪೂರ್ಣ ಸ್ವಾಗತಿಸಿರುವರು. ಅಂತೆಯೆ ನಾನು ಎರಡನೆಯ ಮುದ್ರಣಕ್ಕೆ ಈ ಪುಸ್ತಕ ಇತ್ತೆನು. ಮತ್ತೆ ಹೊಸ ರೀತಿಯಂತೆ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರಗಳನ್ನು ಇದರಲ್ಲಿ ಇರಿಸಿದ್ದೇನೆ. ಹೊಸ ಸಂಶೋಧನೆಯಿಂದ ಇದನ್ನು ಹೊರಡಿಸಿರುವೆ. ಈ ಸುಸಮಯ ಒದಗಿಸಿಕೊಟ್ಟ ನನ್ನ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿವೃಂದಕ್ಕೆ ನನ್ನ ಪೂರ್ಣ ಶ್ರಮ ನೀಡುವೆ.

ನನ್ನ ಕೆಲ ಹಿತಮಿತ್ರರು ರಾಷ್ಟ್ರಭಾಷಾಪ್ರಚಾರ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಈ ವ್ಯವಹಾರಿಕ ನೀತಿಯನ್ನು (ಗಾಯಿಡ ಮುದ್ರಿಸುವದನ್ನು) ತ್ಯಜಿಸಲು ಬಾರಿಬಾರಿಗೂ ಸೂಚಿಸುತ್ತಿರುವರು. ಅವರಿಗೆ ನನ್ನ ವಿನಂತಿ— ಪ್ರಚಾರಕರ ಅಭಾವವನ್ನು ತುಂಬಲು ಈ ಕಾರ್ಯ ಅನಿವಾರ್ಯವದೆ. ಪ್ರತಿ ಹಳ್ಳಿಯಲ್ಲಿ ಈ ಪುಸ್ತಕವು ಪ್ರಚಾರಕರ ಕಾರ್ಯ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇದೆ. ನನ್ನ ಮಿತ್ರರಿಗೆ ಈ ವಿನಂತಿ ಮಾನ್ಯವಾದೀತೆ?

ಲೇಖಕ

ಗಬ್ಬೂರ ಓಣಿ, ಹೊಸಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ
೨೬-೧೦-೧೯೫೩

ಮಾ. ಬಾ. ಸಂತಬಾ
"ಗೌರೀಶ"

बच्चों की किताब का साथी

पाठ १

यह–ಇವನು, ಇವಳು, ಇದು
वह–ಅವನು, ಅವಳು, ಅದು
क्या–ಏನು
कौन–ಯಾರು, ಯಾವಳು, ಯಾವದು
एक–ಒಂದು
है–ಇದ್ದಾನೆ, ಇದ್ದಾಳೆ, ಅದೆ
किताब–ಪುಸ್ತಕ
कलम–ಲೇಖನಿ
लडका–ಹುಡುಗ
लडकी–ಹುಡುಗಿ

पाठ २

जमीन–ನೆಲ
स्याही–ಮಸಿ
हाथ–ಕೈ
कहाँ–ಎಲ್ಲಿ
यहाँ–ಇಲ್ಲಿ
मेज–ಮೇಜು
दवात–ದೌತಿ
वहाँ–ಅಲ್ಲಿ
पर–ಮೇಲೆ
में–ಅಲ್ಲಿ (स. विभक्तिप्रत्यय)
भी–ಸಹ (ಕೂಡ)

प्रश्नोत्तर

(१) हाथ में क्या है ? — हाथ में किताब है।
(२) कलम कहाँ है ? — कलम भी हाथ में है।
(३) दवात में क्या है ? — दवात में स्याही है।
(४) किताब कहाँ है ? — किताब मेज पर है।
(५) जमीन पर क्या है ? — जमीन पर मेज है।

पाठ ३

घर–ಮನೆ	और–ಮತ್ತು
भाअी–ಸಹೋದರ	का–ನ, ರ, ಳ, ಯ
बहन–ಸಹೋದರಿ	की–ನ, ರ, ಳ, ಯ (ಸಂಬಧ ಕಾರಕ)
हाँ–ಹೌದು	के–ನ, ರ, ಳ, ಯ
नहीं–ಇಲ್ಲ, ಅಲ್ಲ	

प्रश्नोत्तर

(१) घर में कौन है ? घर में तारा है।
(२) तारा कौन है ? तारा एक लडकी है।
(३) यह क्या है ? यह राधा का घर है।
(४) वह कौन है ? वह भरत है।
(५) भरत कौन है ? भरत रामका भाअी है।
(६) वह लडकी कौन है ? वह लडकी शिवाजी की बहन

पाठ ४

मैं–ನಾನು	हूँ–ಇದ್ದೇನೆ
हम–ನಾವು	हो–ಇದ್ದೀ, ಇದ್ದೀರಿ
तुम–ನೀವು, ನೀನು	धोबी–ಅಗಸ
आप–ತಾವು	आदमी–ಮನುಷ್ಯ
वे–ಅವರು, ಅವು	अध्यापक–ಗುರೂಜಿ
ये–ಇವರು, ಇವು	

खाली जगहों को भरिये

(१) तुम कौन ——— ? (२) मै लडका ——— (३) ——— राम
(४) वे कहाँ ——— । (५) ——— कौन है ? (६) वह कुत्ता ———

(७)——सीता है। (८) हम भारतीय——(९)
हैं। (१०) यहाँ दो कुत्ते——।

अुत्तर (अूपर लिखे वाक्यों मे भरने अुचित शब्द)

(१) हो (२) हूँ (३) मैं (४) हैं (५) वह (६) है (७) वह (८) हैं (९) ये (१०) हैं

पाठ

आ–बा, बरु
जा–होगु
बैठ–कूडु
ला–ता, तरु
पी–कुडि
कल–निन्नै, नाळे
पानी–नीरु
गिलास–ग्लासु
कुरसी–कुर्चि
चाय–चहे
आज–इंदु, ईदिन
ठंडा–तण्णगाद, तंपाद
गरम–बिसियाद
रुपया–रुपायि
मत–बेड

खाली जगहोंको भरिये (केवल अुचित विधिरूप)

(१) मोहन वहाँ——। (बैठ) (२) तुम जल्दी (जा)
(३) आप जमीनपर मत——। (सो) (४) तुम कन्नड किताब——। (दे)
(५) तुम चाय मत——। (ले) (६) आप पानी——। (पी) (७) आप यह काम——। (कर) (८) सीता, आप वह सामान——। (ला)
(९) रामचंद्रजी, आप यह——। (पढ) (१०) आप एक गीत——। (गा)

अुत्तर—(अूपर लिखे वाक्यों के लिये अुचित विधिरूप)

(१) बैठो (२) जाओ (३) सोअिये (४) दो (५) लो (६) पीजिये (७) कीजिये (८) लाअिये (९) पढिये (१०) गाअिये.

पाठ ६

खा–ತಿನ್ನು
पढ–ಓದು
लिख–ಬರೆ
गा–ಹಾಡು
कर–ಮಾಡು
खेल–ಆಟವಾಡು

पाठ, सबक–ಪಾಠ
रोटी–ರೊಟ್ಟಿ, ಭಕ್ಕರಿ
गेंद–ಚಂಡು
भात–ಅನ್ನ
मैदान–ಆಟದ ಬೈಲು

खाली जगहोंको भरिये (वाक्य सामान्य वर्तमान काल के हो)

(१) नजीर चाय——है (२) मैं रोटी खाता——। (३) वह क्या खाता——। (४) हम किताब——हैं। (५) आप कहाँ जाते——। (६) कौन सामान——है। (७) तुम रोटी लाते——। (८) सीता बाजार——है। (९) मैं पाठ लिखती——। (१०) राधा, तुम कहाँ——हो ?

अुत्तर

(१) पीता (२) हूँ (३) है (४) पढते (५) हैं (६) लाता (७) हो (८) आती (९) हूँ (१०) बैठती।

प्रश्नोत्तर

(१) वह कहाँ बैठता है ? वह कुरसीपर बैठता है।
(२) आप क्या खरीदते हैं ? मैं आम खरीदता हूँ।
(३) तुम कहाँ जाती हो ? मैं धारवाड जाती हूँ।

पाठ ७

मेरा–ನನ್ನ	सिखा–ಕಲಿಸು
हमारा–ನಮ್ಮ	पढा–ಓದಿಸು
तुम्हारा–ನಿಮ್ಮ	चाहिए–ಬೇಕು
मुझे–ನನಗೆ; ನನ್ನನ್ನು	कुछ–ಹಲವು
हमको–ನಮಗೆ; ನಮ್ಮನ್ನು	पास–ಸಮೀಪ
तुमको–ನಿಮಗೆ; ನಿಮ್ಮನ್ನು	गली–ಓಣಿ
आपको–ತಮಗೆ; ತಮ್ಮನ್ನು	नाम–ಹೆಸರು
रह–ಇರು	अुस्ताद–ಉಪಾಧ್ಯಾಯ, ಗುರೂಜಿ
सीख–ಕಲಿ	मदरसा–ಶಾಲೆ, ಸ್ಕೂಲ

खाली जगहोंको भरिये

(१) मेरा नाम राधा ——। (२) ——घर बडा है (३) —— नाम क्या है ? (४) चाय चाहिये। (५) तुमको क्या ——। (६) मै ——में पढती हूँ। (७) अंग्रेजी कौन सिखा ——? (८) ——अस्ताद हिन्दी सिखाते हैं। (९) हमारा घर मैदान—— है। (१०) कन्नड कौन पढा ——?

अुत्तर

(१) है (२) मेरा (३) तुम्हारा (४) तुझे (५) चाहिये (६) स्कूल (७) ते हैं (८) मुझको (९) के पास (१०) ते है

शब्दोंका अपने वाक्योंमें प्रयोग

(१) अुस्ताद बडे अच्छे आदमी हैं। (२) कुछ फल मीठे हैं कुछ खट्टे।

पाठ ८

के साथ–ಸಂಗಡ
के लिए–ಸಲುವಾಗಿ
अुसका–ಅವನ, ಅವಳ, ಅದರ
अुसके–ಅವನ, ಅವಳ, ಅದರ
अुसकी–ಅವನ, ಅವಳ, ಅದರ
अच्छा–ಒಳ್ಳೆಯ
बुरा–ಕೆಟ್ಟ
साफ–ಸ್ವಚ್ಛ
सफेद–ಬೆಳ್ಳಗಾದ, ಶುಭ್ರ, ಶ್ವೇತ
गंदा–ಹೊಲಸು, ಕೊಳಕು
रंग–ಬಣ್ಣ
कपडा–ಅರಿವೆ; ಬಟ್ಟೆ
दूध–ಹಾಲು
हमेशा–ಯಾವಾಗಲೂ, ಸತತ
रोज–ದಿನಾಲು
बहुत–ಬಹಳ, ಹೆಚ್ಚು
दे–ಕೊಡು
पहन–ತೊಡು; ಧರಿಸು

अशुद्ध हो तो शुद्ध कीजिये

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
मैं करता है।	मै करता हूँ।
राधा गाता है	राधा गाती है।
वह भोजन करते हो	वह भोजन करता है।
आप कहाँ बैठता है	आप कहाँ बैठते हैं?
तुम क्या खाति हो	तुम क्या खाती हो?
तारा क्यों रोति हूँ	तारा क्यों रोती है?
राम हँसता हो	राम हँसता है।
वह लिखते हैं	वह लिखता है।

पाठ ९

दर्जा–ವರ್ಗ, ಕ್ಲಾಸು
बजे–ಘಂಟೆ
दीवार–ಗೋಡೆ
घड़ी–ಗಡಿಯಾರ
अब–ಈಗ
कितने–ಎಷ್ಟು
क्यों–ಯಾಕೆ
से–ಯಿಂದ
छुट्टी–ರಜಾ, ಸೂಟಿ
किससे–ಯಾರಿಂದ, ಯಾತರಿಂದ
किसपर–ಯಾವುದರಮೇಲೆ
कागज–ಕಾಗದ
इसलिये–ಆದ್ದರಿಂದ
तक–ವರೆಗೆ
इतवार–ಆದಿತ್ಯವಾರ

प्रश्नों का अुत्तर दीजिये

(१) दर्जे में कितने लड़के है ? दर्जे में दस लड़के है

(२) दीवार पर क्या है ? दीवार पर एक चित्र है।

(३) मास्टरजी किसपर बैठते है ? मास्टरजी कुरसीपर बैठते हैं।

(४) आज स्कूल क्यों छुट्टी है ? आज अितवार है अिसलिये स्कूल छुट्टी है।

(५) लडकियाँ किसपर लिखती है। लडकियाँ कागज पर लिखती है।

(६) तुम किस से लिखते हो ? मैं कलम से लिखता हूँ।

(७) वह क्या लिखता है ? वह हिन्दी लिखता है।

(८) कन्नड में कौन लिखता है ? कन्नड में गीतारानी लिखती है।

पाठ १

गीत–ಹಾಡು
सवेरे–ಮುಂಜಾನೆ
शामको–ಸಂಜೆಗೆ
जल्दी–ಬೇಗನೆ
कभी–कभी–ಒಮ್ಮೊಮ್ಮೆ
दोनों–ಇಬ್ಬರು
थोडा–ಸ್ವಲ್ಪ
कभी–ಎಂದೂ
दिन–ದಿನ, ಹಗಲು
काम–ಕೆಲಸ
रात–ರಾತ್ರಿ, ಇರುಳು
कमरा–ಕೋಣೆ, ಕೊಠಡಿ
शहर–ಪಟ್ಟಣ, ಶಹರ
गांव–ಹಳ್ಳಿ
मील–ಮೈಲು
सो–ಮಲಗು
अुठ–ಏಳು, ಎದ್ದು ನಿಲ್ಲು, ಮೇಲೆಏಳು
जान–ತಿಳಿ, ಅರಿ
बोल–ಹೇಳು
गाडी–ಗಾಡಿ, ರೈಲುಗಾಡಿ
जबान–ಉತ್ತರ, ಭಾಷೆ
खूब–ಚನ್ನಾಗಿ
छोटा–ಸಣ್ಣ, ಚಿಕ್ಕ
दफ्तर–ಕಚೇರಿ
कैसे–ಹೇಗೆ, ಯಾವ ರೀತಿಯಾಗಿ
पसंद–ಮೆಚ್ಚು, ಇಚ್ಛಿಸು, ಬಯಸು, ಸೇರು
मालूम–ಗೊತ್ತಿರು, ತಿಳಿದಿರು
देर से–ತಡಮಾಡಿ
क्यों–ಏಕೆ
क्योंकि–ಏಕೆಂದರೆ
या–ಅಥವಾ
फल–ಫಲ, ಹಣ್ಣು

प्रश्नों के अुत्तर लिखिये

(१) कौन गाती है ? गीतारानी गाती है ।
(२) गीता क्या हिन्दी जानती है ? हाँ थोडी थोडी हिन्दी जानती है।
(३) तुम्हारा गांव कितनी दूर है ? मेरा गांव यहाँ से दो मील दूर है।

खाली जगहोंको भरिये

(१) गौरी रानी दफ्तर गाडी—— जाती——। (में, है,) (२)——

शहर और गांव दोनों पसंद हैं (मुझे) (३) कमरे — दो कुर्सियां एक मेज——। (में, है) (४) वह भी सिनेमा जा — —। (ता है) (५) गत में — सोओ (जल्दी) (६) स्कूल नहीं है — आज अितवार है (क्योंकि)

पाठ ११

अभी–ಇನ್ನೂ, ಈಗ
परसों–ಮೊನ್ನೆ, ನಾಡಿದು
सिर्फ–ಕೇವಲ, ಬರಿಯ
जरूर–ಅವಶ್ಯ
चल–ನಡೆ, ಹೊರಡು
खरीद–ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳು
देख–ನೋಡು. ಈಕ್ಷಿಸು
तमाशा–ಆಟ, ಚಮತ್ಕಾರ
टिकट–ತಿಕೀಟು
इनाम–ಪಾರಿತೋಷಕ
अच्छा–ಒಳ್ಳೆಯದು

भविष्यतकालके सही क्रियामदों को खाली जगहों में भरिये।

(१) वह लडकी परसो गांव ——(जा) जायेगी (२) मैं हिन्दी भाषा — (सीख) सीखूँगा सीखूँगी (स्त्री) (३) आप दोपहरको कहाँ——(जा) जायेंगी (स्त्री) जायेंगे (४) तुम भोजन कब——(कर) करोगे करोगी (स्त्री) (५) वे किताब — (खरीद) खरीदेंगे खरीदेंगी (स्त्री)

अुत्तर लिखिये

(१) तुम मदरसा कब जाओगे ? मैं दो बजे मदरसा जाअूँगा।
(२) तारा क्या पीयेगी ? तारा चाय पीयेगी।
(३) वे बाजारमें क्या देखेंगे ? वे बाजारमें तमाशा देखेंगे।

पाठ १२

बाजार–ಪೇಟೆ, ಮಾರ್ಕೆಟ
दूकान–ಅಂಗಡಿ
दूकानदार–ಅಂಗಡಿಕಾರ, ಮಾಲಿಕ
अपने–ತಮ್ಮ
बात–ಮಾತು
महीना–ತಿಂಗಳು, ಮಾಸ
तरकारी–ಕಾಯಿಪಲ್ಲೆ
भाजी–ಪಲ್ಲೆ
आलू–ಆಲೂಗಡ್ಡೆ
बैंगन–ಮುಳಗಾಯಿ; ಬದನೆಕಾಯಿ
केला–ಬಾಳೆಹಣ್ಣು
हफ्ता–ವಾರ
वापस आ–ತಿರುಗಿ ಬಾ
शुरु कर–ಸುರುವು ಮಾಡು; ಪ್ರಾರಂಭಿಸು
स्नान कर–ಸ್ನಾನಮಾಡು; ಜಳಕಮಾಡು
बाद–ತರುವಾಯ ನಂತರ
कब–ಯಾವಾಗ

शुद्ध कीजिये

	अशुद्धरूप	शुद्धरूप
(१)	मैं बाजार जायेगा	(मैं बाजार जाऊँगा।)
(२)	तुम तरकारी कहाँ खरीदेंगे ?	(तुम तरकारी कहाँ खरीदोगे ?)
(३)	वह लडकी गीत गायेगा	(वह लडकी गीत गायेगी)
(४)	आप यह काम कब करोगा	(आप यह काम कब करेंगे ?)
(५)	वे हिन्दी लिखोगा	(वे हिन्दी लिखेंगे)
(६)	तारा-रानी भी हँसेगा	(तारा रानी भी हँसेगी)
(७)	मैं स्नान करेगी	(मैं स्नान करूँगा)
(८)	हम केला खायूँगा	(हम केला खायेंगे)
(९)	तुम क्यों जायेगा ?	(तुम क्यों जाओगे ?)

पाठ १३

अगले–ಮುಂದಿನ, ಮುಂಬರುವ
सोमवार–ಸೋಮವಾರ,
माँ–ತಾಯಿ, ಮಾತೆ
दोस्त–ಗೆಳೆಯ, ಮಿತ್ರ, ಸಖ
था–ಇದ್ದೆನು, ಇದ್ದನು
थे–ಇದ್ದೆವು, ಇದ್ದಿರಿ, ಇದ್ದರು.
अच्छीतरह–ಚನ್ನಾಗಿ,
फिर–ಮತ್ತೆ.
कई–ಹಲವು, ಕೆಲವು
किसका / किसकी } ಯಾರದು.
नाच–ಕುಣಿತ
शादी–ಮದುವೆ. ಲಗ್ನ

था, थे, थी, थीं अिनमें एक एक को खाली जगहों में जो सही लगता है भरिये।

(१) रामचद्र घरमें कल —। (२) मैभी शहर में —। (३) तुम परसों कहाँ—? (४) आप सोमवार कहाँ—। (५) हम स्कूलमें —। (६) लडकियाँ बगमें नहीं —। (७) जहाज बंदरमें —। (८) मोटार गाडी में लडका—।

उत्तर

(१) था (२) था (३) थे (४) थे (५) थे (६) थीं (७) था (८) था।

पाठ १४

चल-चला–ನಡೆ-ನಡೆದನು
मिल-मिला–ಭೆಟ್ಟಿಯಾಗು-ಭೆಟ್ಟಿಯಾದನು
रह-रहा–ಇರು-ಇದ್ದನು
बोल-बोला–ಮಾತಾಡು, ಮಾತಾಡಿದನು

आ-आया–ಬಾ-ಬರು-ಬಂದನು
सो-सोया–ಮಲಗು-ಮಲಗಿದನು
ला-लाया–ತಾ, ತಂದನು
जा-गया–ಹೋಗು, ಹೋದನು

ये ऊपर लिखे हुए शब्दः क्रिया धातु और अुनके सामान्य भूतकाल के रुप हैं।

खिलौना–ಆಟದ ಸಾಮಾನು
बच्चा–ಕೂಸು, ಮಗು
लोग–ಜನರು
भीड–ಜನದಟ್ಟಣೆ, ಗುಂಪು; ಗದ್ದಲ
लेकिन–ಆದರೆ
खत–ಪತ್ರ
बडा–ದೊಡ್ಡ
रवानाहोना–ಹೊರಡುವದು
समझ–ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳು
और–ಮತ್ತು
पहले–ಮೊದಲು

प्रश्नों के अुत्तर लिखिये

(१) तुम गांव कब जाओगी ? — मैं सोमवार जाअूँगा।
(२) वह लडकी कब गयी ? — वह लडकी कल गयी।
(३) वह कहाँ सोया ? — वह कमरे में सोया।
(४) तुम बाजारसे क्या लाये ? — मैं बाजारसे कलम लाया।
(५) तारारनी कहाँ सोयी ? — तारारानी घर में सोयी।
(६) प्रमिला क्या बोली ? — प्रमिला कुछभी नहीं बोली।
(७) म क्या लाया ? — तुम फल लाये।
(८) वह कब अुठा ? — वह पांच बजे अुठा।

पाठ १७

लख-लखा		बिल्ली–ಬೆಕ್ಕು
खरीद-खरीदा		सौ–ನೂರು
खा-खाया	सामान्य	सब–ಎಲ್ಲ
पढा-पढाया	भूतकालदि	खुद–ಸ್ವತಃ, ತಾನೆ
दे-दिया	रूपगळु	धोती–ಧೋತರು
ले-लिया		अपने लिये–ತಮ್ಮ ಸಲುವಾಗಿ
कर-किया		अपना–ತಮ್ಮ
घंटा–ಗಂಟೆ		रख–ಇಡು
आधा–ಅರ್ಧ		

प्रश्नोत्तर

(१) तुमने क्या लिखा ? मैंने एक चिट्ठी लिखी।

(२) राधाने क्या खरीदा ? राधाने सामान खरीदा।

(३) आपने क्या देखा ? मैंने नाटक देखा।

(४) क्या अुसने फल लिया ? जी हाँ अुसने फल लिया

(५) आपने क्या पढाया ? हमने हिन्दी पढायी।

शुद्ध कीजिये

अशुद्धरूप	शुद्धरूप
(१) हम काम किये।	हमने काम किया
(२) राधा पानी पीयी।	राधाने पानी पिया।
(३) राम किताब पढया	रामने किताब पढी।
(४) म खत लिख्या।	मैंने खत लिखा।

पाठ १६

वक्त–ಸಮಯ
नौकर–ನೌಕರ, ಆಳು, ಸೇವಕ
जवाब–ಉತ್ತರ
सुस्त–ಆಲಸಿ
दूसरा–ಎರಡನೆಯ
तीसरा–ಮೂರನೆಯ
नया–ಹೊಸ
ठीक–ಸರಿಯಾದ, ತಕ್ಕ
देरसे–ತಡಮಾಡಿ
माफ कर–ಕ್ಷಮೆ ಮಾಡು
कभी–ಎಂದೂ
बुला–ಕರೆಯಿಸು
पूछ–ಕೇಳು, ವಿಚಾರಿಸು
बता–ತೋರಿಸು, ತಿಳಿಸು

शुद्ध कीजिये

अशुद्धरूप	शुद्धरूप
(१) लडका वर में थे	लडका वर में था
(२) गधा कहाँ था ?	गधा कहाँ थी ?
(३) मै स्कूल में थे	मैं स्कूल में था
(४) आप बाजार में था ? .	आप बाजार में थे ?
(५) वे वहाँ था	वे वहाँ थे।

सवाल **जवाब**

(१) नौकर कैसा आदमी था ? नौकर बडा सुस्त आदमी था ?

(२) दूकानदारने उस से क्या पूछा ? क्यों जी तुम देर से क्यों आते हो ? यों दूकानदारने पूछा।

(३) अंत में दूकानदारने नौकर से क्या कहा ? अंत में दूकानदारने नौकर से कहा-या तो तुम कल नयी बडी खरीदोगे या मैं एक नया नौकर रखूँगा।

पाठ १७

कहानी–ಕಥೆ
चूहा–ಇಲಿ
अिधर–ಇತ್ತ ಕಡೆಗೆ, ಇಲ್ಲಿ
ए–ಅತ್ತ ಕಡೆಗೆ, ಅಲ್ಲಿ
लिरत–ಹೆಣ್ಣು ಮಗಳು
पकड–

दौड–ಓಡು
याद कर–पाठ कर–ಪಾಠಮಾಡು
बना–ಮಾಡು, ತಯಾರಿಸು
बेच–ಮಾರು
नहा–ಜಳಕಮಾಡು
डर–ಅಂಜು

वाक्यों में रहा, रहे, रही, सही स्थानों में भरिये

(१) तारा नानी वहाँ पढ़ रही है (रही)
(२) हम बाजार जा रहे हैं (रही, रहे)
(३) मैं यह खत लिख रहा हूँ (रहा, रही)
(४) तुम कहाँ से आ रहे हो (रहे, रही)
(५) वे नाटक देख रही हैं (रहे, रही)
(६) आप क्या पढ़ रहे थे (रहे)
(७) लडका क्यों रो रहा था (रहा)
(८) कुत्ता तेज दौड़ रहा था (रहा)
(९) बैल चारा चर रहे थे (रहे)

पाठ १८

पता–ಪತ್ತೆ
साडी–ಸೀರೆ
जलसा–(ನೃತ್ಯ)
गाने–ಹಾಡುಗಳು
विदा–ಬೀಳ್ಕೊಡು, ಅಪ್ಪಣೆ ಕೊಡಿ

कह–ಹೇಳು
सवारी–ವಾಹನ
चाह–ಇಚ್ಛಿಸು, ಬಯಸು
जरूरी–ಅವಶ್ಯವಾದ
ही–ಯೇ

खाली जगहों को भरिये

(१) अुसका नाम रामदास—— (है था)
(२) आप क्या देख ——थे? (रहे)
(३) वह किताब चाह —है। (रहा रही)
(४) लडकी—— चाहती हैं। (पढना, खाना)
(५) मैं कलम—— चाहता था (खरीदना)

प्रश्नोत्तर

(१) सीता क्या खरीदना चाहती है? सीता साडी खरीदना चाहती है।
(२) वे कितने रोज ठहरना चाहते थे? वे और दो रोज ठहरना चाहते थे।
(३) जलसे में कौन बोलना चाहती थी? जलसे में मेरी बहन बोलना चाहती थी।

पाठ १९

गधा–ಕತ್ತೆ
साँस–ಉಸಿರು
बाल–ಕೂದಲು, ಕೇಶ
अुँगली–ಬೆರಳು
जीभ–ನಾಲಿಗೆ, ಜಿವ್ಹೆ
बीच–ನಡುವೆ, ಮಧ್ಯ
नीचे–ಕೆಳಗೆ
अंदर–ಒಳಗೆ
तस्वीर–ಚಿತ್ರ
दाँत–ಹಲ್ಲು
सूँघ–ಮೂಸಿನೋಡು, ಮೂಸಿಸು
चबा–ನುರಿಸು
काट–ಕಡಿ, ಕತ್ತರಿಸು
सुन–ಕೇಳು, ಆಲಿಸು
बंदर–ಮಂಗ, ಕೋತಿ
लंबा–ಉದ್ದ
काला–ಕಪ್ಪು, ಕರಿ
दादा–ಅಜ್ಜ (ಅಪ್ಪನ ಅಪ್ಪ)
जानवर–ಪ್ರಾಣಿ
पूँछ–ಬಾಲ

प्रश्नोत्तर

(१) हमारे कितने आँखें हैं ? हमारे दो आँखें हैं ।

(२) आँख से हम क्या करते है ? आँख से हम देखते हैं ।

(३) नाक से तुम क्या करते हो ? हम नाक से साँस लेते हैं और सूँघते हैं।

(४) जीभ का उपयोग क्या है ? हम जीभ से बोलते हैं और रुची भी जानलेते हैं ।

(५) सिर में क्या क्या है ? सिर में आँख, कान, मुहँ और कान हैं । सिरपर बाल भी हैं।

(६) पैर का उपयोग क्या है ? पैर चलने के लिये हैं ।

पाठ २०

विद्वान–ವಿದ್ಯೆಯನ್ನು ಬಲ್ಲವ, ಪಂಡಿತ
दयालु–ದಯೆಯುಳ್ಳವ
गरीब–ಬಡವ
दया, रहम–ದಯಾ
आम–ಮಾವಿನ ಹಣ್ಣು
बन–ಆಗು
खुश–ಆನಂದ, ಸಂತೋಷ
पैसा–ದುಡ್ಡು
बाकी–ಉಳಿದ
धनवान–ಧನವಂತ, ಶ್ರೀಮಂತ
तो–ಆದರೆ
जो–ಯಾವನು, ಯಾವಳು, ಯಾವದು
जैसा–ಹೇಗೆ, ಯಾವ ರೀತಿಯಿಂದ
व्यापार–ವ್ಯಾಪಾರ, ವ್ಯವಹಾರ
लाभ–ಲಾಭ, ಉಳಿತಾಯ

प्रश्नोत्तर

(१) विद्यासागर कहाँ के रहनेवाले थे ? विद्यासागर कलकते के रहनेवाले थे ।

(२) विद्यासागर कैसे आदमी थे? विद्यासागर विद्वान और दयालु आदमी थे।

(३) विद्यासागरने लडके को एक रुपया क्यों दिया?—लडके की बातें सुनकर खुश हुए। अिसलिये उसको एक रुपया दिया।

(४) लडकेने रुपया लेके क्या किया?—लडकेने रुपया लेकर व्यापार किया।

पहली पुस्तक का साथी

पहला पाठ

दिशा–ದಿಕ್ಕು
अंधेरा–ಕತ್ತಲು
अुजेला–ಪ್ರಕಾಶ
फैल–ಹಬ್ಬು, ಹರವು
सबजगह–ಎಲ್ಲಕಡೆ
ग्वाला–ಗೌಳಿಗ
दुहना–ಹಿಂಡು, ಹಾಲು ಕರೆವದು
बछडा–ಕರು
लेकर–ತೆಗೆದುಕೊಂಡು
काम–ಕೆಲಸ
हाथ-मुँह–ಕೈ-ಮೋರೆ

प्रश्नोत्तर

(१) किसान क्या कर रहे हैं?—किसान खेत में काम कर रहे हैं।

(२) ग्वाला क्या कर रहा है?—ग्वाला दूध दुह रहा है।

(३) सूरज कब निकलता है और कहाँ निकलता है?—सूरज सबेरे पूर्व दिशा में निकलता है।

(४) तुम रोज सबेरे क्या करते हो?—मैं रोज सबेरे उठकर हाथ मुँह धोकर पाठशाला जाता हूँ।

(५) लडके पुस्तकें लेकर कहाँ जा रहे हैं?—लडके पुस्तकें लेकर स्कूल जा रहे हैं।

दूसरा पाठ

अच्छी–ಒಳ್ಳೆಯ
बहुत–ಬಹಳ
प्रसिद्ध–ಪ್ರಸಿದ್ಧ
संतान–ಮಕ್ಕಳು, ಸೀಳಿಗೆ ಸಂತಾನ
अनाज–ಧಾನ್ಯ, ಕಾಳು
वह–ಹರಿ (ನೀರು ಹರಿಯುವದು)

प्रश्नोत्तर

(१) अपने देश की राष्ट्रभाषा का नाम बताओ—हिंदी हमारे देश का राष्ट्रभाषा है

(२) तुम किसकी संतान हो ?—हम भारत की संतान हैं।

(३) अपने देश की नदियाँ बताओ ?—हमारे देश में गंगा, जमुना, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी, आदि नदियाँ है।

(४) संसार में सबसे ऊँचा पहाड कौन है ?—संसार भर मे अँचा पहाड हिमालय है।

(५) हिन्दी के दो बडे कवियों के नाम बतावो।—हिन्दी के बडे कवि सूरदास, तुलसीदास है।

तीसरा पाठ

सबलोग–ಎಲ್ಲ ಜನರು
छोटे-बडे–ಕಿರಿಯರು-ಹಿರಿಯರು
कथा–ಕಥೆ
बहुत बडे–ಬಹಳ ದೊಡ್ಡ
आसानी–ಸರಳ, ಶ್ರಮವಿಲ್ಲದ, ಹಗುರಾದ
समझ सकते–ತಿಳಿದುಕೊಳ್ಳಬಲ್ಲರು
के अलावा–ಹೊರತಾಗಿ
बराबर–ಅಷ್ಟು, ಸರಿಸಮಾನ

प्रश्नोत्तर

(१) तुलसीदास कौन और कहाँ रहते थे ? तुलसीदास हिन्दी के प्रसिद्ध कवि थे। वे काशी में रहते थे।

(२) तुलसीदास किसके भक्त थे ? और लोगों को क्या उपदेश देते थे ?—तुलसीदास रामचंद्रजी के भक्त थे। वे लोगों को रामनाम का उपदेश देते थे।

(३) तुलसीदासने कौन पुस्तक लिखी ? तुलसीदासने हिन्दी में रामायण लिखी है। वह अयोध्या के रामचंद्रजी की कथा है। सारे भारत में वह प्रसिद्ध है।

(४) तुलसीदास की कविताएँ कैसी हैं ?-तुलसीदास की कविताएँ सरल और रसीली हैं।

चौथा पाठ

खलासी–ನಾವಿಕ
व्यापारी–ವ್ಯಾಪಾರಸ್ಥ
परदादा–ಮುತ್ತಜ್ಜ
पूछा–ಕೇಳಿದನು
सुनकर–ಕೇಳಿ
डर–ಹೆದರು
हालत–ಪರಿಸ್ಥಿತಿ
चारपाई–ಹೊರನು, ಪಲ್ಲಂಗ
नम्रभावसे–ನಮ್ರತನದಿಂದ, ಸರಳಭಾವದಿಂದ
मुस्कुराकर–ಮುಗುಳುನಗೆ ನಕ್ಕು, ನಸುನಕ್ಕು
से डरता हूँ–ಯಿಂದ ಹೆದರುತ್ತೇನೆ
से पूछा–ಗೆ ಕೇಳಿದನು, ಕೇಳಿದಳು

प्रश्नोत्तर

(१) खलासी व्यापारी की बातचीत अपने शब्दों में लिखो

अुत्तर

एक व्यापारीने एक खलासीसे पूछा—भाअी तुम्हारे बाप दादा परदादा कहाँ गये ?

खलासी बोला-समुद्रपर व्यापारी भयानक समुंदर की कल्पना कर बोला—क्या तुम समुंदर पर जाने से नहीं डरते ? यह सुनकर खलासी मुस्कुराया बोला—अच्छा आपके बाप दादा परदादा कहाँ मर गये ? व्यापारी बोला—चारपाअी पर मरे | खलासी बोले—तब तो चारपाअी पर बैठने से आप डरते हैं ? व्यापारी निरुत्तर हो गया |

पाँचवा पाठ

शाम–ಸಂಜೆ ಸಾಯಂಕಾಲ	**देख**–ನೋಡಿ
बहुत-से–ಬಹಳಷ್ಟು	**पाया**–ಹೊಂದಿದೆನು
धाया–ಧಾವಿಸಿದೆನು	**घरमे**–ಮನೆಯಲ್ಲಿ
बहलाया–ತೃಪ್ತಪಡಿಸಿದೆನು	**अपना**–ನಮ್ಮ, ತಮ್ಮ

पद्योंका सरल अनुवाद

ಸೋಮವಾರ ಹೊರಟೆನು. ಜಗನ್ನಾಥಕ್ಕೆ ಸಾಯಂಕಾಲವಾಯಿತು. ಮಂಗಳವಾರ ಕಲಕತ್ತೆಗೆ ಹೋಗಿ ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಗೈದೆನು. ಬುಧವಾರ ಕಾಶಿ ಅಯೋಧ್ಯಾ ನೋಡಿಕೊಂಡು ಆಗರಾಕ್ಕೆ ಬಂದೆನು. ಗುರುವಾರ ದಿಲ್ಲಿನೋಡಿ ದ್ವಾರಕಾಕ್ಕೆ ಧಾವಿಸಿದೆನು. ಶುಕ್ರವಾರ ಮುಂಬಯಿ ನೋಡಿ ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಬಂದೆನು. ಶನಿವಾರ ರಾಮೇಶ್ವರದಲ್ಲಿ ಆನಂದ ಹೊಂದಿದೆನು. ಆದಿತ್ಯವಾರ ಪುನಃ ನನ್ನ ಮನೆಗೆ ಬಂದು ಸುಖಪಡೆದೆನು. ಏಳು ದಿನಗಳಲ್ಲಿ ಹಿಂದುಸ್ತಾನ ನೋಡಿ ಬಂದೆನು.

छठा पाठ

लालच–ಆಶೆ
बुरी–ಕೆಟ್ಟ
चीज–ವಸ್ತು, ಸಾಮಾನ
बेचकर–ಮಾರಿ
सोचा–ವಿಚಾರಮಾಡಿದನು ಯೋಚಿಸಿದನು
चीरकर–ಕೊಯ್ದು (चीरना)
सोचकर–ವಿಚಾರಮಾಡಿ, ಯೋಚಿಸಿ
के पास–ಹತ್ತಿರ, ಬಳಿಯಲ್ಲಿ
बेचारी–ನಿಸ್ಸಹಾಯಕ
इस तरह–ಈ ರೀತಿಯಾಗಿ
आज–ಇಂದು
तेज–ಚೂಪಾದ, ಹರಿತಾದ, ಚುರುಕಾದ
एक भी–ಒಂದೂ ಕೂಡಾ

प्रश्नोत्तर

(१) मुरगी क्या देतीथी ?— मुरगी रोज एक सोने का अंडा देती थी।
(२) आदमीने मुर्गी का पेट क्यों चीर डाला ?— उस आदमी को लोभ हुआ; सोचा-मुर्गी के पेट में बहुत अंडे हैं। सारे अंडे एक साथ निकालकर अमीर हो जाऊँगा। सोचकर उसने मुर्गी का पेट चीर डाला।
(३) सब से बुरी चीज क्या है—सब से बुरी चीज लालच है।

सातवाँ पाठ

कमजोर–ಅಶಕ್ತ, ಜೀರ್ಣ
राह–ರಸ್ತೆ, ದಾರಿ
धन-दौलत–ಸಿರಿ-ಸಂಪತ್ತು
घेरा–ಮುತ್ತಿದರು
कितना–ಎಷ್ಟು
प्यार–ಪ್ರೀತಿ, ಮಮತೆ, ಪ್ರೇಮ
साथी–ಸಂಗಡಿಗ, ಗೆಳೆಯ
बाहर–ಹೊರಗೆ
खुश–ಆನಂದ, ಸಂತೋಷ, ಖುಷಿ
दूसरा–ಎರಡನೆಯ
जवाब–ಉತ್ತರ
भेजदिया–ಕಳುಹಿಸಿಕೊಟ್ಟನು

प्रश्नोत्तर

(१) छोटे लड़केने क्या सोचा ?–छोटे लड़केने सोचा कि माँ के आगे धन दौलत कोअी चीज नहीं।

(२) डाकू के प्रश्न का उत्तर छोटे लड़केने क्या दिया ?—छोटे लड़केने कहा–यह बूढ़ी माँ ही मेरी संपत्ति है। मेरे पास कोअी और धन नहीं।

(३) डाकुओं का सरदार क्यों खुश हुआ ?–डाकुओं के सरदारने सोचा-यह छोटा-सा लड़का अपनी माता से अितना प्यार करता है; सोच वह लड़के से खुश हुआ।

आठवाँ पाठ

तोता–ಗಿಳಿ
शक–ಸಂಶಯ, ಸಂದೇಹ
दाम–ಕ್ರಯ, ಬೆಲೆ
अमीर–ಶ್ರೀಮಂತ
झट–ಕೂಡಲೆ, ತುರಂತ
गुस्सेमे आना–ಸಿಟ್ಟುಗೇಳು
हँसी–ನಗೆ
छोड दिया–ಬಿಟ್ಟುಬಿಟ್ಟನು
मूर्खता–ಮೂರ್ಖತನ

प्रश्नोत्तर

(१) घर जाने पर अमीर को क्या मालूम हुआ ?–घर जाने पर अमीर को मालूम हुआ कि तोता सब बातों का एक ही जवाब देता है- "अिस में क्या शक है"

पाठ

समझदार–ತಿಳಿವಳಿಕೆಯುಳ್ಳ
पहचानना–ಗುರುತುಹಿಡಿ.
ಗುರುತಿಸು
निडर–ಹೆದರಿಕೆಯಿಲ್ಲದ
टाँग–ಕಾಲು
खींच–ಜಗ್ಗು, ಎಳೆ
सवारी–ವಾಹನ
काम देना–ಕೆಲಸ ಕೊಡುವದು
लड़ाई–ಯುದ್ಧ
मजबूत–ಸಶಕ್ತ
चाबूक–ಕೋರಡಾ, ಚಾಬುಕ

प्रश्नोत्तर

(१) घोडे हमारे किस काम में आते हैं?–घोडे युद्ध में काम देते हैं। उस पर सवारी करते हैं। घोडे, गाडी खींचते हैं।

(२) कौन अपने घोडों से प्यार करते हैं? - अरब अपने घोडों से बहुत प्यार करते हैं।

(३) घोडा कैसा जानवर है? और कहाँ के घोडे मजबूत होते हैं?-घोडा समझदार निडर जानवर है। अरब के घोडे मजबूत होते हैं।

दसवाँ पाठ

खूब–ಚನ್ನಾಗಿ
पढ़ा-लिखा–ಬಹಳ ಓದಿದ
कंजूस–ಜೀನ, ಜಿಪುಣ
मक्खीचूस–ಜೀನ, ಜಿಪುಣ
सीधा-सादा–ಸಭ್ಯ, ಸರಳಭಾವಿ
बेचारा–ದೀನ ಸಹಾಯವಿಲ್ಲದ
चंदा–ವರ್ಗಣಿ, ಪಟ್ಟಿ
बुखार–ಜ್ವರ
बुखार चढ आना–ಜ್ವರ ಬರುವದು
माँगना ಬೇಡುವದು
स्वामिभक्त–ನ್ವಾಮಿಭಕ್ತ
कपट–ಮೋಸ
अभी–ಇನ್ನೂ
वादाकरना–ಮಾತುಕೊಡು, ವಚನ ಕೊಡು

प्रश्नोत्तर

(१) लालाजी कैसे आदमी थे?—लालाजी धनवान थे। खूब पढ़े-लिखे थे। अपने को बड़ा देश भक्त समझते थे; पर बड़े कंजूस चक्कीचूस थे।

(२) लालाजी का नौकर कैसा था?—वह नौकर बड़ा सीधा-सादा और स्वामी भक्त था। बुद्धि थोड़ी भी न थी। वह गाँव का था।

(३) जब लोग चंदा लेने आये तब लालाजीने क्या किया?—जब लोग चंदा लेने आये तब लालाजी कोठरी में जा घुसे। और नौकर से कहा—जाओ उनसे कहो कि लालाजी घर पर नहीं।

ग्यारहवाँ पाठ बरसात

पद्योंका सरल अनुवाद

ನೋಡು ಸಹೋದರಾ ಅತಿ ಸುಖದಾಯಕವು ಇದೆ. ಸುರಿಯಲಿ ಮಳೆ. ಪ್ರೀತಿಯ ಹಕ್ಕಿ ಬೆಡಗಿನ ವಿಚಿತ್ರ ಹೆಕ್ಕಿ ಹಾಡು ಹಾಡಲಿ.

ಮೇಘ ಗರ್ಜಿಸಲಿ; ಮಿಂಚು ಮಿಂಚಲಿ; ಕಪ್ಪೆ ಕರ ಕರ ಕೂಗಲಿ; ತುಂಬಲಿ, ಸರೋವರ; ಮನೋಹರವಾಗಿ ತೋರಲಿ; ನದಿಗಳು ಕಲಕಲ ಹರಿಯಲಿ, ಆಹಾ ಅತಿ ಆನಂದವದೇ—

बारहवाँ पाठ

अचानक–ಅಕಸ್ಮಾತ
गेंद–ಚಂಡು
थक जाना–ದಣಿವಾಗುವದು
अुदास–ಉದಾಸೀನ
कुआँ–ಬಾವಿ
कोशीश–ಪ್ರಯತ್ನ
बाहर–ಹೊರಗೆ
चतुराई–ಚತುರತನ
धीरे-धीरे–ಕ್ರಮೇಣ, ಬರಬರುತ್ತ
आखिर–ಕೊನೆಗೆ
तीर चलाना–ಬಾಣ ಬಿಡುವದು

प्रश्नोत्तर

(१) राजकुमारोंने गेंद किसतरह पाअी ?—राजकुमारोंने ब्राह्मण के हाथ में धनुष बाण देदिये। ब्राह्मणने गेंद में तीर मारा। वह गेंद में घुसा। तीर में फिर एक तीर मारा। अिसीतरह तीर कुअें के बाहर पहुँच गया। तब ब्राह्मणने तीरों को ऊपर खींच लिया गेंद आयी। राज कुमारोंनें गेंद पाअी।

(२) पहले द्रोणाचार्यने उदास राजकुमारों से क्या पूछा ?—द्रोणने पूछा-तुम उदास क्यों बैठे हो ?

तेरहवाँ पाठ

पुराना–ಹಳೆಯ
कबूतर–ಪಾರಿವಾಳ
जोडा–ಜತೆ, ಜೋಡು
दिन काटना–ದಿನಗಳನ್ನು ಕಳೆ, ಜೀವನ ಸಾಗಿಸು
डाल–ಟೊಂಗೆ
निशाना लगाना–ಗುರಿಯಿಡುವದು
बाज–ಗಿಡಗ
बचाना–ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದು, ಪಾರಾಗುವದು
डस लिया–ಕಡಿಯಿತು, (ಹಾವುಕಚ್ಚುವದು)
चौंककर–ಬೆಚ್ಚಿ ಬಿದ್ದು
प्राण पखेरु–ಜೀವಪಕ್ಷಿಯು
संकट–ಸಂಕಟ ಆಪತ್ತು
अुपाय–ಉಪಾಯ ಹಂಚಿಕೆ

प्रश्नोत्तर

(१) कबूतरों का जोडा कहाँ रहता था ? उसकी एक छोटी सी कहानी लिखो–जंगल में पुराने पेडपर एक कबूतरोंका जोडा था। अुनके कअी बच्चे भी थे। पेड के नीचे अचानक शिकारी आया। उसे देख वे उडना ही चाहते थे कि सिरपर ही बाज उडता दिख पडा। विचारे न उड सकते थे न बैठ सकते। वे आपनी जान बचाने

ओश्वर की प्रार्थना करने लगे। शिकारी तीर छोड ही रहा था कि नीचे उसे साँपने डसा। वह चौंक पडा। तीर हाथ से निकल गया। वह बाज को जा लगा। बाज और शिकारी दोनों मर गये। सच है भगवान सच्चे दिल की प्रार्थना जरूर सुनता है।

चौदहवाँ पाठ

गडरिया–ಕುರುಬ
चारा–ಮೇವು
चराना–ಮೇಯಿಸುವದು
गिरना–ಬೀಳುವದು
चोट आना–ಪೆಟ್ಟು ಹತ್ತುವದು
टूट जाना–ಮುರಿದುಹೋಗುವದು
अंगोछा–ಅಂಗವಸ್ತ್ರ
अिशारा–ಸಂಕೇತ, ಸನ್ನೆ
आपत–ಆಪತ್ತು
चूकगया–ತಪ್ಪಿ ಹೋಯಿತು
अचानक–ಅಕಸ್ಮಾತ್
खून–ರಕ್ತ

प्रश्नोत्तर

(१) किसका दांत टूट गया और कैसे टूट गया?—गडरिये के लडके का दांत टूट गया। पहाड पर से गिर पडा अिसलिये दांत टूट गया।

(२) कुत्तेने लडके की किसतरह सहायता की?—लडके का अिशारा पाकर कुत्ता वर की तरफ आया। लडके के बाप के सामने आकर भूँकने लगा। उसका बाप कुत्ते के पास आया। उसने देखा कुत्ते के गले में कपडा था। उस में खून लगा था। कुत्तेने बाप को लडके के पास ले आया। यही सहायता की।

पंद्रहवाँ पाठ

साफ साफ–ಸ್ವಚ್ಛ
धनी–ಸಾವುಕಾರ
बेवकूफ–ಮೂರ್ಖ
बही–ಪಹಿ
बहू–ಸೊಸೆ
घबराना–ಘಾಬರಿಯಾಗುವದು
रोना पीटना–ಅಳುವದು ಬಡಕೊಳ್ಳುವದು
लौटकर–ಮರಳಿ
गुस्सा आना–ಸಿಟ್ಟುಬರುವದು
निकाल देना–ಹೊರಗೆ ಹಾಕು, ತೆಗೆದು ಹಾಕು

प्रश्नोत्तर

(१) साफ साफ न लिखने से क्या हानि होती है ? उदाहरण देकर समझाओ—किसी शहर में एक व्यापारी था। उसके नौकरों में एक बेवकूफ था। वह साफ न लिखता था। उसने एक बार आगरे से ख़त लिखा। समाचार के बाद आगे लिखा—" सेठजी अजमीर गये हैं। बडी बही को लेकर जल्दी आइये " अक्षर साफ न थे। वहाँ चिट्ठी यों पढी गयी कि " सठजी आज मर गये हैं। बडी बहू को लेकर आइये " बस सब रोने पीटने लगे। सब आगरे आये सेठजी भी अजमीर से आये। यह हानि देख गुस्सा आया। सेठजीने नौकर को निकाल दिया।

पाठ

जानवर–ಪಶು ಪ್ರಾಣಿ
सूंड–ಸೊಂಡಿ
कीमती–ಕಿಮ್ಮತ್ತಿನ
खंभे–ಕಂಬ
भारी भारी–ಭಾರವಾದ
डाल–ಟೊಂಗೆ
तोड–ಮುರಿ
आज्ञाकारी–ಆಜ್ಞೆ ಪಾಲಿಸುವದು

तेज–ಚುರುಕಾದ
याद रखना–ನೆನಪಿಡುವದು
भलाअी–ಹಿತ
बदला देना–ಉಪಕಾರ ಮಾಡು
बुराअी–ಕೆಟ್ಟತನ
बदला लेना–ನೇಡು ತೀರಿಸಿ ಕೊಳ್ಳುವದು
पाया जाता है–ದೊರಕುತ್ತದೆ
पालना–ಸಾಕುವದು

कठिन वाक्योंका अनुवाद

(१) जंगलो मे जहाँ गाडी नहीं जा सकती वहाँ हाथी पर बैठकर लोग जाते है।

ಅಡವಿಗಳಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲೆ ಗಾಡಿಗಳು ಹೋಗಲಾರವೋ ಅಲ್ಲಿ ಆನೆಯ ಮೇಲೆ ಕೂತು ಜನರು ಹೋಗುತ್ತಾರೆ. (ಗಾಡಿಗಳು ಹೋಗದಂಥ ಅಡವಿಗಳಲ್ಲಿ ಜನರು ಆನೆಯ ಮೇಲೆ ಕೂತು ಹೋಗುತ್ತಾರೆ.)

प्रश्नोत्तर

(१) जानवरों में बडा कौन है?—जानवरों में हाथी बडा है।

(२) हाथी दात से क्या चीजें बनती है?—हाथी दांत की चूडियाँ, कंघी आदि और भी तरह तरह की अच्छी चीजें बनती हैं।

(३) हाथी के स्वभाव का वर्णन करो—हाथी आज्ञाकारी जानवर होता है। उसकी बुद्धि भी तेज होती है। याद रखने की शक्ति बडी होती है। अपने मित्रकी भलाअी और अपने दुश्मन की बुराअी करना वह जानता है।

सत्रहवाँ पाठ

बुद्धिमानी–ಬುದ್ಧಿವಂತಿಕೆ
किनारा–ತಟ
आमका पेड–ಮಾವಿನಮರ
पुराना–ಹಳೆಯ
जड–ಬೇರು
सांप–ಹಾವು
आपसमें–ತಮ್ಮೊಳಗೆ
कबूतर–ಪಾರಿವಾಳ
छोड दें–ಬಿಡೋಣ
बनावें–ಕಟ್ಟೋಣ
तोता–ಗಿಳಿ
कौआ–ಕಾಗಿ
अुडता अुडता–ಹಾರುತ್ತ ಹಾರುತ್ತ
सियार–ನರಿ
चढकर–ಹತ್ತಿ, ಏರಿ
अुठा लाओ–ಎತ್ತಿ
ತೆಗೆದುಕೊಂಡುಬಾ
बील–ಹೋರು
खोजतेहुए–ಹುಡುಕುತ್ತ
धन्यवाद–ಧನ್ಯವಾದ
नहाना–ಸ್ನಾನಮಾಡುವದು
हीरा–ರತ್ನ
हीरेकी अंगूठी–ರತ್ನದ ಉಂಗುರ
खोदना–ಅಗಿಯುವದು
भीतर–ಒಳಗೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) पक्षी जब अंडे देते तब वह सांप पेडपर चढकर सब अंडे खा जाता था।

ಪಕ್ಷಿಗಳು ತತ್ತಿ ಹಾಕಿದಾಗ ಹಾವು ಗಿಡ ಏರಿ ಎಲ್ಲ ತತ್ತಿಗಳನ್ನು ತಿನ್ನುತ್ತಿತ್ತು.

(२) जब राजा के आदमी अुसको खोजते हुए आयेंगे तब वे साप को देखकर अुसे मार डालेंगे।

ರಾಜನ ಜನರು ಅದನ್ನು ಹುಡುಕುತ್ತ ಬಂದಾಗ ಹಾವನ್ನು ನೋಡಿ ಅದನ್ನು ಕೊಂದು ಹಾಕುವರು.

प्रश्नोत्तर

(१) साँप कहाँ था और क्या करता था ?—साँप जंगल में पेड की

जड में बील में था। पेड में अनेक पक्षी थे। साँप उनके अंडे और बच्चों को खाता था।

(२) सियारने क्या बुद्धिमानी की? सियारने कौए को उपाय बताया--तुम राजा के घर में कीमती चीज उठा लाओ। उस साँप के बील में डाल दो। राजाके नौकर उसे निकालने लगेंगे वहाँ साँप को वे देख कर मार डालेंगे। वैसा ही किया गया।



अठारहवाँ पाठ

सीधा सादा–साधुवाद
गोदर–सगणि
खेत–होल
अपजाअ–फलसत्तिद
बछडा, बछडे–करु
हल–नेगिल
जोतना–ऊळुवदु
खींचना–जग्गुवदु
के बिना–होरतु
किसान–ऒक्कलिग
खेती–बेसायि

घास पूस–हुल्लु
बेचारी–बडपायि
पहुंचाना–कोडु, मुट्टिसु
भोली भाली–साधु स्वभावद
भूरी–बूदि बण्ण
मेवा–फल, आहार
खबरलेना–कारजि तेगदु-कोळ्ळुवदु
दाना–कालुकडि
पिलाना–कुडिसुवदु

पद्योंका सरल अनुवाद

हसु नमगे हालु कोडुत्तदे. अदर होरि करगळु बेसायि माडुत्तवे. बडपायि हुल्लु कड्डि तिन्नुत्तदे. लाभ मात्र तुंबा कोडुत्तदे. इमु साधु सभ्य प्राणि इरुत्तदे. यावदु बूदिबण्णद्दु यावदु कप्पादद्दु इरुत्तदे. हसु हालु कोडदिद्दरे मगु! नीनु एल्लि हालु पडियुत्तिद्दि? अन्न

ಆಹಾರ ಬಯಸುತ್ತಿದ್ದರೆ ದಿನಾಲು ಆಕಳ ಸೇವೆ ಮಾಡು. ಎಂದೂ ಅದಕ್ಕೆ ದುಃಖ ಕೊಡದಿರು. ಅದರ ಕಾಳಜಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುತ್ತಿರು. ಅದಕ್ಕೆ ಕಾಳು ಹುಲ್ಲು ತಿನ್ನಿಸು. ತಣ್ಣೀರು ದಿನಾಲು ಕುಡಿಸು.

ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ

(೧) गाय हमको क्या लाभ पहुँचाती है ?—ಗಾಯ ಹಮ್ಕೊ ದೂಧ ದೇತೀ ಹೈ। ಉಸ್ಕಾ ಗೋಬರ ಖೇತೋಂಮೆಂ ಡಾಲ್ಕರ ಉನ್ಹೇ ಅಪಜಾಊ ಬನಾತೇ ಹೈ। ಉಸ್ಕೇ ಬಛಡೇ ಹಲ್ ಜೋತತೇ ಹೈಂ। ಗಾಡೀ ಖೀಂಚತೇ ಹೈಂ।

(೨) हम गाय की पूजा क्यों करते हैं ?—ಗಾಯ ಸೇ ಹಮೇ ಬಡಾ ಲಾಭ ಹೈ। ಭಾರತೀಯ ಕಿಸಾನ ಕಾ ಕಾಮ ಉಸ್ಕೇ ಬಿನಾ ಚಲ ಹೀ ನಹೀಂ ಸಕತಾ ಇಸ್-ಲಿಯೇ ಹಮ್ಕೊ ವಹ ಪ್ಯಾರೀ ಹೈ। ಪ್ರೇಮ ಸೇ ಉಸ್ಕೀ ಪೂಜಾ ಕರತೇ ಹೈಂ।

ಅನ್ನೀಸವೆಂ ಪಾಠ

बिल्ली–ಬೆಕ್ಕು
बिल्लियाँ–ಬೆಕ್ಕುಗಳು
मेल–ಪ್ರೇಮ
साथ साथ–ಸಂಗಡ, ಜೊತೆಯಾಗಿ
बांटकर–ಹಂಚಿಕೊಂಡು
बाँटनेलगी–ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳಹತ್ತಿದವು
टुकडे–ತುಕಡಿಗಳು, ತುಣುಕುಗಳು
खूब–ಚನ್ನಾಗಿ
झगडनेलगी–ಜಗಳಾಡಹತ್ತಿದವು
अितने में–ಇಷ್ಟರಲ್ಲಿ
बंदर–ಮಂಗ
पूछा–ಕೇಳಿತು, ವಿಚಾರಿಸಿತು
बराबर–ಸರಿಯಾಗಿ, ಸಮಾನ
चालाक–ಚತುರ
खुशहुअी–ಪ್ರಸನ್ನವಾದವು
तराजू–ತಕ್ಕಡಿ
तौलना–ತೂಗುವದು, ತೂಕಮಾಡುವದು.
भारीहोताहै–ಭಾರವಾಗುತ್ತದೆ
काटकर–ಕಡೆದು
हिस्सा–ಭಾಗ
बाकी–ಉಳಿದ,ಶೇಷ
सोतो ठीक है–ಅದಂತೂ ಸರಿಆದೆ
मेहनत–ಪರಿಶ್ರಮ
पछतातीहुअी–ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪ ಪಡುತ್ತ
फूट–ಒಡಕು

कठिन वाक्योंका अनुवाद

(१) जो कुछ मिलता उसे आपसमें बांटकर खाती थी।

ಏನಾದರೂ ಸ್ವಲ್ಪ ಸಿಕ್ಕದ್ದನ್ನು ತಮ್ಮಲ್ಲಿಯೇ ಹಂಚಿಕೊಂಡು ತಿನ್ನುತ್ತಿದ್ದವು

(२) जो टुकडा भारी होता उसमेंसे काटकर थोडासा खा जाता।

ಭಾರವಾದ ತುಣಿಕಿನಲ್ಲಿ ಕಡಿದು ಸ್ವಲ್ಪ ತಿನ್ನುತ್ತಿತ್ತು. (ಯಾವ ತುಣಕು ಭಾರ ವಾಗುತ್ತಿತ್ತು ಅದರಲ್ಲಿಂದ ಕಡಿದು ಸ್ವಲ್ಪ ತಿನ್ನುತ್ತಿತ್ತು)

प्रश्नोत्तर

(१) बिल्लियोंने क्यों झगडा किया?—दोनों बिल्लियों को एक रोटी मिली थी। दोनों बाँटने लगीं। पर टुकडे बराबर न हुए। एक बडा हुआ और एक छोटा। कोअी लेने तयार नहीं हुअी। दोनों झगडा करने लगीं।

(२) बंदरने क्या चालाकी की?—बिल्लियोंने बंदर से कहा—हमारी रोटीके टुकडे बराबर नहीं हैं। यह सुनकर बंदर बराबर बाँटने तयार होगया। कहीं से वह एक तराजू लाया। तौलने लगा। जो टुकडा भारी होता उस में से थोडा खा जाता। यह देख बिल्लियाँ घबरायीं। कहने लगीं कि बंदरजी! हम आपस में बाँटेंगी। बंदर बोला—मेरी मेहनत का फल मुझे दे दो कहकर बाकी रोटी भी खा ली। बदरने यही चालाकी की।

बीसवाँ पाठ

अकाल–ಬರಗಾಲ
मुश्किल–ಕಠಿಣ
खोज–ಶೋಧ
टूटपड़े–ಮುಗಿಬಿದ್ದರು
चुपचाप–ಸುಮ್ಮನೆ
खड़ीथी–ನಿಂತಿದ್ದಳು
बचगयीथी–ಉಳಿದಿತ್ತು
बैठा बैठा–ಕುತುಕೊಂಡೇ
ले लेनेपर–ತೆಗೆದುಕೊಂಡಮೇಲೆ
तोड़ा–ಮುರಿದಳು, ಮುರಿದನು
मुहर–ನಾಣ್ಯ (ಸುವರ್ಣ ನಾಣ್ಯ)
लौटाना–ವಾಪಸುಕೊಡುವದು
चाहना–ಬಯಸುವದು
भूल–ಮರೆತು
जानबूझकर–ತಿಳಿದುಕೊಂಡೇ
सचाई–ಸತ್ಯ, ಪ್ರಾಮಾಣಿಕತನ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जब रोटियाँ आयी तब सब लड़के अुनपर टूट पड़े।—

ಯಾವಾಗ ರೊಟ್ಟಿಗಳು ಬಂದವು ಆಗ ಎಲ್ಲ ಹುಡುಗರು ಅವುಗಳ ಮೇಲೆ ಮುಗಿಬಿದ್ದರು. (ರೊಟ್ಟಿಗಳು ಬಂದಾಗ ಎಲ್ಲ ಹುಡುಗರು ಅವುಗಳ ಮೇಲೆ ಮುಗಿಬಿದ್ದರು).

(२) वह लड़की सब से छोटी रोटी जो बच गयी थी अुठाकर खुशी-खुशी घर चली गयी।

ಆ ಹುಡಿಗಿ ಎಲ್ಲಕ್ಕೂ ಚಿಕ್ಕ ರೊಟ್ಟಿ ಯಾವದು ಉಳಿದಿತ್ತು ಅದನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ಸಂತೋಷದಿಂದ ಮನೆಗೆ ಹೊರಟುಹೋದಳು.

प्रश्नोत्तर

(१) जब अकाल पड़ता है तब लोग क्या करते हैं?—जब देश में अकाल पड़ता है तब लोगों को खाना मिलना मुस्किल होता है। वे अन् की खोज के लिये अिधर उधर भागने लगते हैं।

(२) जमींनदार क्या किया करता था?—अकाल पीडित गरीब बच्चों को जमीनदार रोज रोटियाँ देता था। वे लड़के रोज रोटियाँ लेते थे।

(३) संतोष और सचाअी का अिनाम किसको मिला और क्यों?—अनेक लडकों के साथ एक लडकी भी गेंदी लेने आती थी। सबके बाद बची छोटी रोटी लेती। और संतोष से बर जाती थी। गेज यह तमाशा जमींनदार देख रहा था। छोटी गेंदी में एक दिन जान बूझकर उसने एक मुहर रख दी। लडकीने बर जाकर गेंदी तोडी चकित हुअी। लडकी के माँ-बाप मुहर लेकर जमींनदार के पास आये! जमींनदारने उनकी सचाअी देख और भी धन दिया! पहली मुहर लडकी का अिनाम था जो संतोष का था। दूसरा सचाअी का अिनाम था।

अिक्कीसवाँ पाठ

नेता–ನಾಯಕ, ಮುಂದಾಳು
वक्ता–ವಾಕ್ಪಟು
बचपन–ಬಾಲ್ಯಕಾಲ
अव्वल–ಪ್ರಥಮ
फूटफूटकर–ಬಿಕ್ಕಿಬಿಕ್ಕಿ
खुद–ಸ್ವತಃ
आदर–ಮಾನ, ಆದರ

कठिन वाक्यों का सरल अनुवाद

(१) अध्यापक प्रश्न का ठीक ठीक अुत्तर पाकर गोखले से बडे प्रसन हुअे।
ಗುರುಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗೆ ಸರಿಯಾದ ಉತ್ತರ ಪಡೆದು ಗೊಖಲೆಯವರ ಮೇಲೆ ಬಹಳ ಪ್ರಸನ್ನರಾದರು.

प्रश्नोत्तर

(१) गोखलेजी कौन थे?—गोखलेजी भारत के बडे नेता थे। वे अच्छे वक्ता थे। देश के सच्चे सेवक थे।

(२) गोखलेजी के अध्यापक उनसे क्यों खुश रहते थे?—गोखलेजी

सत्य के प्रेमी थे। कहीं भी कभी झूट नहीं बोलते थे। अिन गुणों के कारण अध्यापक उनसे बहुत खुश रहते थे।

(२) गोखले क्लास में क्यों फूट-फूटकर रोने लगे?—गोखलेजी को अध्यापकने एक गणीत का प्रश्न दिण था। वर में लगा लाने कहा गया था। प्रश्न कठिण था। उन्होने एक मित्र से पूछकर लगा लिया। दूसरे दिन अध्यापकने गोखलेजी का उत्तर देखा। गोखलेजी को वर्ग में प्रथम बैठने कहा क्योंकि कोअी विद्यार्थी न लगा सका था। गुरुजी की बात सुनकर वे रोने लगे और बोले—मैंने खुद नहीं लगाया। मेरे मित्रने लगाया है। मुझे प्रथम बैठने का कोअी अधिकार नहीं। यों कहते रोने लगे।

बाअीसवाँ पाठ

बड़ोंकी बड़ाअी

कहलाना–ಅನ್ನಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದು	**ऊँचे महल**–ಎತ್ತರವಾದ ಮಹಲ
पाने से–ಪಡೆಯುವದರಿಂದ	**समझदार**–ತಿಳುವಳಿಕೆಯುಳ್ಳ

पद्योंका सरल अनुवाद

ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ತಾನೆ ದೊಡ್ಡವನೆಂದು ಹೇಳಿಕೊಳ್ಳುವವನು ದೊಡ್ಡವನೆಂದು ಅನ್ನಿಸಿಕೊಳ್ಳಲಾರನು. ಜನರು ಯಾರಿಗೆ ದೊಡ್ಡವನೆಂದು ಅನ್ನುವರು ಅವನೇ ದೊಡ್ಡವನೆಂದು ತಿಳಿಯಲ್ಪಡುವನು.

ಸಿರಿ ಸಂಪತ್ತನ್ನು ಪಡೆದರೆ ಯಾವನೂ ದೊಡ್ಡವನಾಗಲಾರನು. ಮನುಷ್ಯನು ಎತ್ತರ ಕಟ್ಟಡಗಳನ್ನು ಕಟ್ಟಿಸಿದರೆ ದೊಡ್ಡವನಾಗಲಾರನು.

ನಿಜವಾಗಿಯೂ ದೊಡ್ಡವನಾಗುವದು ಅತಿ ಕಷ್ಟದಾಯಕವದೆ. ದೊಡ್ಡ ಗುಣಗಳಿಲ್ಲದೆ ಎಂದೂ ದೊಡ್ಡ ಜನರಲ್ಲಿ ಹೆಸರು ಬರುವದಿಲ್ಲ.

ನೀನು ದೊಡ್ಡವನಾಗಬೇಕೆಂದಿದ್ದರೆ ಅದಕ್ಕೆ ಒಂದೇ ಉಪಾಯವಿದೆ ದುರ್ಬಲರ, ಅನಾಥರ, ಬಡವರ ಸಹಾಯವನ್ನು ತನು, ಮನ, ಧನದಿಂದ ಮಾಡು.

ಉತ್ತಮ ಗುಣಗಳಿಂದ ದೊಡ್ಡವರಾದವರೇ ಮೊಹ್ಮನರೆನಿಸಿಕೊಳ್ಳುವರು, ತಿಳಿದವರಲ್ಲಿ ವಿದ್ವಾಂಸ ಜನರಲ್ಲಿ ಅವರೇ ಆದರ ಪಡೆಯುತ್ತಾರೆ.

तेअीसवाँ पाठ

तमाखू–ತಂಬಾಕ	**धुआँ**–ಹೊಗೆ
शौकीन–ವಿಲಾಸಿ	**फैलना**–ಹರಡು, ಹಬ್ಬು
तमाखू पीना–ತಂಬಾಕ ಸೇದುವದು	**भरा है**–ತುಂಬಿದೆ
ऽ–ಅತ್ಯಂತ	**दाढ़ी**–ಗಡ್ಡ
चीज–ವಸ್ತು, ಸಾಮಾನ	**आग**–ಬೆಂಕಿ
नया–ಹೊಸ	**बालटी**–ಬಾದಲಿ
खा पीकर–ಊಟಮಾಡಿ,	**माथा**–ತಲೆ
पीठ–ಬೆನ್ನು	**चौंक पड़ना**–ಬೆಚ್ಚಿಬೀಳುವದು
दरवाजा–ಬಾಗಿಲ	**जलना**–ಸುಡುವದು
की तरफ–ಕಡೆಗೆ	**बुझाना**–ಆರಿಸುವದು, ನಂದಿಸುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) मुझने देखा कि कमरा धुँअें से भरा है और बाबू साहब के मुँह से धुआँ निकल रहा है।

ಖೋಲಿ ಹೊಗೆಯಿಂದ ತುಂಬಿ ಬಾಬು ಸಾಹೇಬನ ಮುಖದಿಂದ ಹೊಗೆ ಹೊರಡುತ್ತಿರುವದು ನೋಡಿದನು.

प्रश्नोत्तर

(१) बंगाली बाबू कहाँ और कैसे रहते थे?—बंगाली बाबू कलकत्ते में रहते थे। उनके पास धन था। आराम से रहते थे।

(२) बाबू कहाँ बैठे थे ? और क्या करते ते ?—बाबू एक बार अपने गाँव गये थे। गाँव के लोग उस समय तमाखू नहीं जानते थे। बाबू कमरे में बैठकर तमाखू पी रहे थे। कुरसी पर बैठे थे। पीठ द्वारकी ओर थी।

(३) नौकरने क्या देखा ? और उसने क्या किया ?—नौकरने देखा कि कमरा धुएँ से भरा हुआ है। बाबू के मुँह से भी धुआँ निकल रहा है। यह देखकर सोचा—आग के बिना धुआँ कहाँ से आता है ? जरूर बाबू की दाढी में आग लगी है। उसने एक बालटी पानी पीछे से बाबू के माथे पर डाल दिया।

चौबीसवाँ पाठ

शबरी के जूठे बेर

जूठा–ಎಂಜಲ
बेर–ಬಾರಿಹಣ್ಣು
प्रतापी–ವೀರ
चाहना–ಪ್ರೀತಿಸುವದು
भीलनी–ಬೇಡರವಳು
घने–ದಟ್ಟವಾದ
झोंपडा–ಜೋಪಡಿ
पेट भरना–ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಕೊಳ್ಳುವದು
बडाई–ಗುಣವರ್ಣನೆ
कमजोर–ದುರ್ಬಲ
खुशी का ठिकाना न रहा–ಅತಿ ಆನಂದ ಹೊಂದು
खिलाना–ತಿನಿಸುವದು
फले थे–ಪಕ್ವವಾಗಿದ್ದವು
टोकरी–ಬುಟ್ಟಿ
राह देखना–ದಾರಿ ಕಾಯುವದು
घूमते घूमते–ತಿರುಗಾಡುತ್ತ
दिल–ಮನ ಹೃದಯ
झट–ಕೂಡಲೆ
सबकुछ–ಎಲ್ಲವನ್ನು
चखती–ರುಚಿ ನೋಡುತ್ತಿದ್ದಳು
आप–ಸ್ವತಃ
प्रेम के भूखे–ಪ್ರೇಮದ ಹಸಿವೆ ಇದ್ದವರು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जब से अुसने श्री रामचंद्रजी की बडाअी सुनी तब से अुसके मन में अुनको देखने की बडी अिच्छा थी।

ಶ್ರೀ ರಾಮಚಂದ್ರರ ಗುಣವರ್ಣನೆ ಕೇಳಿದಾಗಿನಿಂದ ಅವಳ ಮನದಲ್ಲಿ ಅವರನ್ನು ನೋಡುವ ಬಹಳ ಇಚ್ಛೆ ಇತ್ತು.

(२) एक दिन अुसने सुना कि श्री रामचंद्र वन में आये हैं और अुसी के झोंपडे के पास से जानेवाले हैं।

ಶ್ರೀ ರಾಮಚಂದ್ರರು ವನದಲ್ಲಿ ಬಂದಿದ್ದಾರೆ ಮತ್ತು ಅವಳ ಗುಡಿಸಲ ಹತ್ತಿರವೇ ಹೋಗುವವರು ಇದ್ದಾರೆಂದು ಅವಳು ಒಂದು ದಿನ ಕೇಳಿದಳು.

(३) जो मीठा निकलता था अुसे श्री रामचंद्रजी के हाथ में खाने को देती जाती थी।

ಸಿಹಿ ಹೊರಟದ್ದನ್ನು ಶ್ರೀ ರಾಮಚಂದ್ರರಿಗೆ ತಿನ್ನಲು ಕೊಡುತ್ತ ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದಳು.

प्रश्नोत्तर

(१) श्री रामचंद्रजी कौन थे? और उनकी उदारता का उदाहरण दो—रामचंद्र आयोध्या के क्षत्रिय राजा थे। वे अपने पिता की आज्ञा से चौदह साल वन में रहे। वहाँ शबरीने उन्हे बेर दिये। शबरी स्वयं बेर चखती थी। जो मीठा निकलता देती जाती थी। रामजी आनंद से खाने लगे। वे लक्ष्मणसे बोले—ये जूठे हैं पर अिनमें प्रेम का रस मिला है। यह उनकी उदारता थी।

(२) शबरी कौन थी? उसने रामचंद्रजी की क्या सेवा की?—शबरी एक भीलनी थी। वह जंगल में थी। बूढी थी। वहीं फल खाके अपना पेट भरलेती थी। उसने रामजी की बडाअी सुनी थी।

उन्हे देखना चाहती थी। एक दिन सुना रामजी उसके झोंपडे के पास से होकर जानेवाले हैं। वह खुश हुअी। अपना झोंपडा साफ किया। वेर तोड लाअी। राम और लक्ष्मण आये। शबरीने नमस्कार किया। खाने वेर दियें। प्रेम के आगे सबकुछ भूल गयी। उसने यही सेवा की।

पच्चीसवाँ पाठ

मद्रास शहर

तैयारी–ಸಿದ್ಧತೆ
रवाना होना–ಹೊರಡುವದು
भीड–ಜನಸಮೂಹ ಗದ್ದಲ
बिजली–ವಿದ್ಯುತ್
बंदरगाह–ಬಂದರ
जहाज–ಹಡಗ
सडक–ಬೀದಿ, ಮಾರ್ಗ
दफ्तर–ಕಚೇರಿ
:ರ–ಹೊರಳಿ, ತಿರುಗಿ
:–ಬಿಳಿಯ
अजायब घर–ವಸ್ತುಸಂಗ್ರಹಾಲಯ
तसवीर–ಚಿತ್ರ
जरूर–ಅವಶ್ಯ

कठिण वाक्यों का अनुवाद

(१) बंदरगाह बडा तो नहीं है तोभी कुछ बडे बडे जहाज यहाँ भी आते हैं।

ಬಂದರವು ದೊಡ್ಡದಂತೂ ಇಲ್ಲ ಆದರೂ ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ಹಡಗಗಳು ಇಲ್ಲಿಯೂ ಬರುತ್ತವೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) मद्रास के बडे स्टेशन का नाम क्या है? उस पर कहाँ कहाँ से गाडियाँ आती हैं?—मद्रास का सब से बडा स्टेशन सेंट्रेल

स्टेशन है। अिस पर बंबअी, कलकत्ता और बेंगलूर की तरफ से गाडियाँ आती हैं।

छब्बीसवाँ पाठ

मातृ वंदना

चरण–ಚರಣ
नमाअूँ–ನಮಿಸುವೆ
भक्ति भेंट–ಭಕ್ತಿ ಕಾಣಿಕೆ
तेरी शरण–ನಿನ್ನ ಆಶ್ರಯ
सपूत–ಸುಪುತ್ರ
धूली–ಧೂಳಿ
निज-अपना–ನನ್ನ
शीश पै–ತಲೆಯ ಮೇಲೆ
चढाअूँ–ಧರಿಸಿಕೊಳ್ಳಲಿ, ಏರಿಸಿಕೊಳ್ಳಲು
मानी–ಮನ್ನಿಸು
पानकर–ಕುಡಿದು
मनाअूँ–ಸಮಾಧಾನ ಮಾಡಲಿ
काम आअूँ–ಉಪಯೋಗಕ್ಕೆ ಬರಲಿ

पद्यों का सरल अनुवाद

ಹೆ, ಜನ್ಮಭೂಮಿ! ನಿನ್ನ ಚರಣದಲ್ಲಿ ಶಿರಬಾಗುವೆ. ನನ್ನ ಭಕ್ತಿ ಕಾಣಿಕೆ ನಿನ್ನಲ್ಲಿ ಅರ್ಪಿಸುವೆ. ರಾಮ-ಕೃಷ್ಣನಂಥ ಉತ್ತಮ ಪುತ್ರರನ್ನು ಹೆತ್ತ ಮಾತೆಯೇ! ನಿನ್ನ ದೂಳಿಯನ್ನು ನನ್ನ ಶಿರದಲ್ಲಿ ಧರಿಸುವೆನು.

ಅಭಿಮಾನಿ ಸಮುದ್ರವು ಯಾವ ಪಾದ ದೂಳಿ ಕುಡಿದು ಆದರಿಸುತ್ತದೆ. ಆ ಪಾದಗಳನ್ನು ಪ್ರಾರ್ಥಿಸುವೆನು ಪ್ರಸನ್ನಗೊಳಿಸುವೆನು.

ನಿನ್ನ ಸೇವೆಗಾಗಿ ಎಲ್ಲ ಭೇದ ಭಾವ ಮರಿಯುವೆನು. ಆ ಪುಣ್ಯ ಪವಿತ್ರ ನಿನ್ನ ಹೆಸರನ್ನು ಆಲಿಸುವೆನು, ಸ್ಮರಿಸುವೆನು: ನುಡಿಯುವೆನು.

ನಾನು ನಿನ್ನ ಉಪಯೋಗಕ್ಕೆ ಬರುವೆನು. ನಿನ್ನ ಗುಣಗಾನವನ್ನೇ ಹಾಡುವೆನು. ನಾನು ನಿನಗಾಗಿ ಮನ ತನವನ್ನೇ ಬಲಿದಾನ ಮಾಡುವೆನು.

हिन्दी की दूसरी पुस्तक का साथी

पहला पाठ

प्रार्थना

दीन दयालो–ದೀನರ ಮೇಲೆ ದಯ ತೋರುವವನೇ

दया सिंधु–ದಯದ ಸಮುದ್ರನೆ

घट घट वासी–ಪ್ರತಿ ಹೃದಯದಲ್ಲಿ ವಾಸಿಸುವವನೆ

संकट नाशी–ಸಂಕಟ ನಾಶ ಮಾಡುವವನೆ

खान–ಖಣಿ

जोडकर–ಜೋಡಿಸಿ

निर्मल मति–ನಿರ್ಮಲ ಬುದ್ಧಿಯವನು!

गहरी–ಆಳವಾದ

दीजै–ಕೊಡು

नाथ–ಒಡೆಯ

अंतरयामी–ಅಂತರ್ಯಾಮಿ

नामी–ಪ್ರಸಿದ್ಧ

पद्यों का सरल अनुवाद

ಹೇ, ಪರಮೇಶ್ವರನೇ! ದೀನದಯಾಳು ದಯಾಸಾಗರನೆ! ಪ್ರಭುವೇ ಸರ್ವವ್ಯಾಪಿ! ಸಂಕಟ ದೂರ ಮಾಡುವವನೆ! ಗುಣದ ಖಣಿಯೇ! ಸದ್ಗುಣಿ ಎಲ್ಲ ಬಾಲಕರು ಕೈಜೋಡಿಸಿ ಅತಿ ಪ್ರೇಮದಿಂದ ವಿನಂತಿ ಮಾಡುವವು. ನಿರ್ಮಲ ಮತಿವಂತನೆ! ವಿದ್ಯಾಸಾಗರನೆ! ಪ್ರಿಯನೇ! ಪೂರ್ಣಬಲ ಕೊಡು. ನೀನೇ ನಮ್ಮ ಒಡೆಯನು ಸ್ವಾಮಿ! ನೀನೇ ಅಂತರ್ಯಾಮಿಯು ಇದ್ದೀ. ನೀನೇ ಎಲ್ಲ ಗುಣಗಳ ಸಾಗರನು ನೀನೇ ಹೆಸರಾದ ನ್ಯಾಯ ಮೂರ್ತಿಯು.

दूसरा पाठ

बाप और बेटे की बातचीत

बातचीत–ಸಂಭಾಷಣೆ	**धीरे धीरे**–ನಾವಕಾಶವಾಗಿ
गौर से–ಲಕ್ಷ್ಯಗೊಟ್ಟು	**सहल-सुलभ**–ಸರಳ
महल–ದೊಡ್ಡ ಮನೆ	**हर रोज़**–ಪ್ರತಿದಿನ
मकान–ಮನೆ	**बूंद**–ಹನಿ
सामने–ಮುಂದೆ, ಎದುರು	**घड़ा**–ಕೊಡ
राज–ಉಪ್ಪಾರ	**भर**–ತುಂಬು
ईंट–ಇಟ್ಟಂಗಿ	**एकदम**–ಒಮ್ಮೆಲೇ
गारा–ಗಚ್ಚು	**अछलकर**–ಹಾರಿ, ಜಿಗಿದು
दीवार उठाना–ಗೋಡೆ ಎತ್ತರಿಸು	**चोटी**–ಶಿಖರ, ತುದಿ
कहना–ಅನ್ನುವದು	**बनती है**–ಆಗುತ್ತದೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) अिस संसार में जितने बड़े बड़े विद्वान पुरुष हुए हैं। वे हर रोज नियम से एक एक छोटे छोटे पाठ पढ़ने से ही हुए हैं।

ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ವಿದ್ವಾನ ಪುರುಷರಾದನರೆಲ್ಲರೂ ನಿತ್ಯ ನಿಯಮದಿಂದ ಒಂದೊಂದು ಚಿಕ್ಕ ಚಿಕ್ಕ ಪಾಠ ಓದುವದರಿಂದಲೇ ಆಗಿದ್ದಾರೆ. (ಈ ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಎಷ್ಟು ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ವಿದ್ವಾನ್ ಪುರುಷರು ಆಗಿದ್ದಾರೆ ಅವರು ಪ್ರತಿದಿನ ನಿಯಮದಿಂದ ಒಂದೊಂದು ಚಿಕ್ಕ ಚಿಕ್ಕ ಪಾಠ ಓದುವದರಿಂದಲೇ ಆಗಿದ್ದಾರೆ.)

प्रश्नोत्तर

(१) "आदमी एकदम उछलकर पहाड़ की चोटी पर नहीं पहुँच जाता!" उदाहरण के साथ लिखिये—एक लड़का एक महल को गौर से देख रहा था। उस से उसके पिताने पूछा—पुत्र! क्या

देख रहे हो? पुत्र बोला—मैं सोच रहा था कि ईंट कितनी छोटी चीज है; तो भी उस से कितना बडा महल बन गया। यह सुनकर बापने कहा—ठीक है। अिस संसार में जितने बडे बडे विद्वान हुए हैं वे हर रोज नियम से एक एक पाठ पढने से ही हुए हैं। पानी की एक एक बूंद से घडा भरता है। कोअी काम कठिन नहीं। कोअी आदमी एकदम उछलकर पहाड की चोटी पर नहीं पहुँच जाता।

तीसरा पाठ

पंडित अीश्वरचंद्र विद्यासागर

होनहार–ದೊಡ್ಡಿಸ್ತನದ ಲಕ್ಷಣಅುಳ್ಳವ
शिक्षा–ಶಿಕ್ಷಣ
विद्यासागर–ವಿದ್ಯದ ಸಮುದ್ರ
नम्र–ವಿನಯ
दीन–ದೀನ
मदद–ಸಹಾಯ
सैकडों–ನೂರಾರು
गरीब–ಬಡವ
सादे–ಸಾದಾ
यात्रा–ಪ್ರವಾಸ
नवयुवक–ತರುಣ
पतलून–ಪ್ಯಾಂಟು
पुकारा–ಕರೆದನು, ಕರೆದಳು
घबराया–ಘಾಬರಿಯಾದನು
झगडा–ಜಗಳ
मजदूरी–ಕೂಲಿ
आगे आगे–ಮುಂದೆ ಮುಂದೆ
पीछे पीछे–ಹಿಂದೆ, ಹಿಂದೆ
अचरज–ಆಶ್ಚರ್ಯ
धूम–ಃ
अिक्कट्ठे–ಒಂದುಕಡೆಸೇರು
शामिल होना–ಕೂಡಿಕೊಳ್ಳುವದು
मुसाफिर–ಪ್ರವಾಸಿಕ
शरम–ನಾಚಿಕೆ
पछताना–ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪಪಡುವದು
खत्म–ಮುಗಿ ಪೂರ್ಣವಾಗು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) पर जब विद्या सागरने पैसे नहीं लिये तब नवयुवक को बडा अचरज हुआ।

ಆದರೆ ವಿದ್ಯಾಸಾಗರರು ರೊಕ್ಕ ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳದಿದ್ದಾಗ್ಗೆ ಆ ಯುವಕನಿಗೆ ಆಶ್ಚರ್ಯವಾಯಿತು.

(२) आज मुझे मालूम हुआ कि कोट पतलून पहनने से कोअी आदमी बडा नहीं होता।

ಕೋಟು, ಪ್ಯಾಂಟು ತೊಡುವದರಿಂದ ಯಾವನೂ ದೊಡ್ಡವನಾಗಲಾರ ನೆಂದು ಇಂದು ಅವನಿಗೆ ಗೊತ್ತಾಯಿತು.

प्रश्नोत्तर

(१) अीश्वरचंद्र विद्यासागरपर दस वाक्य हिंदी में लिखिये–अीश्वरचंद्र विद्यासागर का जन्म बंगाल में हुआ था। वे बंगाली और संस्कृत के पंडित थे। वे बडे उदार; नम्र; थे। एक बार बर्दवान स्टेशन में एक नवयुक कुली-कुली पुकार रहा था। पर कुली नहीं था। तब पंडितजीनेही उसके सामान उठाके घर पहुँचाया। पैसे न लिये। दूसरे दिन उसी गाँव में लोग उन्ही पंडितजी का स्वागत कर रहे थे। नवयुवक को जब यह मालूम हुआ कि वह सादा मनुष्य विद्यासागर हैं तब पछताया। पंडितजी से मार्फी माँगने लगा। ठीक है। कोअी कोट पतलून पहनने से बडा नहीं होता। बडा वही है जो बडा काम करता है।

चौथी पाठ

चार चोर

चोरी–ಕಳವು
चोर–ಕಳ್ಳ,
घुसना–ಪ್ರವೇಶಿಸುವದು
हारगये–ಸೋತರು
भैंस–ಎಮ್ಮೆ
खोलना–ಬಿಚ್ಚಿ ಬಿಡುವದು
जाग पडना–ಎಚ್ಚರಾಗುವದು
बांधने–ಕಟ್ಟಲು
निकल–ಹೊರಡು
हथियार–ಆಯುಧ
सारे–ಎಲ್ಲ
दिया–ದೀಪ
जलाकर–ಉರಿಸಿ, ಹಚ್ಚಿ, ಸುಟ್ಟು
ढोना–ಹೊರುವದು
छोडना–ಬಿಡುವದು
खबर–ಸಮಾಚಾರ
पुलिस–ಪೋಲೀಸ
सहारे–ಸಹಾಯ
संदेह–ಸಂಶಯ
गवाह–ಸಾಕ್ಷಿ
सूझगयी–ಹೊಳೆಯಿತು, ತಿಳಿಯಿತು
फैसला–ನಿರ್ಣಯ
बेकसूर–ನಿರಪರಾಧಿ
लौटकर–ಮರುಳಿ
कडी सजा–ಕಠಿಣಶಿಕ್ಷೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जो फैसला होना चाहिये था वह हो गया

ಆಗ ಬೇಕಾದ ನಿರ್ಣಯ ಆಗಿಹೋಗಿದೆ (ಯಾವ ನಿರ್ಣಯ ಆಗ ಬೇಕಿತ್ತು ಅದು ಆಗಿ ಹೋಯಿತು.)

प्रश्नोत्तर

(१) चोरोंने बुढिया के वर में किसतरह घुसे ?— चोरोंने बुढिया की भैंस को खोल दिया । तब बुढिया जाग पडी । भैंस को बांधने बाहर निकली तब चोरोंनें उसे पकडके पेड से बांधा । और वे वर में घुसे।

(२) मैजिस्ट्रेटने चोरों को पकडने क्या किया ?—मैजिस्ट्रेटने पहले फैसला सुनाकर चोरों को छोडदिया। वे न्यायालय के बाहर चले। तब अन्होंने बुलाकर चोरो से कहा—जो फैसला होना चाहिये था हो गया। अब अपने अपने हथियार क्यों नहीं ले जाते ? चोर यह सुनकर खुशी से हथियार उठाने लगे तुरंत मैजिस्ट्रेटने कैद करने का हुकुम दिया। और कहा-हाथियार जब तुम्हारे हैं तब दूसरा चोर कौन हो सकता है ?

पाँचवाँ पाठ

रानडे और गरीब बालक

पढाओ–ಓದು, ಅಭ್ಯಾಸ
पीछेचलकर–ನಂತರ, ಹಿಂದುಗಡೆ
अिज्जत–ಮಾನ
मुकद्दमा–ನ್ಯಾಯ
सताना–ಪೀಡಿಸುವದು
बरफी–ಬರ್ಫಿ
मुस्कुराना–ನಸುನಗುವದು
ज्यादा–ಹೆಚ್ಚಾಗಿ
छाती–ಹೃದಯ
चूमलिया–ಮುದ್ದಿಸಿದಳು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

माँ ! तुम्हीं ने कहा था कि यह गरीब बालक तुम्हारा भाअी है और मुझे अुस पर दया करनी चाहिये।

ತಾಯಿ! ಈ ಬಡಹುಡುಗ ನಿನ್ನ ಸಹೋದರನು ನೀನು ಅವನಲ್ಲಿ ದಯವಿಡಬೇಕೆಂದು ನೀನೆಹೇಳಿದ್ದಿ.

प्रश्नोत्तर

(१) माताने रानडे को क्या शिक्षा दी थी ?—माताने रानडे को उपदेश दिये थे कि बेटा ! गरीबों पर दया करो, उन्हे अपना भाअी समझो ; गरीबों को न सताओगे तो वे भी तुम से प्यार करेंगे।

(२) माता की शिक्षा के अनुसार रानडेने क्या किया ?—एक दिन माताने रानडे को बरफी का टुकडा दिया। रानडे के पास एक गरीब लडका था। माताने उसे भी देने एक छोटा टुकडा दिया। रानडेने उसे झट मुँह में डाल लिया। और बडा टुकडा गरीब लडके को दिया। माताने पूछा—उसे बडा टुकडा क्यों दिया ? रानडेने कहा—माँ ! तुम्हारे कहने के अनुसार मैंने किया। गरीब बालक मेरा भाभी है। ज्यादा मिठाभी मैंने खाभी या मेरे भाभीने। दोनों एक ही बात है। रानडेने यों किया।

छठा पाठ

स्वामिभक्त कुत्ता

बढकर–ಶ್ರೀಮಂತ
पहचानना–ಗುರುತಿಸು
रखवाली–ಕಾವಲು
ईमानदार–ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ
सवार होकर–ಹತ್ತಿ, ಏರಿ
दोपहर–ಮಧ್ಯಾನ್ಹ
राह ली–ದಾರಿಹಿಡಿದನು
थैली–ಚೀಲ
भूलना–ಮರೆಯುವದು
भूंकना–ಬೊಗಳುವದು
अिशारे–ಸನ್ನೆ
अुलटा–ವಿರುದ್ಧ
गुस्सा–ಸಿಟ್ಟು
डांटना–ಬೆದರಿಸುವದು
शायद्–ಬಹುಶಃ
पागल–ಹುಚ್ಚ
गोली–ಗುಂಡು
गोली खाकर–ಗುಂಡು ಬಡಿಸಿ ಕೊಂಡು
गिरना–ಬೀಳುವದು
लेटना–ಮಲಗುವದು
दम निकल रहा है–ಪ್ರಾಣ ಹೋಗುತ್ತಿದೆ
मतलब–ಅರ್ಥ
पूंछ हिलाना–ಸಂತೋಷ ವ್ಯಕ್ತಮಾಡುವದು
रंज–ದುಖ
गोद–ಉಡಿ, ತೊಡೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) तब अुसके मालिकने सोचा कि कुत्ता शायद पागल हो गया है।
ನಾಯಿ ಬಹುಶಃ ಹುಚ್ಚಾಗಿದೆಯೆಂದು ಆಗ ಅವರ ಮಾಲಿಕನು ತಿಳಿದನು.

(२) जाकर क्या देखता है कि कुत्ता अुसी थैली के पास पड़ा है और अुसका दम निकल रहा है।
ಹೋಗಿ ಏನು ನೋಡುತ್ತಾನೆ. ಏನೆಂದರೆ ನಾಯಿ ಅದೆ ಚೀಲದ ಹತ್ತಿರ ಬಿದ್ದಿದೆ ಮತ್ತು ಅವರ ಪ್ರಾಣ ಹೋಗುತ್ತಿದೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) मालिकने कुत्ते को क्यों गोली मार दी ?—मालिक अपनी रुपयों की थैली भूल आया था। उसे याद दिलाने कुत्ता कभी जोर से भूँकता हुवा पीछे की ओर दौडता कभी आगे आता। मालिक समझ न सका कि कुत्ता क्यों भूंकता है। उलटे पागल समझकर उसे गोली मार दी।

(२) बिना विचारे कोअी काम करने से क्या फल होता है ?— बिना विचारे कोअी काम करने से हानि होती है। कुत्ता मालिक को उनकी रुपयों की थैली की याद दिलाने भूँकता है। मालिक पागल समझ मारता है। कुत्ता गोली खाकर थैली के पास जाता है। मालिक को थैली की याद आते ही उस जगहपर जहाँ थैली रखी थी पहुँचता है। वहाँ कुत्ते को देख पछताता है। कुत्ते की स्वामिभक्ति देख अपनी भूल पर रोता है।

सातवाँ पाठ

खरगोश की चतुराओ

चतुराओ–ಜಾಣತನ
शेर–ಸಿಂಹ
सभा–ಸಭೆ
खोजना–ಶೋಧಿಸುವದು
तकलीफ–ಕಷ್ಟ
लायक–ಯೋಗ್ಯ
काफी–ಸಾಕಷ್ಟು
खरगोश–ಮೊಲ
बारी–ಪಾಳಿ
चालाक–ಚತುರ
कुआँ–ಭಾವಿ
परछाओ–ಪ್ರತಿಬಿಂಬ
देरसे–ತಡಮಾಡಿ
भूख–ಹಸಿವೆ
नाराज–ಸಿಟ್ಟು
घेरना–ಮುತ್ತುವದು
साथी–ಸಂಗಡ ಇದ್ದವರು
छीनना–ಕಸಿದುಕೊಳ್ಳುವದು
गरजकर–ಗರ್ಜಿಸಿ
चुपचाप–ಸುಮ್ಮನೆ
भीतर–ಒಳಗೆ
गूंजअठी–ಪ್ರತಿಧ್ವನಿಯಾಯಿತು
कूदपडा–ಜಿಗಿಯಿತು, ಹಾರಿತು
ढूबना–ಮುಳುಗುವದು
अछलता कूदता–ಹಾರುತ್ತ ಜಿಗಿಯುತ್ತ
निडर–ನಿರ್ಭಯ
तारीफ–ವರ್ಣನೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) हमने यह सोचा है कि हम रोज एक जानवर आपके पास भेज देंगे
ನಾವು ದಿನಾಲು ಒಂದು ಪ್ರಾಣಿಯನ್ನು ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ಕಳಿಸಲು ಯೋಚಿಸಿದ್ದೇವೆ.

(२) अुसे सुनकर शेरने सोचा कि दूसरा शेर गरज रहा है।
ಅದನ್ನು ಕೇಳಿ ಎರಡನೆ ಸಿಂಹವು ಗರ್ಜಿಸುತ್ತಿದೆ ಯಂದು ಸಿಂಹವು ತಿಳಿಯಿತು.

प्रश्नोत्तर

(१) जानवरोंने मिलकर शेर से क्या कहा ?—सब जानवरोंने कहा—

हे जंगल के राजा ! आप को शिकार खोजने में तकलीफ भी होती है। अनेक जानवरों को यों ही मार डालते हैं। हमने यह सोचा है कि रोज एक जानवर आपके पास भेज दें। अिस से हम दोनों का लाभ है।

(२) खरगोशने शेर को किस चतुराअी से मारा ?—खरगोश शेर के पास गया बोला—महाराज ! जानवरोंने दो खरगोशों के साथ मुझे भेजा था। मार्ग में एक शेरने मेरे दो साथी तो खा लिये। मैं लौटने का वचन देकर आपके पास आया हूँ। शेर क्रोधित हुआ। वह खरगोश के साथ चला। खरगोश शेर को एक कुएँ के पास ले चला। शेरने कुएँ में अपनी परछाअी देखी समझा कि दूसरा शेर है। गरजकर उसी कुएँ में कूद पडा और मर गया। अिस प्रकार शेर को खरगोशने चालाकी से मारा।

आठवाँ पाठ

न्याय का नमूना

पक्ष-तरफदारी — **बेगम**-ರಾಣಿ

घंटा-ಗಂಟೆ — **तुरंत**-ಕೂಡಲೆ

रस्सी-ಹಗ್ಗ — **तलाश**-ಶೋಧನೆ

बुलाना-ಕರೆಯುವದು — **गोली चलाना**-ಗುಂಡು ಹೊಡೆಯುವದು

धोबिन-ಅಗಸಗಿತ್ತಿ

बजाया-ಬಾರಿಸಿದನು, ಬಾರಿಸಿದಳು — **आखिर**-ಕೊನೆಗೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) आखिर बडी कोशिश के बाद मालूम हुआ कि बादशाह की बडी बेगम नूरजहाँने गोली चलायी।

ಕೊನೆಗೆ ಬಹಳ ವ್ಯಯತ್ನದನಂತರ ಬಾದಶಹನ ಹಿರಿಯ ರಾಣಿಯೇ ಗುಂಡು ಹೊಡೆದಳೆಂದ ತಿಳಿಯಿತು.

(೨) ಲೋಗ ಕಹ್ತೇ ಹೈ ಕಿ ವೆ ಗಾವ ಆಜ ಭೀ ಉಸ ಧೋವಿನ ಕೇ ವಂಶಜೋ ಕೇ ಅಧಿಕಾರ ಮೇಂ ಹೈ।

ಆ ಊರುಗಳು ಇಂದು ನಹ ಅವೆ ಅಗಸಗಿತ್ತಿಯ ವಂಶಸ್ಥರ ಅಧಿಕಾರ ದಲ್ಲಿ ಇವೆಯುಮು ಜನರು ಹೇಳುತ್ತಾರೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) जहाँगीरने धोविन के साथ किस तरह न्याय किया? संक्षेप में लिखिये— जहाँगीर अकबर बादशा के बेटे थे। वे दयालू और न्याय पक्ष के थे। जब वे बादशाह हुए तब अन्होंने प्रजा की शिकायत सुनने महल में एक घंटा बंधवा दिया। महल के बाहर उसकी रस्सी लंबी रहती थी। फरियाद करनेवाले उसे खींचते थे। एक बार धोविनने रस्सी खींची। फरियाद था कि जहाँगीर की बडी बेगम की गोली लगकर उसका पति मारा गया है। सभी दरबारी सोचने लगे कि देखें अब जहाँगीर क्या न्याय करते हैं? जहाँगीर भरी बंदूक धोविन के हाथ में देकर बोला— "हमारे नियम के अनुसार खून का बदला खून है। बेगमने तुझे विधवा बनाया तू भी मुझे मारकर उसे विधवा बना दे" चला गोली। लेकिन धोविनने बेगम को क्षमा कर दिया। जहाँगीर नूरजहाँ के जहांगीर के गाँवों में से आधे गाँव धोविन को दे दिये। यही जहाँगीर का न्याय है।

नौवाँ पाठ

जमींदार और हंस

आलसी–ಆಲಸಿ
सुस्ती–ಆಲಸ್ಯತನ
बरबाद–ನಾಶ
हाथ डालना–ಕೈ ಹಾಕುವುದು
घाटा ही घाटा होना–ಹಾನಿಯೇ ಹಾನಿ ಆಗುವುದು
आमदनी–ಉತ್ಪನ್ನ
कर्जा–ಸಾಲ
अदालत–ಕೋರ್ಟು
नालिश–ದಾವೆ ಮಾಡು, ಮೊರೆ ಕೊಡು
कोठी–ಮೋಳಿ
अनाज–ಕಾಳು, ಧಾನ್ಯ
बोग–ಚೀಲ, ಗಂಟು
डांटा–ಬೆದರಿಸಿದನು
दिन चढा–ಹೊತ್ತು ಏರು (ಹೊತ್ತು ಆಗು)

कठिन वाक्यों का अनुवाद

१) जब कर्जा देनेवालोंने देखा कि अुसके पास से रुपये-पैसे नहीं मिल सकते तब अुन्होंने अदालतमें अुस पर नालिश की।
ಸಾಲ ಕೊಡುವವರು ಅವನಿಂದ ಒಕ್ಕ ರೂಪಾಯಿ ಸಿಗಲಾರವೆಂದು ಕಂಡಾಗ ಅವರು ಕೋರ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಅವನ ಮೇಲೆ ದಾವೆ ಮಾಡಿದರು.

२) तब तो जमींनदार को मालूम हुआ कि अिस बरबादी का कारण मेरी सुस्ती के शिवा और कुछ नहीं है।
ಆಗಂತೂ ಜಮೀನುದಾರನಿಗೆ ಈ ಹಾನಿಯ ಕಾರಣವು ತನ್ನ ಆಲಸ್ಯ ತನದ ಹೊರ್ತು ಬೇರೆ ಏನೂ ಇಲ್ಲವೆಂದು ಗೊತ್ತು ಆಯಿತು.

प्रश्नोत्तर

१) जमींनदार की बरबादी का क्या कारण था?—जमींनदार बडा आलसी था। उसकी आलसी के कारण ही उसका बरबाद हो रहा था।

(२) जमीनदार के दोस्तने उसको क्या शिक्षा दी?—जमीनदार के दोस्तने सोचा कि जमीनदार की सुस्ती दूर करना ही उसे ठीक करने का उपाय है। वह जमीनदार से बोला—आजकल बडे सवेरे एक हँस यहाँ आता है। उसे तुम देखो तुम्हे कोअी कमी नहीं रहेगी। मित्र की बात मानके दूसरे ही दिन सबेरे जमीनजार उठा अपनी कोठी की ओर चला। वहाँ उसका नौकर अनाज चुरा रहा था। खेत में गया दिन बहुत चढ गया है। पर मजदूर अभी नहीं आये थे। तब अपनी बरबादी का कारण जमीनदारने जान लिया। मित्रने यही शिक्षा दी।

दसवाँ पाठ

सीखो

नित–ನಿತ್ಯ
भौंरोंसे–ಭ್ರಮರಗಳಿಂದ
तरु–ಗಿಡ
झुकी–ಬಾಗಿದ
शीश-सिर–ತಲೆ, ಶಿರ
झुकाना–ಬಾಗಿಸುವದು
झोंको से–ಸೆಳಕಿನಿಂದ,
हिलना–ಅಲುಗಾಡುವದು
हिलाना–ಅಲುಗಾಡಿಸುವದು
जगना–ಏಳುವದು
जगाना–ಎಚ್ಚರಿಸುವದು
गले लगाना–ಆಲಂಗಿಸುವದು, ಹೊಂದಿಕೊಂಡಿರುವದು
वर्षा–ಮಳೆ
बूंद–ಹನಿ
मेहंदी–ಮದರಂಗಿ
रंग चढाना–ದರ್ಪನ್ನು ಕೂಡಿಸುವದು
मछली–ಮೀನ
तडपकर–ಒದ್ದಾಡಿ, ಹೆಣಗಾಡಿ
पतझड–ಬರಲು ಮರ
धीरज धरना–ಧೈರ್ಯದಿಂದ ಇರುವದು
अंधेरा–ಕತ್ತಲು, ಅಂಧಃಕಾರ
दीपक–ದೀಪ, ಜ್ವಾಲೆ

हरना–ದೂರ ಮಾಡುವದು, ಹರಣ ಮಾಡುವದು
जलधारा–ಜಲಪ್ರವಾಹ
जीवनपथ–ಜೀವನಮಾರ್ಗ
हरदम–ಪ್ರತಿಕ್ಷಣ
निज–ತನ್ನ–ಆಪನಾ
गढना–ರೂಪಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದು
तथा–ಮತ್ತು

पद्योंका सरल अनुवाद (ಕನ್ನಡ)

ಹೂಗಳಿಂದ ನಿತ್ಯ ನಗುವದನ್ನು ಭ್ರಮರಗಳಿಂದ ದಿನಾಲು ಹಾಡುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ವೃಕ್ಷಗಳ ಬಾಗಿದ ಟೊಂಗೆಗಳಿಂದ ನಿತ್ಯ ಸಿರಬಾಗುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ.

ಗಾಳಿಯ ಜೀಕುವಿಕೆಯಿಂದ ಜಗವು ಅಲ್ಲಾಡುವದನ್ನು ಅದನ್ನು ಅಲ್ಲಾಡಿಸುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಹಾಲು ಮತ್ತು ನೀರು ಕೂಡುವಿಕೆಯಿಂದ ಬೆರೆಯುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಸೂರ್ಯಕಿರಣಗಳಿಂದ ಏಳುವದನ್ನು ಮತ್ತು ಎಬ್ಬಿಸುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಗಿಡ ಮತ್ತು ಬಳ್ಳಿಗಳ ಕೂಡುವಿಕೆಯಿಂದ ಎಲ್ಲರೊಡನೆ ಪ್ರೀತಿಯಿಂದ ಅಪ್ಪಿಕೊಳ್ಳುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ.

ಮಳೆಹನಿಗಳಿಂದ ಎಲ್ಲರೊಡನೆ ಪ್ರೇಮ ಜೆಳೆಸುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಮದರಂಗಿಯಿಂದ ತನ್ನ ಬಣ್ಣವನ್ನು ತರುವ ಗುಣಗಳನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ.

ಮೀನು ತನ್ನ ದೇಶಕ್ಕೆ ಚಟಪಡಿಸಿ ಸಾಯುತ್ತದೆ. ನೀರಿನಿಂದ ಹೊರಗೆ ಇದ್ದರೆ ಚಟಪಡಿಸಿ ಸಾಯುತ್ತದೆ. ಅದರಿಂದ ಸ್ವದೇಶಕ್ಕಾಗಿ ಸಾಯುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಬರಲುಗಿಡದಿಂದ ದುಃಖದಲ್ಲಿ ಧೈರ್ಯ ಹಿಡಿಯುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ.

ದೀಪವು ಕತ್ತಲೆಯನ್ನು ನಾಶಮಾಡುತ್ತದೆ. ಅದರಿಂದ ನೀವು ಅಜ್ಞಾನಾಂಧಕಾರವನ್ನು ಆದಷ್ಟು ದೂರ ಮಾಡುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಪೃಥ್ವಿಯಿಂದ ಪ್ರಾಣಿಗಳ ಸತ್ಯ ಸೇವೆ ಮಾಡುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಜಲಪ್ರವಾಹದಿಂದ ಜೀವನಮಾರ್ಗದಲ್ಲಿ ಮುಂದುವರೆಯುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಹೊಗೆಯಿಂದ ಪ್ರತಿಕ್ಷಣ ಮೇಲೇರುವದನ್ನೇ ಕಲಿಯಿರಿ.

ಸತ್ಪುರುಷರ ಜೀವನದಿಂದ ನಿಮ್ಮ ಚರಿತ್ರೆರೂಪಗೊಳಿಸುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ. ಮಕ್ಕಳೇ! ಪ್ರೇಮದಿಂದ ಈ ಪದ್ಯಗಳನ್ನು ಓದುವದನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ.

ग्यारहवाँ पाठ

संयमरायकी राजभक्ति

सम्राट–ರಾಜ
भरोसा–ಭರವಸೆ, ನಿಶ್ವಾಸ
चढाई–ದಾಳಿ
जोर की लडाई–ಘೋರಯುದ್ಧ
धरती–ಭೂಮಿ
बिजली–ವಿದ್ಯುತ್
चमकाना–ಝಳಪಿಸುವದು
घायल–ಘಾಯವಾದ
जाँघे–ತೊಡೆಗಳು
कौआ–ಕಾಗಿ
टूटी–ಮುರಿದ
मुर्दा–ಹೆಣ, ಶವ
उडना–ಹಾರುವದು
बेचैन–ಅಶಾಂತ
घेरा–ಮುತ್ತು
गेहरे घाव–ದೊಡ್ಡ ಪೆಟ್ಟು, ಬಹಳ ಹೊಡೆತ.
होश आना–ಎಚ್ಚರಗೊಳ್ಳು, ಸ್ವೃತಿಬರು
आँखें खोलकर–ಕಣ್ಣು ತೆರೆದು
बेहोश होकर–ಮೂರ್ಛೆಬಂದು
मतलब–ಅರ್ಥ
नमक–ಋಣ, ಉಪ್ಪು
इनाम–ಹೆಮ್ಮೆ
अच्छा मौके पर–ತಕ್ಕ ಸಮಯಕ್ಕೆ
रक्षा–ರಕ್ಷಣೆ
सौंपकर–ಒಪ್ಪಿಸಿ
स्वर्ग की यात्रा–ಸ್ವರ್ಗದ ಯಾತ್ರಾ
अिसी बीचमें–ಇಷ್ಟರ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ
धन्यवाद देना–ಧನ್ಯವಾದಗಳನ್ನರ್ಪಿಸು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जब अुन्होंने देखा कि संयमराय अपना मांस काट काट कर पक्षियों को खिला रहा है तब अुन्हे अचरज हुआ।

ಸಂಯಮರಾಯನು ತನ್ನ ಮಾಸವನ್ನು ಕಡಿದು ಕಡಿದು ಪಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ತಿನಿಸುತ್ತಿರುವದನ್ನು ನೋಡಿದಾಗ ಅವರು ಆಶ್ಚರ್ಯಗೊಂಡರು.

(೨) ಅನ್ಹೋನೆ ಚಾಹಾ ಕಿ ಇಸ ಭಲಾಈಕೆ ಲಿಯೆ ಸಂಯಮರಾಯ ಕೊ ಧನ್ಯವಾದ ದೆ ಪರ ವೆ ಬೆಹೋಶ ಹೋಕರ ಗಿರಗಯೆ।

ಈ ಹಿತಕ್ಕಾಗಿ ಸಂಯಮರಾಯನಿಗೆ ಧನ್ಯವಾದಗಳನ್ನರ್ಪಿಸಬೇಕೆಂದು ಅವರು ಇಚ್ಛಿಸಿದರು. ಆದರೆ ಅವರು ಪುನಃ ಮೂರ್ಛೆ ಹೋದರು.

(೩) ಜಬ ಅುನಕಾ ನಜರ ಪೃಥ್ವೀರಾಜ ಪರ ಪಡೆ ತಬ ಬಾತ ಅುನಕೆ ಸಮಝಮೆ ಆ ಗಯೆ।

ಪೃಥ್ವೀರಾಜನ ಮೇಲೆ ಅವರ ದೃಷ್ಟಿ ಬಿದ್ದಾಗ ಆ ವಿಷಯ ಅವರ ತಿಳುವಳಿಕೆಗೆ ಬಂದಿತು.

प्रश्नोत्तर

(१) पृथ्वीराज कौन थे ?—पृथ्वीराज दिल्ली के सम्राट थे। भारत के अंत्य हिन्दू सम्राट थे। बडे वीर थे। दयालु भी थे।

(२) महोबे में अुस समय कौन राज करते थे ?—अुस समय महोबे में परमाल राज करते थे। अल्हा और ऊदल दोनो भाअी अुनके विश्वासी सरदार थे।

(३) संयमरायने पृथ्वीराज के प्राण कसे बचाये ?—पृथ्वीराज को गहरे घाव लगे थे। वहाँ पास ही पडा संयमराय को भी घाव लगे थे। पृथ्वीराज को मुर्दा समझकर चील कौओंने खाना चाहा। पर संयमराय अपने शरीर का माँस काटकर पक्षियों के आगे फेंकने लगा। सारे पक्षी संयमराय को घेरने लगे। अिसी तरह पृथ्वीराज की रक्षा की।

———

बारहवाँ पाठ

गंगा नदी

बह–ಹರಿ / ನೀರು ಹರಿಯುವದು)
सबसे अधिक–ಎಲ್ಲಕ್ಕಿಂತಲೂ ಹೆಚ್ಚಿಗೆ
पाप कट जाना–ಪಾಪ ಪರಿಹಾರ ವಾಗುವದು
नहाने के लिए–ಜಳಕ ಮಾಡುವ ದರ ಸಲುವಾಗಿ
चोटियाँ–ತುದಿಗಳು
ढकी–ಮುಚ್ಚು, ಆವರಿಸು
शोभा–ಶೋಭೆ
लायक–ಯೋಗ್ಯ
निकलनी–ಹುಟ್ಟುವದು
चौडी–ಅಗಲವಾದ
किनारा–ದಂಡೆ
बसे हुए हैं–ನೆಲೆಸಿರುತ್ತವೆ
आगबोट–ಉಗಿಹಡಗ
नावें–ನಾವುಗಳು, ಸಣ್ಣ ಜೋಣಿಗಳು
के जरिए–ಮುಖಾಂತರ
कहीं कहीं–ಅಲ್ಲಲ್ಲಿ
पुल–ಪೂಲು (ನದಿಯನ್ನು ದಾಟುವ ಮಾರ್ಗ
पार करना–ದಾಟುವದು
आसपास–ಸುತ್ತುಮುತ್ತಲಿನ, ಬಳಿಯಲ್ಲಿಯ
अपजाऊ–ಫಲವತ್ತಾದ ಬೆಳೆಯುಳ್ಳ
बसनेवाले–ವಾಸಿಸಿರುವ, ನೆಲೆಸಿರುವ
कट्टे दफ्ट्ट पुफ्ट्ट
हर साल–ಪ್ರತಿವರ್ಷ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) पर जहाँ पुल नहीं वहाँ लोग बडी बडी नावों या आगबोट से नदी पार करते हैं।

ಪೂಲ ಇಲ್ಲದಲ್ಲಿ ಜನರು ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ನಾವು ಆಗಬೋಟಿನಿಂದ ನದಿಯನ್ನು ದಾಟುತ್ತಾರೆ. (ಎಲ್ಲಿ ಪೂಲು ಇಲ್ಲ ಅಲ್ಲಿ ಜನರು ದೊಡ್ಡ ದೊಡ್ಡ ನಾವು ಆಗಬೋಟಿನಿಂದ ನದಿಯನ್ನು ದಾಟುತ್ತಾರೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) भारतमें सबसे बडी नदी कौन है? उसके किनारे पर कौन कौन शहर बसे हैं? उस में कौन कौन-सी नदियाँ मिलती हैं?—भारत

में सबसे बड़ी नदी गंगा है। उसके किनारे पर हरिद्वार, कानपूर, प्रयाग, काशी वगैरह नगर बसे हैं। उस में सरस्वती, यमुना, सरयू आदि उदियाँ मिलती हैं।

(२) गंगा के बारे में हिन्दुओं का क्या विश्वास है?—हिन्दू लोग गंगा नदी को पवित्र मानते हैं। उनका विश्वास है कि उस में स्नान करने से पाप कट जाता है पुण्य मिलता है।

तेरहवाँ पाठ

मुत्तुस्वामी अय्यर

जज–न्यायाधीश
अिज्जत–मान, मर्यादा
अिज्जत करना–मान मानु, मर्यादा मानु
पालन-पोषण–जोपान मानु, पालनै मानु
तकलीफ–तोंदरै, कष्ट
बढ जाना–हेच्चागुवदु
हाल–परिस्थिति
कारिंदे–सेवक
गुमास्ता–कारकून
और भी–मत्तिन्नु
बचपन–बाल्य, बाल्यावस्थै
शौक–इच्छै, हुरुपु, आसक्ति
लालटेन–दीप, लाम्पु
काम-काज–कैलस, गिलस
मेहनत–श्रम, कष्ट
वकालत–वकीलीं
पदवी–हेसरु, पदवि
प्रधान–मुख्य
छोडना–बिडुवदु
रेकार्ड-कीपर–कागद पत्रगळ लेक्क इडुवव
मासिक–तिंगळिगे
साथ-साथ–संगड, जोतेगे
अुम्र में–वयस्सिनल्लि

(१) लेकिन जब खर्च की तकलीफ होने लगी तो इन्हे पढना-लिखना भी छोड देना पडा।

ಆದರೆ ಖರ್ಚಿನ ತೊಂದರೆ ಆಗಹತ್ತಿದಾಗ ಓದು ಕೂಡಾ ಬಿಡುವದು ಬಿತ್ತು.

(೨) मद्रास में रहते समय अिन्होंने अेक निबंध लिखा जिससे अिनका बड़ा नाम हुआ।

ಮದ್ರಾಸದಲ್ಲಿ ಇರುವಾಗ ಇವರು ತಮ್ಮ ಕೀರ್ತಿ ಹೆಚ್ಚಿಸುವಂಥ ಒಂದು ನಿಬಂಧ ಬರೆದರು.

प्रश्नोत्तर

(१) मुत्तुस्वामी अय्यर कौन थे? वे कैसे आदमी थे? उन्हें अिनाम क्यों मिला?—मुत्तुस्वामी तंजाउर जिले के अेक गाँव में सन १८३२ में पैदा हुए। ये बड़े बुद्धिमान और मेहनती थे। मद्रास में रहते समय अिन्होंने अेक निबंध लिखा। वह उत्तम था। सरकारी शिक्षा विभागने ५०० रुपये का अिनाम देने का निश्चय किया।

(२) मुत्तुस्वामीने कैसे शिक्षा पायी?— मुत्तुस्वामी सड़क की लालटेन के नीचे रात में पढ़ते थे। काम काज से जो समय बचता उसे पढ़ने में ही बिताते थे। तिरुवारूर के तहसीलदार की मदद से अिन्होंने शिक्षा पायी।

चौदहवाँ पाठ

तानसेन

गवय्या–गवैया, (ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಹಾಡುವವ)
बनायी हुअी–कंपोज़ की हुअी, तयार की हुअी
मशहूर–प्रसिद्ध
लड़कपन–बचपन, बाल्यावस्था
तेज़–चुरुकु
नकल करना–कापी करना, प्रति लिपि करना
असल–सच्चा, निजवाला
फ़र्क़–अंतर

तोड लेना–ಹರಿದುಕೊಳ್ಳು, ಮುರಿದುಕೊಳ್ಳು
रखवाली–ಕಾವಲು, ರಕ್ಷಣೆ
गरजना–ಗರ್ಜಿಸು
आड में–ಮರೆಯಲ್ಲಿ
खडा होना–ನಿಲ್ಲುವದು
साहस–ಪ್ರಯತ್ನ
जरा भी–ಸ್ವಲ್ಪಾದರೂ, ಸ್ವಲ್ಪು ಕೂಡ
अकेला–ಒಬ್ಬಂಟಿಗ, ಏಕಾಕಿಯಾಗಿ
शेर जैसा–ಸಿಂಹದಂತೆ
चुरा लेना–ಕಳುವುಮಾಡಿಕೊಳ್ಳು ವದು
डराने के लिए–ಹೆದರಿಸಲು
धीरे-धीरे–ಕ್ರಮೇಣ,ಬರಬರುತ್ತ
खडाऊँ–ಮರ್ದನಿ, ಹೊಗಳಿಕೆ
बुला लिया–ಕರೆಯಿಸಿಕೊಂಡನು
नामी–ಹೆಸರುಳ್ಳ

कठिन वाक्योंका अनुवाद

(१) अुन में एक बडा गुण यह था कि जिसकी आवाज वे एक बार सुनते तुरंत अुसकी नकल कर लेते।

ಯಾವದೇ ಧ್ವನಿ ಒಂದು ಸಾರಿ ಕೇಳಿದರೆ ಅದರ ನಕಲು ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳುವ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಗುಣವು ಅವರಲ್ಲಿ ಇತ್ತು.

(२) जब कभी कोअी आदमी अुस बगीचे में आता तानसेन पेड की आड में खडे हो कर शेर की तरह गरजने लगते थे।

ಎಂದಾದರು ಯಾವದೇ ಮನುಷ್ಯ ಆ ತೋಟದಲ್ಲಿ ಬಂದರೆ ತಾನಸೇನನು ಗಿಡದ ಮರೆಯಲ್ಲಿ ನಿಂತು ಸಿಂಹದಂತೆ ಗರ್ಜಿಸುತ್ತಿದ್ದನು.

प्रश्नोत्तर

(१) तानसेन कौन थे ? गान विद्या में वे कैसे पंडित हुए ?—तानसेन गौड ब्राह्मण कुल में पैदा हुए थे। ग्वालेर में थे। जिसकी आवाज एक बार सुनते उसकी तुरंत नकल करने का गुण उन में था। एक साधुने यह गुण देखा। उसे अच्छे अच्छे गाने सिखाये। धीरे धीरे गान विद्या में बडे पंडित होगये। ये ही आगे अकबरी दरबार के नामी गवैया हो गये।

पंद्रहवाँ पाठ

राजकुमार ध्रुव

चाहना–ಬಯಸು, ಸೇರು
लग भग–ಸುಮಾರು
एक ही–ಒಂದೇ
गोद–ತೊಡೆ
मौजूद–ಹಾಜರ, ಪ್ರಸ್ತುತ
कहीं से–ಎಲ್ಲಿಂದಲೋ
भाग्य की बात–ದೈವದ ಮಾತು
तभी–ಆಗ್ಗೆ, ಆವಾಗ್ಗೆ
प्यार से–ಪ್ರೇಮದಿಂದ
सौतेली माँ–ಮಲತಾಯಿ
तीर सी–ಬಾಣದಂತೆ
समझदार–ತಿಳುವಳಿಕೆಯುಳ್ಳವ
अपमान–ಅವಮಾನ, ಅವಮರ್ಯಾದೆ
फूट फूटकर–ಬಿಕ್ಕಿ ಬಿಕ್ಕಿ
शरण–ಆಶ್ರಯ
नादान–ಅಬೋಧ
अटल–ಅಚಲ

कठिण वाक्यों का अनुवाद

(१) तुमने अितनी तपस्या नहीं की कि पिता की गोदमें बैठ सको।
ನೀನು ತಂದೆಯ ತೊಡೆಯ ಮೇಲೆ ಕೂಡ್ರುವಷ್ಟು ತಪಸ್ಸು ಮಾಡಿಲ್ಲ.

(२) बेटा ध्रुव धन्य तुम्हारी माता जिसने तुम जैसे पुत्र पाया।
ಮಗು ಧ್ರುವನೆ! ನಿನ್ನಂಥ ಮಗನನ್ನು ಹೆತ್ತ ತಾಯಿಯೇ ಧನ್ಯಳು.

प्रश्नोत्तर

(१) ध्रुव के माता–पिता के नाम बताओ—ध्रुव के पिता का नाम उत्तानपाद माता का नाम सुनीति था। सुरुची नामक एक सौतेली माँ भी थी।

(२) ध्रुव घर से क्यों निकला? उसने क्या किया और उसे क्या मिला?—एक दिन ध्रुव अपने पिताकी गोद में बैठने दौडा। तब सौतेली माँने रोका कहा—पिताकी गोद में बैठना भाग्यकी बात है। तुमने उतनी तपस्या नहीं की। जाओ तपस्या करो अगले

जन्म में मेरे पुत्र बनो। ये बातें ध्रुवको तीर-सी लगी। ध्रुव की माँने आशिर्वाद दिया—संसार में सुख-दुःख अपने कर्मों का फल है। जाओ तपस्या से भगवान की गोद भी प्राप्त कर सकते हो। बस; वर से ध्रुव निकला। कड़ी तपस्या की। भोले बालक की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान दौड़े आये। ध्रुव को भगवान की गोद मिली।

सोलहवाँ पाठ

सडक

सडक-मार्ग-ಮಾರ್ಗ	प्यारी-ಪ್ರಿಯಳೇ
तन-ಶರೀರ	बाजे-ವಾದ್ಯ
वन-ವನ	दशा-ಸ್ಥಿತಿ
निराले-ವಿಚಿತ್ರ	थकना-ದಣಿಯುವದು
नद नाले-ಹೊಳೆ-ಹಳ್ಳ	पार-ದಾಟು
मेले-ಜಾತ್ರೆ	पाना-ಪಡೆಯುವದು
गिनती-ಎಣಿಕೆ	ठोकर खाना-ಎಡುವುವದು
विनती-ವಿನಂತಿ	तुळयिसिकॊळ्ळुवदु

पद्योंका सरल अनुवाद

ಹೇ, ಮಾರ್ಗವೇ! ನೀನು ಎಲ್ಲಿಂದ ಬರುತ್ತಲಿರುವೆ? ಹೋಗುವ ದಾದರೂ ಎಲ್ಲಿಗೆ? ನಿನ್ನ ಶರೀರವು ಎಷ್ಟು ಉದ್ದವದೆ? ಎಷ್ಟು ಪರ್ವತ; ವನಗಳನ್ನು ನೋಡಿರುವೆ?

ಎಷ್ಟು ವಿಚಿತ್ರ ನಗರಗಳನ್ನು ನೋಡಿರುವೆ? ನದಿಹಳ್ಳಗಳನ್ನೆಷ್ಟು ದಾಟಿರುವೆ? ಹುಡುಗರೆಷ್ಟು ನಿನ್ನ ಮೇಲೆ ಆಡಿರುವವು? ನೀನು ಜಾತ್ರೆ ಗಳನ್ನೆಷ್ಟು ನೋಡಿರುವೆ?

ನನು ಇದರ ಲೆಕ್ಕ ಹತ್ತಬಹುದೊ? ಲೆಕ್ಕವಿಟ್ಟರೆ ಸ್ವಲ್ಪ ನನಗೂ ಹೇಳು ಪ್ರಿಯ ಮಾರ್ಗನೆ! ಎಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಿ ಎಂಥ ಸ್ತ್ರೀ-ಪುರುಷರು ನೆಲಸಿರುವರು? ನನ್ನ ವಾರ್ತೆನೆ ಇಮೆ. ಹೇಳು.

ಯಾವ ಯಾವ ರಾಜ ಮಹಾರಾಜರು ನಿನ್ನ ಮೇಲೆ ವಾದ್ಯ ಬಾರಿಸುತ್ತ ಹೋದರು? ಎಷ್ಟು ಬಿಕಾರಿಯ ಜನರು ನಿನ್ನ ಮೇಲೆ ತಿರುಗಿದರು? ನಮ್ಮ ಸ್ಥಿತಿ ಯಾವಾಗ ಹೇಗೆ ಇತ್ತು?

ನಡೆದು ನಡೆದು ಆಯಾಸಗೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ. ನಿನ್ನನ್ನು ಮಾಟುವದು ಆಗ ಒಳ್ಳಲ್ಲ. ನೀನು ಸುಖಾನಂದ ಕೊಡದ ಮನುಷ್ಯನನ್ನು ನಾನು ಕಾಣಲಿಲ್ಲ.

ಇಡೀ ಜಗವೇ ನಿನ್ನ ಮನೆಯಾಗಿರುವದು. ಆದರೂ ನಿನಗೆ ಆದರವೇ ಇಲ್ಲ. ಕಾಲತುಳಿತ ಸಹಿಸುತ್ತಿರುವಿ ಬಹುಶಃ ಯಾವಾಗಲು ಕುಟ್ಟಿಸಿಕೊಳ್ಳಲ್ಪತ್ತೀ. ಆದ್ದರಿಂದ ನಾನು ಮನದಲ್ಲಿ ಯೋಚಿಸಿರುವೆ. ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಸರಳಾಗಿದ್ದು ಆದರ ವತೆಯುವದು ಬಹಳ ಕಠಿಣವದೆ. ಏನು ಈ ರಹಸ್ಯ ನೀನು ಅರಿತಿಲ್ಲನೆ?

ಯಾವನು ಸುಮ್ಮನೆ ಇರುವದನ್ನು ಕಲಿತಿರುವನೋ ಅವನು ಎಲ್ಲವನ್ನು ಸಹಿಸಬೇಕಾಗುವದು. ಮಾರ್ಗವೇ! ಯಾವಾಗಲೂ ಬಿದ್ದೆ ಇರುವಿಯಾ? ನೀನು ಸಿಲ್ಲಲಾರಿಯಾ?

सत्रहवाँ पाठ

बीरबल की चतुराई

दरबारी–ಸದಶ್ಯ
जलना–ಅಸೂಯಪಡುವದು
काम पडना–ಕೆಲಸ ಬಿಳುವದು
मुडवाना–ಬೋಳಿಸಿಸುವದು
घुमाना–ತಿರಿಗಿಸುವದು
भीतर–ವಳೆಗೆ
मोट ताजा–ದಷ್ಟ ಪುಷ್ಟ
जीभहिलाना–ನಾಲಿಗೆ ಅಲ್ಲಾಡಿಸು (ಮಾತಾಡು)
देहाती–ಹಳ್ಳಿ ಗನು
बहरा–ಕಿವುಡ
चुप लगा जाना–ಸುಮ್ಮನೆ ಇರುವದು
शरमिंदा–ನಾಚಿಕೆಗೊಂಡುವ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) महराज ! बीरबल में ऐसी कौन सी बात है जिसके लिये आप उसको अितना प्यार करते हैं ?
ಮಹರಾಜ ಬೀರಬಲ್ಲನಲ್ಲಿ ತಾವು ಅಷ್ಟನ್ನು ಇಷ್ಟು ಪ್ರೀತಿ ಮಾಡುವ ದಕ್ಕೆ ಯಾವ ವಿಶೇಷತೆ ಇವೆ ?

(२) कल अिसकी परीक्षा की जायेगी कि आप लोग ज्यादा चतुर हैं या बीरबल।
ತಾವು ಚತುರರೋ ಅಥವಾ ಬೀರಬಲ್ಲನೋ ಎಂಬುದು ನಾಳೆ ಪರೀಕ್ಷಿಸಲ್ಪಡುವದು.

(३) तो भी आदमी ज्यों का त्यों खडा रहा।
ಆದರೂ ಮನುಷ್ಯ ಇದ್ದಕ್ಕಿದ್ದಂತೆ ನಿಂತಿದ್ದನು.

(४) जी हाँ, आपकी बात का यही जवाब है कि मूर्ख से काम पडे तो चुप लगा जाना चाहिये !
ಔದು, ಮೂರ್ಖನೊಡನೆ ಕೆಲಸ ಬಿದ್ದಾಗ ಸುಮ್ಮನೆ ಇರಬೇಕೆಂಬುದೇ ತಮ್ಮ ಮಾತಿಗೆ ಉತ್ತರವಿದೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) बीरबलने बादशाहके प्रश्न का उत्तर किस चतुराअी से दिया ? संक्षेप में लिखिये—बीरबल अकबर दरबार के विदूषक थे। बडे चतुर थे। अकबर भी उस से बडे प्यार करते थे। कारण बाकी दरबारी बीरबल से जलते थे। एक दिन अकबरने सारी दरबारियों से पूछा—यदि मूर्ख से काम पड जाय तो क्या करना चाहिये ? दरबारी अनेक उत्तर देने लगे। बीरबल बोले—महाराज मेरा भाअी अिसका उत्तर दस दिनके भीतर देगा। अकबरने मान लिया। नवें दिन बीरबल एक मोटे ताजे देहाती को ले आये। उस से

बोले–दरबार में कोअी भी कुछ पूछे तो जवाब ही नहीं देना ; चाहे कान में जोर से बोले पर उत्तर न देना। २५ रूपये देंगे। तयार हो? वह भी तयार होगया। दरबार में उस आदमीने ऐसा ही किया। बादशाहने बीरबल से कहा–यह तो कोअी उत्तर ही नहीं देता। बीरबल बोला–आपकी बातों का जवाब यही है। मूर्ख से काम पडे तो चुप लगा जाना चाहिये। बादशाह शर्मिंदा हो हुए। यही चतुराअी है।

अठारहवाँ पाठ

लकडहार और अुसकी कुल्हाडी

लकडहार–ಕಟ್ಟಿಗೆ ಹೊರೆಯವ
कुल्हाडी–ಕೊಡಲಿ
गुजर करना–ಜೀವನನಿರ್ವಾಹ ಮಾಡುವದು
अचानक–ಅಕಸ್ಮಾತ
डुबकी मारना–ಮುಳುಗುವದು
चांदी–ಬೆಳ್ಳಿ
सोना–ಬಂಗಾರ
मांग लाना–ಬೇಡಿತರುವದು
क्रोध–ಸಿಟ್ಟು
काम बनना–ಕಾರ್ಯವಾಗುವದು
काम बिगडना–ಕಾರ್ಯನಷ್ಟವಾಗುವದು

(१) मैं क्यों न जाकर देव से एक सोने की कुल्हाडी मांग लाअूँ?
ನಾನು ಸಹ ಯಾಕೆ ಹೋಗಿ ದೇವನಿಂದ ಸುವರ್ಣ ಕೊಡಲಿಯನ್ನು ಬೇಡಿ ತರಬಾರದು?

प्रश्नोत्तर

(१) लकडहारा किस प्रकार अपना गुजर करता था?— लडकहारा लकडी बेचकर अपना गुजर करता था।

(२) देव पहले लकडेहारे मे क्यों खुश हुआ ?—लकडेहारे की लोहे की कुल्हाडी नदी में गिर गयी थी। देव को दया आयी। उसने नदी में डुबकी मार कर सोने चांदी की कुल्हाडियाँ निकालीं। पूछा कि ये तुम्हारी हैं? लकडहारा बोला-मेरी लोहे की कुल्हाडी है। लकडहारे की सचाईपर देव खुश हुआ। सब कुल्हाडियों को दे दिया।

(३) सच और झूट मे क्या लाभ और हानि है ?—पहला लकडहारा सच बोला। लोहे की कुल्हाडी नदी में गिरी थी। सच बोलकर सोने चांदी की कुल्हाडियों को ले आया। दूसरा लकडहारा झूट बोला। अपनी लोहे की कुल्हाडी भी खोकर घर आया। सचसे लाभ और झूट से हानि है।

अन्नीसवाँ पाठ

दूध

आधार–ಆಸರ
जीना–ಜೀವಿಸುವದು
मुस्किल–ಕಠಿಣ
भारी–ಭಾರ, ಮಂದ
पचना–ಜಜನವಾಗುವದು
खट्टा–ಹುಳಿ
छानना–ಸೋಸುವದು, ಸಾಣಿಸುವದು
मलाई–ಕೆನೆ
दही जमाना–ಮೊಸರು ಮಾಡು, (ಹೆಪ್ಪುಹಾಕು)
मथकर–ಮಥನಮಾಡಿ
मट्ठा–ಮಜ್ಜಿಗೆ
तंदुरुस्ती–ಆರೋಗ್ಯ
मक्खन–[illegible]
घी–ತುಪ್ಪ
पकवान–ಅಡಿಗೆ
आज कल–ಈ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ, ಇತ್ತೀತ್ತಲಾಗಿ
बिकना–ಮಾರುವದು
अकसर–ಬಹುಶಃ
महंगा–ತುಟ್ಟಿ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) यदि बच्चोंको दूध न मिले तो अुनका जीना मुस्किल हो जाय।
ಒಂದು ಸಮಯ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಹಾಲು ಸಿಗದಿದ್ದರೆ ಅವರು ಜೀವಿಸುವದು ಕಷ್ಟಪ್ರದ. (ಕಠಿಣ)

(२) बाजार में जो घी बिकता है अुसमें चरबी या नारियल का तेल मिला रहता है।
ಪೇಟೆಯಲ್ಲಿ ಮಾರಾಟವಾಗುತ್ತಿರುವ ಬೆಣ್ಣೆಯಲ್ಲಿ ನೆಣ ಅಥವಾ ಖೊಬ್ರಿಯಣ್ಣೆ ಕೂಡಿರುತ್ತದೆ.

प्रश्नोत्तर

(१) जीवन का आधार क्या है? वह बच्चो के लिये क्यों आवश्यक है?— प्राणिमात्र के जीवन का आधार दूध ही है। बच्चो को दूध ही आहार होता है। अिसलिये बच्चों को उसकी जरूरी है।

(२) मट्ठा कैसे बनता है? घी से क्या क्या मिठाअियाँ बनती हैं?— दूध को गरम कर मलाअी बनाते हैं या दही जमाते हैं। दही मथकर मक्खन निकालते हैं। उसमें जो बाकी रहता है वही मट्ठा है। घी से हलवा, पूरी, लड्डू, जलेबी, गुलाबजामून वगैरह मिठाअियाँ बनती है।

बीसवाँ पाठ

क्या मैं भी डाकू हूँ?

साहसी–ಧೈರ್ಯಸ್ಥ
जीतना–ಗೆದಿಯುವದು
लूटना–ಲೂಟಿಮಾಡುವದು
संयोगसे–ಅಕಸ್ಮಾತ್
बातचीत–ಸಂಭಾಷಣ
बेअिज्जत–ಅವಮಾನ
सजा–ಶಿಕ್ಷೆ
सताना–ಪೀಡಿಸುವದು

ख्याल करना–ಧ್ಯಾನ ಕೊಡುವದು
नाराज–ಸಿಟ್ಟು
सावीत करना–ಸಿದ್ಧ ಮಾಡುವದು
फर्क–ಅಂತರ
लोभ–ಆಶೆ
फैलाअी–ಹರಡಿದಿ
खंडहर–ಹಾಳುಭೂಮಿ
गुना–ಪಟ್ಟು
वरबाद–ನಾಶ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) एक बार संयोग से वह डाकू पकडा गया।

ಒಂದು ಸಾರೆ ಸಂಯೋಗದಿಂದ ಆ ಕಳ್ಳನು ಹಿಡಿಯಲ್ಪಟ್ಟನು.

(२) यदि आप आज्ञा दें तो मै यह सावीत कर सकता हूँ कि आप में और मुझ में कोअी फर्क नहीं है।

ತಾವು ಅನುಮತಿಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾದರೆ ನಾನು ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಯಾವದೂ ಅಂತರವಿಲ್ಲವೆಂದು ಸಿದ್ಧಮಾಡಿಕೊಡಬಲ್ಲೆನು.

(३) मैं यह मानता हूँ कि आप बडे बाहदूर हैं बडे न्याअी और धर्मात्मा हैं; पर आप यह भी जानते हैं कि आपका सेना में मेरे समान कोअी बहादूर नहीं है।

ತಾವು ಮೊಡ್ಡ ವೀರರೂ ನ್ಯಾಯಿ ಧರ್ಮಾತ್ಮರೆಂದು ನಾನು ಒಪ್ಪುತ್ತೆನೆ. ಮತ್ತೂ ತಾವು ತಮ್ಮ ಸೈನ್ಯದಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಸಮಾನ ಯಾವ ವೀರರಿಲ್ಲ ವೆಂಬದನ್ನು ಸಹ ಅರಿತಿದ್ದೀರಿ.

प्रश्नोत्तर

(१) सिकंदर कौन था? उसने डाकू को क्यों छोड दिया?—सिकंदर युनान का एक वीर साहसी बादशाह था। उसने भारत पर चढाअी की। एक डाकू को पकडा। उस से कहा-तू लुटेरा है क्यों मेरी प्रजा को कष्ट देता है? डाकू बोला–आपने भी प्रजा पर अत्याचार

किये हैं। मैंने सौ-पचास आदमियों को लेकर दो तीन गाँव लूटे हैं। आपने बड़ी सेना के साथ सैकड़ों गाँवों को लूटा है। दोनों के कान एक ही प्रकार के हैं। ये साहस के शब्द सुन सोचा—क्या मैं भी डाकू हूँ? अुसने डाकू को छोड़ दिया।

अिक्कीसवाँ पाठ

"भारत भूमि"

जी से–जीवक्कंत	**नित**–नित्य
जन्म भू–जन्मभूमि	**हरना**–हरणमाडुवदु
अुपजाना–बेळेसुवदु	**जाया है**–जन्मकोट्टिद्दाळे
नाता–संबंध	**भू**–भूमि
गोदीमें–तोडियमेलि	**भ्राता**–सहोदर
पलना–सालनेहोंदु	**भाअीपन**–सहोदरत्व
दुलारे–प्रीतियवरु	**तजेंगे**–त्यजिसुवेवु

पद्यों का सरल अनुवाद

ಈ ಭಾರತ ಭೂಮಿಯು ನಮ್ಮದೆ ಆದೆ. ಪ್ರಾಣಕ್ಕಿಂತಲೂ ಇದು ಪ್ರೀತಿಯದು ಆದೆ. ನಾವು ಇದಕ್ಕೆ ಜನ್ಮಭೂಮಿ ಅನ್ನುತ್ತೇವೆ. ಇದರಲ್ಲಿಯೇ ನಾವು ವಾಸಿಸುತ್ತೇವೆ.

ಈ ಭೂಮಿಯೇ ನಮ್ಮನ್ನು ಹುಟ್ಟಿಸಿದೆ. ನಾವು ಆದರ ಅನ್ನ ಧನವನ್ನೇ ಉಂಡಿದ್ದೇವೆ ಸರಿ ಇದೇ ನಮ್ಮ ತಾಯಿ ಇದರೊಡನೆಯೇ ನಮ್ಮ ನಿಜವಾದ ಸಂಬಂಧ ಆದೆ.

ಇದರ ಉಡಿಯಲ್ಲಿಯೇ ನಾವು ಬೆಳೆದಿದ್ದೇವೆ. ಇಲ್ಲಿಯೇ ದೊಡ್ಡವರಾಗುತ್ತೇವೆ. ಸುಖ ಆನಂದ ಇಲ್ಲಿಯೇ ಪಡೆಯುತ್ತೇವೆ. ಇಲ್ಲಿಯೇ ಕೊನೆಗೆ ಸಾಯುತ್ತೇವೆ.

ನಾವು ಭಾರತೀಯ ಬಾಲಕರು ಪ್ರೀಯರಿದ್ದೇವೆ. ಆದಕ್ಕೆ ನಾನೆಲ್ಲರೂ ಪ್ರಿಯರೇ ಇದ್ದೇನೆ. ನಿತ್ಯ ಹಿತವಾಡುವ ಭೂಮಿತಾಯಿ ಇವಳೇ ಇದ್ದಾಳೆ. ಮತ್ತು ದುಃಖ ದೂರ ಮಾಡುವವಳೂ ಇದ್ದಾಳೆ.

ತಾಯಿಯು (ಅವ್ವನು) ಭಾರತಮಾತೆಯೇ ನಮಗೆ ಜನ್ಮ ಕೊಟ್ಟಿದ್ದಾಳೆಂದು ಹೇಳಿದ್ದಾಳೆ. ಈ ಭೂಮಾತಾ ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ತಾಯಿ ಇದ್ದಾಳೆ. ನಾನೆಲ್ಲರು ಸಹೋದರರು ಇದ್ದೇನೆ.

ನಾವು ನಮ್ಮ ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಜಗಳಾಡುವದಿಲ್ಲ. ಬಂಧುತ್ವವನ್ನು ನಾವು ತೃಜಿಸಲಾರೆವು. ನನು ಜೇಕಾದರೂ ಆಗಲಿ ನಮ್ಮ ನಮ್ಮಲ್ಲಿಯ ಪ್ರೇಮ ಅಳಿಸಲಾರದು.

बाअीसवाँ पाठ

अब्दुल कादर

बेचारे–ಬಡಪಾಯಿ	**सफर**–ಪ್ರವಾಸ
कमाना–ಗಳಿಸುವದು	**वारी**–ಪಾಳೀ
काफिला–ಪ್ರವಾಸಿಕರ ಗುಂಪು	**नम्रता**–ನಮ್ರತೆ
भेजना–ಕಳಿಸುವದು	**धमकाना**–ಗದ್ದರಿಸುವದು
आसूँ–ಕಣ್ಣೀರು	**धीरे से**–ಸಾವಕಾಶವಾಗಿ
सीना–ಹೊಲಿಯುವದು	**शैतान**–ತುಂಟ
मुलाकात–ಭೆಟ್ಟಿ	**अुधेडना**–ಉಚ್ಚುವದು
कयामत–ಪಾಪಪುಣ್ಯದ ನಿರ್ಣಯ ಸಮಯ	**कसम खाना**–ಆಣೆ ಮಾಡುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जब चलने का समय अया तब माँ आंखों में आसूं भरकर बोली- ಹೊರಡುವ ಸಮಯವಾದಾಗ ತಾಯಿಯು ಕಣ್ಣಲ್ಲಿ ತುಂಬಾ ನೀರು ತಂದು ಅಂದಳು.

(२) जब अब्दुल कादर सरदार के पास पहुंचा तब डाकुओंने लडके की बात अुस से कही।

ಅಬ್ದುಲ್ ಕಾದರನು ಸರದಾರನ ಮುಂದೆ ತಲುಪಿದಾಗ ಕಳ್ಳರು ಮೊದಲಿನ ಮಾತನ್ನು ತಿಳಿಸಿದರು.

प्रश्नोत्तर

(१) अब्दुल कादर किसके साथ परदेश चला ? चलते समय उस की माँ ने क्या उपदेश दिया ?—अब्दुल कादर अपने गांव के काफिले के साथ परदेश चला। उस समय माँने कहा—बेटा ! सदा सच बोलो अल्लाह तुम्हारी रक्षा करेगा।

(२) अब्दुल कादर का नाम क्यों प्रसिद्ध होगया ?—अपनी माँ के उपदेश के अनुसार अब्दुलने डाकुओं के पूछने पर सच्ची बात बताई। उस छोटी उम्र में माँ की बातों का ख्याल उसने किया था। उसका प्रभाव डाकुओं पर पड़ा। उन्होंने अपनी बुराइयाँ छोडने की कसम खायी। इसलिये अब्दुल कादर का नाम प्रसिद्ध हो गया।

तेअीसवाँ पाठ

बाजार की सैर

सैर–प्रवास
चौराहे–ಚೌಕ (ಮೂರು ನಾಲ್ಕು ಮಾರ್ಗ ಕೂಡಿದ ಸ್ಥಾನ)
मदारी–ಮಂಗನ ಆಡಿಸುವವ
साफ सुथरे–ಸ್ವಚ್ಛ
ऊन–ಉಣ್ಣೆಯ
सूती–ನೂಲಿನ
घड़ी साज–ಗಡಿಯಾರ ರಿಪೇರಿಯವ
लड़क–ತುಗಾಡು
दाल–ಬೇಳೆ
मंडी–ಪೇಟೆ
ढेर–ರಾಶಿ
मटर–ವಟಾಣಿ
सब्जी–ಕಾಯಿಪಲ್ಲೆ
मेवा–ಫಲ
सेव–ಸೇಬು
अंगूर–ದ್ರಾಕ್ಷೆ
किसमिस–ಒಣದ್ರಾಕ್ಷೆ
पकौडी–ಒಡಿ
भाव–ಬೆಲೆ
बासी–ತಂಗಳ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) वहाँ देखा कि तरह तरह के अनाजों के ढेर लगे हुए हैं।
ತರ ತರದ ಕಾಳಿನ ರಾಸಿ ಹಚ್ಚಿದ್ದನ್ನು ಅಲ್ಲಿ ಕಂಡರು.

प्रश्नोत्तर

(१) कुछ फल और मिठाइयों के नाम बताओ—सेव, अंगूर, अमरूद, आम, किसमिस, अनार, वगैरह फलों के नाम हैं। जलेबी, पेड़ा, बर्फी, बालूशाही, गुलाबजामून वगैरह मिठाइयों के नाम हैं।

चौबीसवाँ पाठ

स्वास्थ्य या तंदुरस्त

स्वास्थ्य–ಆರೋಗ್ಯ
तंदुरस्त–ಆರೋಗ್ಯ
खुराक–ಆಹಾರ
मेहनत–ಪರಿಶ್ರಮ
टहलना–ತಿರುಗಾಡುವದು
फेफड़े–ಪುಪ್ಪುಸ
गढ़ा–ತಗ್ಗು, ಗುಂಡಿ
तालाब–ಕೆರೆ
गंदा–ಹೊಲಸು
खुदवाना–ಕುದಿಸುವದು
छानना–ಸೋಸುವದು
चबाना–ನುರಿಸುವದು
सड़ी-गली–ಕೊಳೆತ
कसरत–ವ್ಯಾಯಾಮ
मजबूत–ಬಲವುಳ್ಳ
दुबले-पतले–ತೆಳುವಾದ
कमजोर–ಅಶಕ್ತ
पचनशक्ति–ಪಚನಶಕ್ತಿ
निरोग–ನಿರೋಗಿ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जो लड़के कसरत नहीं करते वे दुबले पतले और कमजोर होते हैं।
ವ್ಯಾಯಾಮ ಮಾಡದ ಹುಡುಗರು, ಬಹಳ ತೆಳುವಾಗಿ ಅಶಕ್ತರಾಗಿರು

ತ್ತಾರೆ. (ಯಾವ ಹುಡುಗರು ವ್ಯಾಯಾಮ ಮಾಡುವದಿಲ್ಲವೊ ಆ ಹುಡುಗರು ತಿಳುವಾಗಿ ಮತ್ತು ಅಶಕ್ತರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ.

प्रश्नोत्तर

(೧) तंदुरुस्त कौन कहलाता है?—जिसे रोग नहीं वह तंदुरुस्त कहलाता है।

(೨) तंदुरुस्ती के लिये क्या क्या जरूरी चीजें हैं?—तंदुरुस्ती के लिये हवा, पानी, आहार, कसरत, अवश्यक चीजें हैं।

पद्यों का सरल अनुवाद

ನೀನು ನಿರೋಗಿಯಾಗಲು ಬಯಸಿದರೆ ನಿತ್ಯ ಓದುವದರಲ್ಲಿ ಮನಸ್ಸು ತೊಡಗಿಸಿದಂತೆ ವ್ಯಾಯಾಮದಲ್ಲಿ ಮನಸ್ಸು ತೊಡಗಿಸು. ದಿನಾಲು ವ್ಯಾಯಾಮ ಮಾಡು—

ಹಾಕಿ ಟೆನಿಸ್ ಮೊದಲಾದ ಪರಿಶ್ರಮದ ಕೆಲ್ಸ ಮಾಡುತ್ತಿರು ಮೊದಲು ವ್ಯಾಯಾಮ ಮಾಡು ಆ ಮೇಲೆ ಕೆಲ್ಸ ಮಾಡುವ ರೂಢಿ ಇಡು.

पचीसवाँ पाठ

कोयल

कुरूप–ರೂಪಹೀನ ಅಂದಹೀನ
कोयल–ಕೋಗಿಲೆ
सुहावन–ಸುಂದರ
रसीली–ರಸವತ್ತಾದ
वाणी–ವಾಣಿ, ನುಡಿ
सुहाना–ಆನಂದ ಕೊಡುವದು
लुभाना–ಆನಂದಗೊಳಿಸುವದು ಮುಗ್ಧಗೊಳಿಸುವದು
चाह करना–ಪ್ರೇಮಮಾಡುವದು
अपना बनना–ತನ್ನವರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವದು
काक–ಕಾಗಿ

ಪದ್ಯೊಂಕಾ ಸರಲ ಅನುವಾದ

ಕಪ್ಪು ಕುರೂಪಿ ಕೋಗಿಲೆಯು ಏನು ಹಾಡು ಹಾಡುತ್ತಲಿದೆ? ಪಂಚಮ ಮಧುರ ಸ್ವರವು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಕಂಪ್ರ ಕೊಡುತ್ತದೆ.

ಇದರ ರಸ ವಾಣಿಯು ಯಾರಿಗೆ ಮೆಚ್ಚಿಗೆ ಬರುವದಿಲ್ಲ? ಎಂಥ ಮಧುರ ಸ್ವರದಿಂದ ತನು ಮನವನ್ನೇ ಮುಗ್ಧಗೊಳಿಸುತ್ತದೆ?

ಎಲ್ಲರೂ ಇದನ್ನು ಮೆಚ್ಚುತ್ತಾರೆ; ಪ್ರೀತಿಸುತ್ತಾರೆ. ಇದು ಸಿಹಿಮಾತಿನಿಂದಲೇ ಎಲ್ಲರನ್ನು ತನ್ನವರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಲಿದೆ.

ಕಾಗಿಯೂ ಸಹ ಕಪ್ಪು ಅದೆ. ಕೋಗಿಲೆಗಿಂತ ಮೊದ್ದದಪೆ ಆದರೆ ಅದರ ಕಾ, ಕಾ, ಸ್ವರವು ಹೃದಯವನ್ನು ದುಃಖಿಸುತ್ತದೆ.

ಜಗತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಗುಣವೇ ಪೂಜನೀಯವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಕೋಗಿಲೆಯು ಇದೇ ನಮಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡುತ್ತಲಿದೆ.

"ರಸೀಲಿ ಕಹಾನಿಯೆಂ" ಕಾ ಸಾಥೀ

ಕಠಿನ ಶಬ್ದೊಂಕಾ ಅರ್ಥ

ರಂಈಸ–ಸಾವುಕಾರ	**ವಜಹ**–ಕಾರಣ
ಭೋಜ-ದಾವತ–ಔತಣ	**ದರ್ವಾನ**–ಆಳು, ಸೇವಕ
ಠಾಟ-ಬಾಟ–ವೈಭವ	**ಮೆಹಮಾನ**–ಅತಿಥಿ
ತಾಜ್ಜುಬ–ಆಶ್ಚರ್ಯ	**ಮೆಜವಾನ**–ಸತ್ಕರಿಸುವವ
ಪರೋಸನಾ–ಬಡಿಸುವದು	

ಕಠಿನ ವಾಕ್ಯೊಂಕಾ ಅನುವಾದ

(೧) ದರ್ವಾನನೆ ವಿದ್ಯಾಸಾಗರ ಕೊ ಅಸ ಭೇಷ ಮೆಂ ದೇಖಕರ ಸಮಝಾ ಕಿ ಕೋಈ ಗರೀಬ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ವಿನಾ ಬುಲಾಯೆ ಖಾನೆ ಕೆ ಲಿಯೆ ಚಲಾ ಆಯಾ ಹೈ।

ನೌಕರನು ವಿದ್ಯಾಸಾಗರರನ್ನು ಆ ವೇಷದಲ್ಲಿ ಕಂಡು ಯಾವನೋ ಬಡಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಕರೆಯದಲೆ ಊಟ್ಟಲು ಬಂದಿದ್ದಾನೆಂದು ತಿಳಿದನು.

(೨) ವಿದ್ಯಾಸಾಗರನ ಜವಾಬ ದಿಯಾ ಕಿ ಮೆ ಜಬ ಸಾದೆ ಕಪಡೆ ಪಹನ ಕರ ಆಯಾ ಥಾ ತಬ ವಾಪಸ ಕರ ದಿಯಾ ಗಯಾ।

ನಾನಾ ಬಟ್ಟೆ ತೊಟ್ಟುಕೊಂಡು ನಾನು ಬಂದಾಗ ನಾಪಸು (ತಿರುಗಿ) ಕಳಿಸಲ್ಪಟ್ಟೆನೆಂದು ವಿದ್ಯಾಸಾಗರರು ಉತ್ತರವಿತ್ತರು.

ಪ್ರಶ್ನ

(ಅ) ವಿದ್ಯಾಸಾಗರ ಅಪನೆ ಕಪಡೊಂ ಸೆ ಕ್ಯೊಂ ಖಾನೆ ಕಹನೆ ಲಗೆ ?

(ಆ) ಮೆಜಬಾನ ಕೊ ಕ್ಯೊಂ ಶರ್ಮ ಆಯೀ, ಪಂಡಿತಜೀ ಸೆ ಕ್ಯೊಂ ಮಾಫೀ ಮಾಂಗೀ ಲಿಖಿಯೆ।

(ಇ) ಕಪಡೊಂ ಕಾ ಆದರ ಕಹಾನೀ ಲಿಖಿಯೆ।

ಉತ್ತರ

(ಅ) (ಆ) (ಈ)

ಬಂಗಾಲ ಮೆಂ ಏಕ ಪಂಡಿತಜೀ ಥೆ। ಉನಕಾ ನಾಮ ಈಶ್ವರಚಂದ್ರ ವಿದ್ಯಾಸಾಗರ ಥಾ। ವೆ ಸೀಧಾ ಸಾದಾ ರಹತೆ ಥೆ। ಸಬ ಉನಕೀ ಇಜ್ಜತ ಕರತೆ ಥೆ।

ಏಕ ಬಾರ ವಹಾಂ ಕೆ ಅಮೀರನೆ ಏಕ ಬಡಾ ಭೋಜ ದಿಯಾ। ಬಡೆ ಬಡೆ ಲೋಗ ಬುಲಾಯೆ ಗಯೆ। ಈಶ್ವರಚಂದ್ರ ಕೊ ಭೀ ನಿಮಂತ್ರಣ ದಿಯಾ। ವೆ ಗೆಜ ಕೀ ತರಹ ಸಾದೆ ಕಪಡೆ ಪಹನಕರ ಆಯೆ। ಅಮೀರ ಕೆ ದರಬಾನನೆ ಪಂಡಿತಜೀ ಕೊ ದೆಖ ಸಮಝಾ ಕಿ ಕೋಈ ದರಿದ್ರ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಹೈ, ಬಿನಾ ಬುಲಾಯೆ ಖಾನೆ ಆಯಾ ಹೈ। ದರಬಾನನೆ ಉನ್ಹೆ ವಾಪಸ ಭೇಜಾ। ಪಂಡಿತಜೀ ಕೆ ನ ಆನೆ ಸೆ ಭೋಜನ ರುಕ ಗಯಾ। ಥೋಡೀ ದೆರ ಮೆಂ ಪಂಡಿತಜೀ ಬಢಿಯಾ ಪೋಷಾಕ ಪಹನ ಆಯೆ। ತಬ ದರಬಾನನೆ ಭೀತರ ಛೋಡ ದಿಯಾ। ಸಬ ಭೋಜನ ಕರನೆ ಲಗೆ। ಪರ ಪಂಡಿತಜೀ ಚುಪ ಬೈಠೆ ಥೆ ಔರ ಅಪನೆ ಕಪಡೊಂ ಸೆ ಕಹ ರಹೆ ಥೆ "ಕೋಟ ತುಮ ಖಾಓ" "ಖಾತೆ ಕ್ಯೊಂ ನಹೀಂ" ? ಯಹ ದೆಖ ಸಬ ಚಕಿತ ಹುಏ। ಅಮೀರ ಕೆ ಪೂಛನೆ ಪರ ಪಂಡಿತಜೀ ಬೋಲೆ—ಜಬ ಮೈಂ ಸಾದೆ

कपडे पहनकर आया था तब वापस भेजा गया। अच्छे कपडे पहन आया, अिसीलिये अंदर छोडा गया। यहाँ भोजन बढिया और अच्छे कपडों के लिये है। अिसलिये उन्ही कपडों मे खाने कह रहा हूँ। पंडितजी की बात सुनकर अमीर शरमिंदा हुआ नौकर की नम्रता के कारण उनसे माफी माँगी।

भाअी का प्रेम

एकड–ಎಕರೆ
चैत–ಚೈತ್ರ
कट चुके थे–ಕೊಯ್ದು ಆಗಿದ್ದವು
खलिहान–ಕಣ
फसल–ಬೆಳೆ
ढेर–ಬಣವೆ, ಗುಂಪಿ, ರಾಸಿ
ग्रहस्थी–ಗೃಹಕೃತ್ಯ
संभालना–ಸಂಬಾಳಿಸುವದು
ನೀಗಿಸುವದು
कुछ न कुछ–ಸ್ವಲ್ಪ ಇಲ್ಲ ಸ್ವಲ್ಪ
गठरी–ಗಂಟು, ಸಿವ್ಡು
जहाँ चाहूँ–ಬೇಕಾದಲ್ಲಿ
नडके–ನಸುಕು
खेती–ಬೆಸಾಯ
पैदावार–ಉತ್ಪನ್ನ
गले से लगाना–ಅಪ್ಪಿಕೊಳ್ಳುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) बडा भाअी जब खा पीकर सोने गया तब वह सोचने लगा—मेरा छोटा भाअी अकेला है।

ಅಣ್ಣನು ತಿಂದುಂಡು ಮಲಗಲು ಹೋದಾಗ ನನ್ನ ತಮ್ಮ ಒಬ್ಬಂಟಿಗ ನೆಂದು ಯೋಚಿಸಹತ್ತಿದನು. (ಅಣ್ಣನು ಯಾವಾಗ ತಿಂದುಂಡು ಮಲಗಲು ಹೋದನು ಆಗ ಅವನು ಯೋಚಿಸಿದನು—ನನ್ನ ತಮ್ಮನು ಒಬ್ಬಂಟಿಗನು.)

(२) मैंने समझा कि आप बाल बच्चेवाले आदमी हैं।

ತಾವು ಮಕ್ಕಳು ಮರಿಯವರೆಂದು ನಾನು ತಿಳಿದೆನು. (ನಾನು ತಿಳಿದೆನು ಏನಂದರೆ ತಾವು ಮಕ್ಕಳು ಮರಿಯವರು ಇದ್ದೀರಿ.)

प्रश्न

(अ) दोनों भाअी एक साथ प्रेम से क्यों रहने लगे कहानी लिखिये
(आ) "भाअी का प्रेम" कहानी संक्षेप में लिखिये

उत्तर

(अ) (आ)

एक किसान था। उसके दो पुत्र थे। पिता मरने के बाद दोनों अलग अलग थे। तो भी दोनों में बडी मोहब्बत थी। वे एक दूसरे की भलाअी की चिंता किया करते थे।

एक दिन की बात है। चैत का महना था। खालिहानों में अनाज की ढेर लगे थे। बडे भाअीने सोचा–मेरा छोटा भाअी अकेला है। उसके सहायक कोअी नहीं है। मेरे तो दो तीन लडके हैं। वे काम में मदद करने ही हैं। अिसलिये उसकी मदद करनी चाहिये यों सोचकर रात में उठा। अपने ढेर से दस गठरी अनाज उसके ढेर में रख दिया।

अिधर छोटे भाअीने भी सोचा है कि भाअी बच्चेवाला है उतना अनाज काफी नहीं होता। उसकी सहायता करनी चाहिये यों सोच सवेरे उठकर अपने ढेर में से दस गठरी अनाज उसके ढेर में रख दिया।

दूसरे दिन दोनोंने अपने ढेर देखे। दोनों चकित हुअे। पूछ-ताछ करने पर रहस्य खुला। दोनों की प्रेम कहानी लोग सुनकर खुश हुए। उस दिन से दोनों मिलकर रहने लगे।

मेहनत का फल

खोदना–ಅಗಿಯುವದು
जूते–ಚಪ್ಪಲಿ
हैट–ಟೋಪಿ Hat
माली–ತೋಟಿಗ, ಅಳು
रिश्तेदार–ಆಪ್ತ, ಸಂಬಂಧಿ
वसीयत–ಮೃತ್ಯುಪತ್ರ
बुढापा–ಮುಪ್ಪಾದಸ್ಥ
गिनना–ಎಣಿಸುವದು
सपना–ಸ್ವಪ್ನ
एकाएक–ಒಮ್ಮೆಲೆ
भाग्य खुलना–ನಸೀಬ ತೆರೆಯುವದು
मुंशी–ಕಾರಕೂನ
तलाशी–ಶೋಧ
छिपाना–ಅಡಗಿಸುವದು
बरगद–ಆಲ
शैतान–ತುಂಟ
चुराना–ಕದಿಯುವದು
साफ करना–ಸ್ವಚ್ಛ ಮಾಡುವದು
बिच्छु–ಚೇಳು
देख भाल–ಮೇಲುಚಾರಿಕೆ, ಮೇಲ್ವಿಚಾರ
तबीयत–ಮನಸ್ಸು, ಪ್ರಕೃತಿ, ಆರೋಗ್ಯ
ताला–ಕೀಲಿ
अलावा–ಅಲ್ಲದೆ
कोना–ಮೂಲೆ
खोखला–ಪೊಳ್ಳು
आड–ಮರೆಯಲ್ಲಿ
हिसाब–ಲೆಕ್ಕ
धोखा खाना–ಮೋಸಹೊಂದು
बिच्छु डंक मारना–ಚೇಳು ಕಡಿಯುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) अुन्होंने वसीयत में यह भी लिखा है कि यह थैली अुसको दी जाय।

ಅವರು ಮೃತ್ಯುಪತ್ರದಲ್ಲಿ ಈ ಚೀಲ ನಿನಗೆ ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಸಹ ಬರದಿದ್ದಾರೆ.

(२) वह अुस पेड पर चढ कर देखने लगा कि गनदिन ने वहाँ क्या रखा है?

ಅವನು ಆ ಗಿಡದ ಮೇಲೆ ಹತ್ತಿ ರಾಮದೀನನು ಏನು ಇಟ್ಟಿದ್ದಾನೆಂಬು

ದನ್ನು ನೋಡಹತ್ತಿದನು. (ಅವನು ಗಿಡದ ಮೇಲೇರಿ ನೋಡಹತ್ತಿದನು. ಏನೆಂದರೆ ರಾಮದೀನನು ಏನು ಇಟ್ಟಿದ್ದಾನೆ)

(३) रात को खा पीकर जब शंकर बातें कर रहा था तब रामदीन आया और बोला।

ರಾತ್ರಿ ಉಂಡು ಶಂಕರನು ಮಾತಾಡುತ್ತಿದ್ದಾಗ ರಾಮದೀನನು ಬಂದನು ಮತ್ತು ಅಂದನು.

(४) यह सुनकर शंकर को ऐसा मालूम हुआ जैसे बिच्छूने डंक मार दिया हो।

ಇದನ್ನು ಕೇಳಿ ಶಂಕರನಿಗೆ ಚೇಳು ಕಡಿದಂತೆ ಆಯಿತು.

प्रश्न

(अ) रामदीन अपना मेहनत का धन कैसे ले गया कहानी लिखिये।

(आ) "मेहनत का फल" कहानी लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

रामदीन नामक एक माली था। वह पहले रामपालसिंह के यहाँ था। वे विलायत चले गये। वहीं चल बसे। रामपालसिंह अच्छे आदमी थे। मरने के पहले अपने परिश्रमी रामदीन माली के नाम पर वसीयत नामे में दो हजार रुपये छोड गये थे।

अब रामदीन शंकर के पास माली था। बाग में काम कर रहा था उसी समय दो हजार रुपये रामपालसिंह के वकीलसे उसे पहुंचाये गये। दो हजार रुपये कहाँ रख लेता है? झोंपडी को दरवाजा ही नहीं था। बाग के कोने में एक बरगद का पेड था। उसी पेड के खोखले में रुपयों की थैली छिपा रखी। किसी तरह शंकर के लडके गुलाबने देख लिया। उस माली की आंख बचाकर थैली उठाकर अपने पिताके हाथ

में दी। शंकरने समझा—रामदीनने कहीं चोरी की है। गुलाब को भेज-दिया। उस थैली को कहीं छिपा रखा।

रामदीन शंकर के पास आया। कुछ दिन की छुट्टी मांगी। वेतन भी लिया। दूसरे दिन सवेरे ही अपना धन लेकर अपना गांव चला गया।

थोड़ी देर के बाद गुलाब बोला—पिताजी! रामदीन थैली ढूंढ ढूंढ कर न पाकर गे रहा होगा?

शंकरने कहा—वह थैली उसके बाप को भी न मिलेगी। बाग के कोने में बरगद का एक पेड़ है। उसके खोखले में उसे छिपा रखा है।

गुलाब बबराकर बोला—मैं वहीं से उठा लाया था। अबतक तो उसे रामदीन ले गया होगा। यह सुनकर शंकर को ऐसा लगा मानो उसे किसीने एक थप्पड़ मारा हो।

मेहनत का धन था मेहनती को मिला।

सूरज क्यों नहीं निकला

टहलना–ತಿರುಗಾಡು
फायदा अुठाना–ಲಾಭಪಡೆಯು
ವದು
बांध करना–ಒಡ್ಡು ಕಟ್ಟುವದು
हठी–ಹಟ ಹಿಡಿಯುವವ
बहस–ಚರ್ಚಾ
बाढ़–ಮಹಾಪೂರ
आंगन–ಅಂಗಳ
शिकायत–ದೂರು
तमाम–ಎಲ್ಲ
रसोअी घर–ಅಡಿಗೆಯ ಮನೆ
वाकिफ–ಪರಿಚಿತ
बदला लेने–ಸೇಡು ತೀರಿಸಲು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) राजाने देखा कि नदी का पानी बहकर पूरब की तरफ जा रहा है। ನದಿಯ ನೀರು ಹರಿದು ಪೂರ್ವದ ಕಡೆಗೆ ಹೋಗುತ್ತಿರುವದನ್ನು ರಾಜನು ನೋಡಿದನು.

(೨) ಮಂತ್ರಿ ಜಾನತಾ ಥಾ ಕಿ ರಾಜಾ ಹಠೀ ಹೈ ಔರ ಉಸಕೇ ಸಾಥ ಬಹಸ ಕರನೇ ಸೇ ಕೋಈ ಲಾಭ ನ ಹೋಗಾ ।

ರಾಜನು ಹಠಿ ಇದ್ದಾನೆಂದೂ ಮತ್ತು ಅವನೊಡನೆ ಜರ್ಜಿ ಮಾಡುವದ ರಿಂದ ಯಾವ ಲಾಭ ಆಗುವದಿಲ್ಲವೆಂದೂ ಮಂತ್ರಿ ಅರಿತಿದ್ದನು.

ಪ್ರಶ್ನ

"ಸೂರಜ ಕ್ಯೋ ನಹೀ ನಿಕಲಾ" ಕಹಾನೀ ಸಂಕ್ಷೇಪ ಮೇಂ ಲಿಖಿಯೇ ।

ಉತ್ತರ

ತ್ರಿಚನಾಪಲ್ಲೀ ಮೇಂ ಏಕ ರಾಜಾ ಥಾ। ವಹ ಅಪನೇ ಮಂತ್ರೀ ಕೇ ಸಾಥ ಏಕ ದಿನ ನದೀ ಕೇ ಕಿನಾರೇ ಘೂಮ ರಹಾ ಥಾ । ರಾಜಾನೇ ದೇಖಾ ಕಿ ಉಸ ನದೀ ಕಾ ಪಾನೀ ಪೂರಬ ಕೀ ತರಫ಼ ಬಹ ರಹಾ ಹೈ। ಉಸ ಕಾ ಲಾಭ ವಹಾಁ ಕೇ ಲೋಗೋಂ ಕೋ ಹೋತಾ ಹೈ । ಉಸನೇ ಮಂತ್ರೀ ಸೇ ಕಹಾ—ಮಂತ್ರೀ! ಯಹ ಠೀಕ ನಹೀಂ ಹಮಾರೇ ನದೀ ಕೇ ಪಾನೀ ಸೇ ಪೂರಬವಾಲೇ ಫಾಯದಾ ಉಠಾ ರಹೇ ಹೈಂ। ಇಸಲಿಯೇ ನದೀ ಮೇಂ ಬಾಂಧ ಬಾಂಧ ದೋ ಔರ ಪಾನೀ ಬಂದ ಕರ ದೋ । ಮಂತ್ರೀ ಭೀ ರಾಜ ಕಾ ಸ್ವಭಾವ ಜಾನತಾ ಥಾ । ಉಸನೇ ವೈಸಾ ಹೀ ಕಿಯಾ । ನದೀ ಭರಕರ ಬಾಢಸೀ ಆಯೀ । ಶಹರ ಭರ ಮೇಂ ಪಾನೀ ಹೀ ಪಾನೀ ಹೋ ಗಯಾ । ಲೋಗ ಘಬರಾಯೇ । ಮಂತ್ರೀ ಕೇ ಪಾಸ ಆಯೇ। ಮಂತ್ರೀನೇ ಉನ್ಹೇಂ ಸಮಝಾ ಕರ ಭೇಜಾ—ಉಸೇ ಏಕ ಉಪಾಯ ಸೂಝಾ । ಉಸ ಸಮಯ ಘಡೀ ನ ಥೀ । ಘಂಟೀ ಬಜಾನೇ ಥೇ । ಉಸೀ ಸೇ ಸಮಯ ಕಾ ಜ್ಞಾನ ಲೋಗೋಂ ಕೋ ಹೋತಾ ಥಾ । ಮಂತ್ರೀ ಘಂಟೀ ಬಜಾನೇವಾಲೇ ಸೇ ಬೋಲೇ—ಆಜ ರಾತ ಜಲ್ದೀ ಜಲ್ದೀ ಘಂಟೀ ಬಜಾನಾ । ಮಂತ್ರೀ ಕೀ ಆಜ್ಞಾ ಥೀ । ಸಿಪಾಹೀನೇ ಆಧೇ ಆಧೇ ಘಂಟೇ ಪರ ಘಂಟೀ ಬಜಾಈ । ಆಧೀ ರಾತ ಹೋತೇ ಹೀ ಛೇ ಬಜ ಗಯೇ । ರಾಜಾ ಭೀ ಉಠಾ । ಪರ ಸೂರಜ ಅಬ ತಕ ನಹೀಂ ಉಗಾ ಥಾ । ರಾಜಾನೇ ಮಂತ್ರೀ ಕೋ ಬುಲಾಯಾ। ಪೂಛಾ—ಮಂತ್ರೀ! ಅಭೀ ತಕ ಸೂರಜ ಕ್ಯೋಂ ನಹೀಂ ನಿಕಲಾ? ಮಂತ್ರೀನೇ ಕಹಾ—ಮಹಾರಾಜ! ಹಮನೇ ಪೂರಬವಾಲೋಂ ಕೇ ಪಾನೀ ಕೋ ರೋಕಾ ಹೈ। ಶಾಯದ ಉಸೀಕಾ ಬದಲಾ ಲೇನೇ ಪೂರಬ ಸೇ ಆನೇವಾಲೇ ಸೂರಜ ಕೋ ಉನ್ಹೋನೇ ಪಕಡ ರಖಾ ಹೈ। ರಾಜಾನೇ ತಬ ಕಹಾ—ಐಸಾ ಹೋ ತೋ ಜಲ್ದೀ ಬಾಂಧ ಕಾಟ ದೋ । ಮಂತ್ರೀನೇ ಬಾಂಧ

काटने का हुक्म दिया। बांध काटते काटते सवेरा हो गया। सूरज भी निकला। राजा से मंत्री बोले—देखिये महाराज! पानी पाकर उन्होंने (पूरबवालोंने) सूरज को छोड दिया। राजा मंत्री की बुद्धि की तारीफ करने लगे।

दया और लक्ष्मी

हार मानना–ಸೋಲು ಒಪ್ಪುವದು
पंचायत करना–ನ್ಯಾಯ ನಿರ್ಣಯ ಮಾಡುವದು, ಪಂಚಾಯತಿ ಮಾಡು
भीख मांगना–ಭಿಕ್ಷೆ ಬೇಡುವದು
गिडगिडाना–ವಿನಯದಿಂದ ಮಾತಾಡುವದು
मुट्ठी–ಮುಷ್ಟಿ
लाठी ठोकना–ಕೋಲು ಊರಿಯುವದು
परवाह–ಕಾಳಜಿ
रूखा सूखा–ಒಣಗಿದ
सिर नीचा होना–ತಲೆ ತಗ್ಗಿಸುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) न लक्ष्मी हार मानने को तयार थी न दया।
ಲಕ್ಷ್ಮಿಯೂ ಸೋಲೊಪ್ಪಲು ಸಿದ್ಧಳಿದ್ದಿಲ್ಲ ಮತ್ತು ದಯೆಯೂ ಸಿದ್ಧಳಿದ್ದಿಲ್ಲ.

(२) यह तो तुम जानते हो कि लक्ष्मी को धन बहुत प्यारा है;
ಲಕ್ಷ್ಮಿಗೆ ಹಣ ಬಹಳೇ ಪ್ರಿಯವಾದದ್ದೆಂದು ನೀವಂತೂ ಅರಿತಿದ್ದೀರಿ

प्रश्न

(अ) दया और लक्ष्मी की परीक्षा भगवान ने किस तरह ली।
(आ) "दया और लक्ष्मी" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)
दया कहती थी कि मैं भगवान से ज्यादा प्रेम करती हूँ। लक्ष्मी

भी यही कहती थी। दोनों झगड़ा करने लगीं। आखिर भगवानने कहा– तुम दोनों भूलोक में जाओ मैं दोनों की परीक्षा करके निर्णय दूँगा।

विष्णु की आज्ञा के अनुसार दोनों भूमि पर आयीं। लक्ष्मी एक सेठ की रानी बनी। दया एक गरीब की रानी बनी।

कुछ ही दिनों में सेठ के घर के सामने एक दिन एक बूढ़ा भीख मांगता हुआ आया। लक्ष्मीने डांटकर कहा—जाओ यहाँ कुछ नहीं मिलेगा। बूढ़ा फिर भी गिड़गिड़ाकर मांगने लगा। सेठानी को और भी गुस्सा आया। उसने भला बुरा कहा। वहाँ से निकलवा दिया। वह बूढ़ा गरीब के यहाँ पहुँचा। दयाने उस बूढ़े को देखा। उसे रहम आया। बूढ़े को उसने खिलाया पिलाया। रात में अपने ही घर में रख लिया। दूसरे दिन सबेरे दया उठी। उस बूढ़े का पता ही न था। दोनों की परीक्षा खतम होगयी। दोनों को मालूम हुआ कि वह बूढ़ा विष्णु के शिवा कोओ नहीं था। लक्ष्मी शर्मिंदा होगयी।

दया भगवान की प्यारी ही है।

सच बोलने वाला चोर

खेती बारी–ಒಕ್ಕಲತನ **गायब**–ಅದೃಶ್ಯ; ಇಲ್ಲದಂತೆ ಆಗುವದು
खजांची–ಖಜಾನೆದಾರ
भरोसा–ವಿಶ್ವಾಸ **जेब**–ಕಿಶೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) दोनोंने आपस में यह तय किया कि जो मिलेगा उसमें से आधा आधा बांट लेंगे।

ಸಿಕ್ಕದ್ದರಲ್ಲಿ ಅರ್ಧ ಅರ್ಧ ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳೋಣವೆಂದು ಇಬ್ಬರು ತಮ್ಮೊಳಗೆ ನಿಶ್ಚಯ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು.

(२) लेकिन मैं दो ही लाया हूँ जिस से बांटने में झगडा न हो।
ಆದರೆ ನಾನು ಜಗಳವಿಲ್ಲದ್ದಕ್ಕಾಗಿ ಎರಡೇ ತಂದಿದ್ದೇನೆ.

प्रश्न

(अ) चोर खजांची कैसे बना ?

(आ) "सच बोलने वाला चोर" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

एक गांव में एक गरीब था। गुजर करने दूसरा उपाय जब न सूझा तब वह चोरी करने लगा। एक दिन एक साधूने उस से कहा—भाअी तुम सच बोलो भगवान भला करेगा। चोरने मान लिया।

एक दिन वह राजा के घर चोरी करने जा रहा था। मार्ग में एक मनुष्यने अुस से पूछा—कहाँ जा रहे हो ? चोरने कहा—राजा के घर चोरी करने जा रहा हूँ। जो पूछ रहा था वह चकित हो गया। उसने मन में सोचा—यह कैसा चोर है ? अपनी बात सच सच बताता है। बिलकुल नहीं छिपाता। वह चोर से बोला—मैं भी तुम्हारे साथ आता हूँ। चोर भी राजी हुआ। दोनों राजमहल पहुँचे। चोर अंदर घुसा। आदमी बाहर ही खडा रहा। भीतर संदूक में तीन रत्नहार थे। चोर उन में केवल दो हार बाहर लाया। आदमी से बोला—तुम एक लो में एक लेता हूँ। तीन हार संदूक में थे बांटने में झगडा होने का संभव रहता है। अिसलिये मैं दो ही लाया हूँ। दोनों एक एक हार लेकर अपने अपने घर चले गये। वह आदमी खुद राजा था।

दूसरे दिन राजाने खजांची से कहा—कल रात महल में चोरी हुअी यों जान पडता है। देखो चोरी में क्या क्या गया है। खजांची अंदर गया। वहाँ देखा की संदूक खुला पडा था। उस में एक ही

हार है। खजांची उसे भी गायब कर राजा से बोला—तीनों रत्नहार गायब है। राजा को खजांची की करतूत मालूम हुअी। तुरंत राजाने खजांची की तलाशी ली। हार का पता लगाया। उसे नौकरी से अलग कर दिया। उसकी जगह पर चोर को खजांची बनाया। सच्चे आदमी को भगवान भला करेगा।

"सच्चा न्याय"

मुखिया–ಮುಖ್ಯಸ್ಥ
खातिर–ಆದರ
अशर्फियाँ–ನಾಣ್ಯ (ಸುವರ್ಣ ನಾಣ್ಯ)
आसन–ಕೂಡುವಸ್ಥಳ
रस्म रिवाज–ರೀತಿ-ನೀತಿ
सयानी–ಪ್ರಾಯದವಳು
अीमानदार–ಪ್ರಾಮಾಣಿಕ
मोल लेना–ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳುವದು
दहेज–ವರದಕ್ಷಿಣೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) लेकिन हमने सुना था कि आप सोने की तलाश में ही अपना घर छोड कर अितनी दूर आये हैं।

ತಾವು ಸುವರ್ಣದ (ಭಂಗಾರದ) ಶೋಧಕ್ಕಾಗಿಯೇ ತಮ್ಮ ಮನೆ ಬಿಟ್ಟು ಬಂದಿರುವಿರೆಂದು ನಾವು ಕೇಳಿದ್ದೇವೆ.

प्रश्न

(अ) गांव के मुखियाने सच्चा न्याय निर्णय किस प्रकार किया कहानी लिखिये।

(आ) "सच्चा न्याय" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

सिकंदर नामक एक युनान का बादशाह था। उसने हिन्दुस्तान

का कुछ भाग जीत लिया था। वहाँ पर एक दिन एक गांव में पहुँचा उस गांव के मुखियाने सिकंदर का सत्कार किया। मुखियाने उसे खाने की चीजों के साथ सोना भी दिया। सिकंदरने चकित होकर पूछा-तुम सोना भी खाते हो? मुखिया बोला-आप उसी की तलाश में भारत में आये हैं यों मैंने सुना था इसलिये मैंने रखा है।

अितने में गांव के दो आदमी मुखिया के पास पंचायत ले आये। एकने कहा-मैंने अिसका खेत खरीदा है। उस में अशर्फियों से भरा बड़ा मिला है। वह मेरा नहीं हो सकता। मैं अिसे बड़ा देता हूँ तो यह लेता नहीं। दूसरेने कहा-खेतके साथ उस में पैदा होनेवाली चीजें भी मैंने बेची हैं। मैं यह बड़ा नहीं लेता। मुखियाने निर्णय दिया-तुम अिसके लडके को अपनी लडकी दे दो। दहेज में यह बड़ा दे दो। यह सुनकर दोनों खुश हो गये। सिकंदरने यहाँ के लोगों की अिमानदारी देख खुश हुआ। वह बोला- मैं सोना लेने नहीं आया। यहाँ की रीत उदारता देखने आया हूँ।

"माँ की सेवा"

करीब–ಸುಮಾರು
अंग अंग में–ಶರೀರದ ಪ್ರತಿಭಾಗ ದಲ್ಲಿ
पीडा–ಪೀಡೆ
सजी हुअी–ಶೃಂಗಾರ ಯುಕ್ತ
कोचवान–ಕುದುರೆ ಗಾಡಿ ಹೊಡೆ ಯುವವ
खुशी से खिल अुठना–ಆನಂದ ದಿಂದ ಮುಖ ಅರಳುವದು
तडपना–ಚಟಪಡಿಸುವದು
दब जाना–ಸಿಕ್ಕಬೀಳುವದು (ವತ್ತಲ್ಪಡುವದು)
लाल–ಮಗ
दर्द–ನೋವು
नुस्का–ಔಷಧ ವಿವರಣೆಯ ಚೀಟಿ

कठिण वाक्यों का अनुवाद

(१) जब भूख-प्यासे कई दिन बीत गये और माँ अच्छी न हुई तो लड़का रोने लगा।

ಹಸಿವೆ ಬಾಯಾರಿಕೆಯಿಂದ ಅನೇಕ ದಿನ ಕಳೆದವು ಮತ್ತು ತಾಯಿಗೆ ಗುಣವಾಗಲಿಲ್ಲವಾಗ ಹುಡುಗ ಅಳ ಹತ್ತಿದನು.

(२) हमारे पास धन नहीं कि हम उसका अिलाज करा सकें।

ನಾವು ಅವಳ ಉಪಚಾರ ಮಾಡಿಸುವಷ್ಟು ನಮ್ಮಲ್ಲಿ ಹಣವಿಲ್ಲ.

प्रश्न

"माँ की सेवा" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

बर्लिन में एक विधवा थी। उस के एक पुत्र था। वह नम्र था। उसकी उम्र दस बरस की थी। एक बार विधवा बीमार पड़ी। लड़का घबराकर डॉक्टर को लेने गया। बालक डॉक्टर को कैसे पहचानता है? रास्ते में एक सजी गाड़ी आ रही थी। उस में एक आदमी बढ़िया कपड़े पहने बैठे थे। लड़केने उन्ही को डॉक्टर समझ उनके सामने अपना हाल सुनाया। लड़के की बात सुनकर उन्हे दया आयी। वे बोले—मैं डॉक्टर नहीं हूँ। यह दस रुपये का नोट लो। किसी डॉक्टर को बुला ले आओ। वे लड़के के घर का पता पूछकर चले आये। यहाँ उन्होंने देखा। अुस की माँ तड़प रही थी। वे उस से बोले—मैं डॉक्टर हूँ तुम्हारे लड़केने भेजा है। यों कहकर कागज पर कुछ लिखकर दिया और चले गये। थोड़ी देर में लड़का डॉक्टर को बुला लाया। माँ बोली—बेटा अभी एक डॉक्टर आये थे। दवा का नाम लिख दे गये हैं। वहाँ आये डॉक्टरने कागज देखा और कहा—यह

एक हजार रुपये का चक है। जर्मनी के बादशाह जोशफ दे गये है बादशाह की उदारता देख तीनों चकित हुए।

"दूध में पानी"

रोजगार–व्यापार, उद्योग
सैकडों–नूरारु
बेकार–व्यर्थ
बेअिमानी–अन्यमार्गीकरण
घबराना–ಕಂಗಾಲಾಗುವದು
धमकाना–ಗದ್ದರಿಸುವದು
नतीजा–ಪರಿಣಾಮ
अुलट पलटना–ತಿರುಗಿಸುವದು, ಹೊರಳಿಸುವದು
अिन्साफ–न्याय ನಿರ್ಣಯ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) बिरला ही कोअी ग्वाला होगा जो दूध में पानी न मिलाता हो। ಹಾಲಿನಲ್ಲಿ ನೀರು ಬೆರೆಸದ ಗೌಳಿಗನು ವಿರಳವೇ ಯಾವನಾದರೂ ಇರಬಹುದು.

(२) बंदरने रुपये की थैली देखी तो समझा कि अिसमें कुछ खाने को है। ಮಂಗವು ರೂಪಾಯಿಯ ಚೀಲವನ್ನು ನೋಡಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಏನಾದರೂ ತಿನ್ನಲಿಕ್ಕೆ ಅದೆ ಎಂದು ತಿಳಿಯಿತು.

प्रश्न

(अ) बंदरने ग्वाले का अिन्साफ किस प्रकार किया?
(आ) बंदरने "दूध का दूध पानी का पानी" किस प्रकार किया?
(अि) "दूध में पानी" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ) (अि)

एक गाँव में एक ग्वाला था। वह दूध में पानी मिलाकर बेचता था। एक दिन वह ३६० रुपये लेकर गाय खरीदने शहर की तरफ

चला। रास्ते में उसे भूख लगी। दोपहर भी हो गयी थी। मार्ग के पास तालाब था। वहीं पेड के नीचे रुपयों की थैली रखी। उसके ऊपर कपडे उतार रखे। नहाने तालाब में उतरा। उसी पेड पर एक बंदर था। बंदरने थैली देखी यह सोचकर कि थैली में खाने की चीजें हैं वह धीरे से थैली उठाकर पेड पर चला गया। ग्वाला बबडाया। वह क्या कर सकता था? उसने बंदर को डराया। पत्थर फेंका। कोअी परिणाम न निकला। बंदरने थैली खोली। उस में से रुपये निकालकर गौर से देखता एक तालाब में फेंकता और एक जमीन पर। ग्वाला जमीन पर गिरे हुए १३० रुपये चुनकर घर की तरफ चला। रास्ते में वह सोचने लगा—बेअिमानी का धन था। बंदरने ठीक निर्णय किया। दूध का दाम मुझे दिया और पानी का धन पानी में डाल दिया। यही है "दूध का दूध पानी का पानी"।

"बखशीश मांगने की सजा"

कहावत–ನಾಣ್ಣುಡಿ
पगडी–ಮುಂಡಾಸ
डयाढी–ಹೆಬ್ಬಾಗಿಲು
पहरा देना–ಕಾವಲು ಮಾಡುವದು
मुताविक–ಅನುಸಾರ
बखशीश–ಇನಾಮ
फटेहाल–ದುಸ್ಥಿತಿಯ, ಹೀನಸ್ಥಿತಿಯ
फुरसत–ಬಿಡುವು
आदी–ಅವಲಂಬಿ, ಪರವಶ
गुजर जाना–ಕಳೆದು ಹೋಗುವದು ಗತಿಸುವದು
कोडे लगवाना–ಕೊರ್ರಾದಿಂದ ಹೊಡೆಯುವದು
सजा–ಶಿಕ್ಷೆ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) लोग कहते हैं कि विद्या और धन दोनो एक साथ किसी के पास नहीं होते।

ವಿದ್ಯಾ ಮತ್ತು ಹಣ ಎರಡೂ ಒಂದುಗೂಡಿ ಯಾರ ಹತ್ತಿರವೂ ಇರುವ ದಿಲ್ಲವೆಂದು ಜನರು ಅನ್ನುತ್ತಾರೆ.

(೨) ಅಸಿ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನೇ ದಿಯಾ ಜೋ ರೋಜ ಯಹಾಂ ಆಯಾ ಕರತಾ ಹೈ।
ವಿನಾಲು ಇಲ್ಲಿ ಬರುವ ಬಾಹ್ಮಣನೇ ಇಂಥ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನೇ ಕೊಟ್ಟ ಮಾತು

ಪ್ರಶ್ನ

ಬಕ್ಷೀಶ ಮಾಂಗನೇವಾಲೇ ಸಿಪಾಹೀ ಕೋ ಕಿಸ ಪ್ರಕಾರ ಸಜಾ ಮಿಲೀ।

ಉತ್ತರ

ಏಕ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಥಾ । ವಹ ಬಡಾ ಪಂಡಿತ ಥಾ । ಪರ ಬಹುತ ಗರೀಬ ಥಾ। ವಹ ರಾಜಾ ಕೋ ಅಪನೀ ಪಂಡಿತಾಈ ದಿಖಾ ಕೆ ಉಸಸೇ ಕುಛ ಪ್ರಾಪ್ತ ಕರನಾ ಚಾಹತಾ ಥಾ। ರಾಜಮಹಲಕೇ ಪಾಸ ಗಯಾ । ಪಹರೇದಾರನೇ ಉಸೇ ಅಂದರ ಜಾನೇ ನ ದಿಯಾ। ವಹ ಲಾಲಚೀ ಥಾ। ಬ್ರಾಹ್ಮನೇ ಉಸಸೇ ಕಹಾ—ದೇಖೋ ರಾಜಾ ಸೇ ಜೋ ಮಿಲೇಗಾ ಉಸ ಮೇಂ ಥೋಡಾ ಭಾಗ ತುಮ್ಕೋ ಭೀ ದೂಂಗಾ। ತಬ ಪಹರೇದಾರನೇ ಅಂದರ ಜಾನೇ ದಿಯಾ। ರಾಜಾ ಕೋ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನೇ ಕವಿತಾಯೇಂ ಸುನಾಯೀಂ। ರಾಜಾ ಖುಶ ಹುಏ। ಉಸನೇ ಅಪನೇ ಖಜಾಂಚೀ ಕೋ ಏಕ ಚಿಟ್ಠೀ ಭೇಜೀ। ಖಜಾಂಚೀನೇ ಚಿಟ್ಠೀ ಕೇ ಅನುಸಾರ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಕೋ ಪಾಂಚ ರುಪಯೇ ದಿಯೇ । ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಪಹರೇದಾರ ಕೋ ರುಪಯೇ ದೇನಾ ಭೂಲ ಗಯಾ। ಅಸೀ ತರಹ ರೋಜ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಭೂಲ ಹೀ ಜಾನೇ ಲಗಾ। ಪಹರೇದಾರ ಕೋ ಯಹ ದೇಖ ಗುಸ್ಸಾ ಆಯಾ। ಉಸನೇ ರಾಜಾ ಕೇ ಪಾಸ ಜಾಕರ ಕಹಾ—ಮಹಾರಾಜ! ವಹ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಜೋ ರೋಜ ಯಹಾಂ ಆತಾ ಹೈ ವಹ ಆಪಕೀ ಶಿಕಾಯತ ಕರತಾ ಹೈ। ರಾಜಾನೇ ಪಹರೇದಾರ ಕೀ ಬಾತೇಂ ಸಚ ಮಾನ ಲೀಂ। ದೂಸರೇ ದಿನ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಆಯಾ। ರೋಜ ಕೀ ತರಹ ರಾಜಾನೇ ಖಜಾಂಚೀ ಕೋ ಚಿಟ್ಠೀ ಭೇಜೀ। ಉಸ ಚಿಟ್ಠೀ ಕೋ ಬ್ರಾಹ್ಮಣನೇ ಪಹರೇದಾರ ಕೋ ದಿಯಾ ಔರ ಕಹಾ—ಆಜಕಾ ಇನಾಮ ತುಮ ಲೇ ಲೋ। ಪಹರೇದಾರ ಖುಶೀ ಸೇ ಖಜಾಂಚೀ ಕೇ ಪಾಸ ಚಿಟ್ಠೀ ಲೇಕರ ಚಲಾ ಗಯಾ। ಚಿಟ್ಠೀ ಕೇ ಅನುಸಾರ ಖಜಾಂಚೀನೇ ಪಹರೇದಾರ ಕೋ ದಸ ಕೋಡೇ ಲಗಾಯೇ। ಸಿಪಾಹೀ ರೋತೇ ರೋತೇ ರಾಜಾ ಕೇ ಪಾಸ ಪಹುಂಚಾ। ರಾಜಾ ನೇ ಸಾರಾ ಹಾಲ ಸುನಕರ ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಕೋ ಬುಲಾಯಾ। ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಬೋಲಾ— ಸರ್ಕಾರ! ಯಹ ಮುಝ ಸೇ

बखशीश माँगा था। आज का अिनाम उसे मिलना था। सजा मिली है। राजा को गुसा आया। पहरदार को उसी समय नौकरी से अलग कर दिया।

सोने की थाली

लायक–ಯೋಗ್ಯ
आजमाना–ಅಳೆದುಕೊಳ್ಳುವದು, ಪರೀಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳುವದು
आमदनी–ಉತ್ಪನ್
छूना–ಮುಟ್ಟುವದು
बदन–ಶರೀರ
बखान–ಹೇಳಿಕೆ, ಹೊಗಳಿಕೆ
लोहा–ಕಬ್ಬಿಣ
पटक–ಕೆಳಗೆ ಒಗೆ
साल भर–ವರ್ಷವೆಲ್ಲ, ಇಡೀವರ್ಷ
जाडा–ಚಳಿ, ಥಂಡಿ
कटकटाना–ಕಟಕಟ ಶಬ್ದ ಮಾಡುವದು
भर पेट–ಹೊಟ್ಟೆತುಂಬ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) यह पढकर मंदिर के पूजारीने यह सूचना दी कि जो कोअी अपने को अुस भेंट के लायक समझता हो वह मंदिर में हाजर हो।
ಇದನ್ನು ಓದಿ ಮಂದಿರದ ಪೂಜಾರಿಯು ತಾವು ಆ ಕಾಣಿಕೆಯನ್ನು ಪಡೆಯಲು ಯೋಗ್ಯರೆಂದು ತಿಳಿದವರು ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಹಾಜರ ಆಗ ಬೇಕೆಂದು ಸೂಚನೆ ಮಾಡಿದನು.

(२) जग अिस के हाथ में थाली देकर देखो तो सही।
ಸ್ವಲ್ಪು ಇವನ ಕೈಯಲ್ಲಿ ಥಾಲಿಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟಾದರೂ ನೋಡಿರಿ.

प्रश्न

(अ) सोने की थाली किसान को क्यों मिली? कहानी लिखिये।
(आ) "सोने की थाली" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

काशी में एक दिन आकाश से सोने की थाली गिरी जिस पर ये शब्द लिखे हुए थे। —" जो भगवान से ज्यादा प्यार करता है अुसके लिये यह थाली है।" बस अुसे पाने अनेक लोग आने लगे। अपने अच्छे कामों का वर्णन करते थे। अुस थाली को हाथ में लेते। पर थाली हाथ में लेते ही अुनकी चमक गायब हो जाती और लोहे की-सी बन जाती। सैकड़ों आते थाली लेते ही अुसकी चमक गायब हो जाती।

एक दिन काशी में एक गरीब किसान भगवान के दर्शन के लिये आया। रास्ते में एक गरीब बूढ़ा सर्दी से काँप रहा था। किसान को अुस पर दया आयी। अपना कंबल अुसे ओढ़ा दिया। मंदिर में आया। पूजारी सोने की थाली रखे बैठा था। हर एक आदमी थाली लेता निराश होकर लौटता। किसान सबके पीछे खड़ा था। यह सब देख रहा था। वह उसे लेना नहीं चाहता था पर पूजारीने अुसके हाथ में थाली दे दी। किसान के छूते ही वह थाली और भी चमकने लगी। सब चकित हुए। पूजारी बोला कि भगवान से तुम ज्यादा प्यार करते हो। यह थाली तुम्हारे लिये है। तुम लो।

लालच का फल

मुनादी करना–ಜಾಹೀರ ಮಾಡು
नाअी-हज्जाम–ನಾವಲಿಗ
सूझना–ಹೊಳೆಯುವದು, ತಿಳಿಯುವದು
हीरेकी अंगूठी–ವಜ್ರದ ಉಂಗುರ
बिगडना–ಕೆಡುವದು, ಸಿಟ್ಟಾಗು
छिपाना–ಮುಚ್ಚುವದು

कसम खाना–ಆಣೆಮಾಡುವದು
वादा करना–ವಚನ ಕೊಡುವದು
शख्श-आदमी–ಮನುಷ್ಯ
गंवाना-खोना–ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳುವದು
अलटा सीधा–ತಿರುವುಮುರುವು, ಅಸ್ತವ್ಯಸ್ತ
मूह सूखना–ನಿಸ್ತೇಜವಾಗುವದು, ಮುಖ ಒಣಗುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जो ला देगा मुसको सेठजी एक सौ रुपया अिनाम देंगे।
ತಂದುಕೊಟ್ಟವರಿಗೆ ಸೇಠಜಿಯವರು ಒಂದು ನೂರು ರೂಪಾಯಿ ಇನಾಮು ಕೊಡುವರು.

(२) अब कोअी अुपाय ऐसा करना चाहिये कि रुपये न देने पडे।
ಈಗ ರೂಪಾಯಿ ಕೊಡುವದು ಬಾರದಂಥ ಉಪಾಯ ಮಾಡಬೇಕು.

(३) आप जब तक मेरा अिनाम न देंगे तब तक मैं आपकी थैली वापस नहीं करूँगा।
ನನ್ನ ಇನಾಮು ಕೊಡದಿದ್ದ ತನಕ ನಾನು ತಮ್ಮ ಚೀಲ ಮರಳಿ ಕೊಡುವದಿಲ್ಲ. (ತಾವು ಎಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ನನ್ನ ಇನಾಮ ಕೊಡುವದಿಲ್ಲ ಅಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೆ ತಮ್ಮ ಚೀಲ ನಾನು ಮರಳಿ ಕೊಡುವದಿಲ್ಲ.)

प्रश्न

(अ) व्यापारीने लालच से थैली किस प्रकार गंवा दी ?
(आ) "लालच का फल" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

एक व्यापारी था। एक दिन उसकी दो सौ रुपयों की थैली खो गयी। व्यापारीने जाहीर किया कि दो सौ रुपयों की थैली खो गयी है। उसे जो ला देगा एक सौ रुपया उसे दूँगा। वह थैली एक नाअी को मिली थी। उसने व्यापारी से अपना अिनाम पहले माँगा। लोभी

व्यापारीने नाभी से कहा—उस थैली में दो सौ रुपया और एक हीरेकी अंगूठी थे। सब ले आओ अपना अिनाम ले जाओ। नाभी कहने लगा —अंगूठी नहीं थी। व्यापारी कहने लगा—जरूर थी। आखिर यह झगडा काजी के पास ले चले। नाभीने अपने सच्ची बातें काजी के पास भी साफ बता दीं। व्यापारी उल्टे सीधे जवाब देने लगे। जिस से काजी को मालूम हुआ कि व्यापारी झूठा है। तब वह व्यापारी से बोले—यह थैली तुम्हारी नहीं है। तुम्हारी थैली में अंगूठी थी। वह और किसी को मिली होगी। फिर से मुनादी करा दो। उस में अंगूठी की बात भी प्रकट करो।

यह सुन व्यापारी पलताया और चला गया। लालच बुरी चीज है।

"मुदलियार की अुदारता"

खाली हाथ–ಬರಿಗೈ　　**पिघल**–ಕರಗು
खानदान–ಕುಲ, ವಂಶ　　**नजर**–ದೃಷ್ಟಿ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) बेचारे नंदनने जब यह सुना तब वह बहुत बबराया।

ಬಡವನಾದ ನಂದನನು ಇದನ್ನು ಕೇಳಿದಾಗ ಬಹಳ ಘಾಬರಿಯಾದನು.

(२) अिस पर एक सिपाही जो नंदन को कुछ कुछ पहचानता था बोला—यही तो नंदन मालूम होता है।

ಆ ಮೇಲೆ ನಂದನನನ್ನು ಅಲ್ಪಸ್ವಲ್ಪ ಅರಿತಿದ್ದ ಒಬ್ಬ ಸಿಪಾಯಿ ಅಂದನು—ಇವನೇ ನಂದನನೆಂದು ಗೊತ್ತಾಗುತ್ತದೆ.

प्रश्न

(अ) मुदलियारने नंदन को किस प्रकार बचा लिया ?

(आ) "मुदलियार की अुदारता" संक्षेप में कहानी लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

मुदलियार एक बड़े आदमी थे। वे धनवान भी थे। जाति भेद मानते ही नहीं थे। वहीं नंदन नामक एक हरिजन था। एक बार किसी कारण उस हरिजन पर वहाँ का राजा नाराज हो गया। राजा के सिपाही नंदन को कैद करने आये। नंदन भागकर मुदलियार के पास आया। अपनी रक्षा के लिये प्रार्थना करने लगा। मुदलियार को उसकी हालत पर दया आयी। उन्होंने नंदन को धीरज दिया और अपने यहाँ रखा लिया। राजा के सिपाही मुदलियार के घर में नंदन को कैद करने आये। तब मुदलियारने उनसे कहा—हमारे यहाँ नंदन नहीं है। ये हमार रिस्तेदार हैं। फिर भी सिपाहियों को शक हुआ। वे बोले—आप अिसके साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं? मुदलियार भी राजी हुए। नंदन के साथ बैठकर वे भोजन करने लगे। सिपाही विश्वास कर नंदन को छोड कर ही चले गये। आज भी मुदलियार के वंशज हरिजनों से प्यार करते हैं।

तीन वर

बनिया–ವ್ಯಾಪಾರಿ
असर–ಪ್ರಭಾವ
अटल–ಅಚಲ
दफा–ಸಾರಿ
भूल–ತಪ್ಪು
भूलना–ಮರೆಯುವದು
अगना–ಹುಟ್ಟುವದು
लोभ–ಆಶೆ
घटना–ಕಡಿಮೆಯಾಗುವದು
झिडकना–ಸಿಡುಕಾಗುವದು
पछतावा–ಪಶ್ಚಾತ್ತಾಪ
चिढना–ಕಂಗಾಗುವದು, ಸಿಟ್ಟು ಗೇಳುವದು
सावधान–ಎಚ್ಚರಿಕೆ
चिपट–ಹತ್ತಿಕೊಳ್ಳು, ಅಂಟಿಕೊಳ್ಳು
खींचना–ಜಗ್ಗುವದು
नष्ट–ಹಾಳು, ನಾಶ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) हे प्रभू ! मुझे यही वर दिजिये कि भाव में मेरी भक्ति अटल रहे।

ಹೇ ಪ್ರಭುವೇ ! ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಭಕ್ತಿಯು ಅಚಲವಿರುವುದೇ ನನಗೆ ವರ ದಯ ಪಾಲಿಸಿರಿ. (ಹೇ ಪ್ರಭುವೇ ! ನನಗೆ ಇದೇ ವರ ಕೊಡಿರಿ ಏನೆಂದರೆ ತಮ್ಮಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಭಕ್ತಿ ಅಚಲವಿರಲಿ.

(२) रास्ते भर यही सोचता गया कि किस चीज की अिच्छा करूं ?

ಮಾರ್ಗದಲ್ಲೆಲ್ಲ ಯಾವ ವಸ್ತುವಿನ ಇಚ್ಛೆ ಮಾಡಬೇಕೆಂಬುದನ್ನೆ ಯೋಚಿಸುತ್ತ ಹೊರಟೆನು. (ಮಾರ್ಗದಲ್ಲೆಲ್ಲ ಇದೇ ಯೋಚನೆಯಲ್ಲಿ ಹೋದನು ಏನೆಂದರೆ ನಾನು ಯಾವ ವಸ್ತುವಿನ ಇಚ್ಛೆ ಮಾಡಬೇಕು.

(३) बनिया तो पत्थर से अिस तरह चिपट गया था मानो भुसी में से अुगा हो।

ವ್ಯಾಪಾರಿಯು ಅದರಲ್ಲಿ ಹುಟ್ಟಿರುವನೊ ಎಂಬಂತೆ ಕಲ್ಲಿಗೆ ಅಂಟಿ ಕೊಂಡಿದ್ದನು.

(४) पत्थर मैं चाहता हूँ कि तू मुझे छोड दे।

ಕಲ್ಲೆ ! ನೀನು ನನ್ನನ್ನು ಬಿಡುವದನ್ನೆ ನಾನುಬಯಸುತ್ತೇನೆ. (ಕಲ್ಲೆ! ನಾನು ಬಯಸುತ್ತೇನೆ. ಏನೆಂದರೆ ನೀನು ನನ್ನನ್ನು ಬಿಡು.)

प्रश्न

(अ) कंजूस बनिया मुसफिरों की सेवा दान पुण्य क्यों करने लगा।

(आ) कंजूस बनियेने तीनो वरों को कैसे अुपयोग किया लिखिये।

(अि) "तीन वर" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ) (अि)

एक गांव में गरीब ब्राह्मण था। वह बडा उदार था। वहीं एक बनिया भी था। बडा धनवान था और पक्का लोभी था।

एक बार भगवान दोनों की परीक्षा लेने गरीब मुसाफिर के वेष में आये। पहले बनिये के घर आये। बनिया डांटकर गालियाँ देकर वहाँ से निकाल दिया। तब ब्राह्मण के घर गये। ब्राह्मणने उनका खूब आदर किया। अपने यहाँ रख लिया। भगवान दूसरे दिन आशीर्वाद दे कर चले गये। गरीब की झोंपडी एक सुंदर महल बन गयी। वह एक अमीर बन गया। यह बात जब बनिये को मालूम हुअी तब उसे पछतावा हुआ। वह भागा कि रास्ते में वह बूढा मुसाफिर जा रहा था। उससे बनियेने प्रार्थना की कि मुझे भी वर दीजिये। भगवानने कहा–तीन दफे तुम जो अिच्छा करोगे वह पूरी होगी। बनिया खुश हो गया। वह रास्ते में सोचने लगा कि क्या अिच्छा करने से ज्यादा लाभ होगा? उसी समय एक कौवा कांव कांव करते उसी के सिरपर उड रहा था। उस पर बनिये को गुस्सा आया। वह बोला–तू मर क्यों नहीं जाता? यों कहते ही कौवा मरके गिर पडा। तब बनिये को अपनी गलती मालूम हुअी। एक वर फिजूल खो बैठा। उसी दिन शाम को अपने बगीचे में पत्थर पर बैठा था। ज्यादा लाभ की ही बात सोच रहा था। देर हो गयी थी। उसका नौकर उसे लेने आया तो बनिया गुस्से से बोला—मैं यहीं बैठना चाहता हूँ। नौकर चला गया। उसकी पत्नी आयी। बनिये को बुलाया। पर बनिया पत्थर से चिपटा था। अब बनिये को मालूम हुआ कि यह वर का फल है। बनिया पछताने लगा। दो वर मुफ्त में गये। पत्नीने समझाया कि लोभ के लिये यह सजा है। लाचार था। बनिया बोला–हे पत्थर मुझे छोड दो! बनिया छूट गया। तब से बनिया गरीबों की सहायता करने लगा।

होनहार

होनहार-ಭವಿಷ್ಯ, ವಿಧಿಲಿಪಿತ
मछुआ-ಮೀನುಗಾರ, ಜಾಲಿಗಾರ
ढांकना-ಮುಚ್ಚುವದು
लग्न-ಮುಹೂರ್ತ
दुख का ठिकाना न रहना-ಅತಿ ದುಃಖವಾಗುವದು
यजमान-ಧಾರ್ಮಿಕ ಭಕ್ತ, ಶಿಷ್ಯ
टोकरी-ಬುಟ್ಟಿ
जन्म पत्री-ಜನ್ಮಕುಂಡಲಿ, ಜನ್ಮ ಪತ್ರಿಕೆ
छाती-ಎದೆ
पन्ना-ಹಾಳೆ
बे फिक्र-ನಿಶ್ಚಿಂತ
धूम धाम-ವೈಭವದಿಂದ
हँसी उडाना-ಹಾಸ್ಯಮಾಡುವದು
अंगुली-ಬೆರಳು
वचन-ಆಜ್ಞಾಂತ
पालना पोसना-ಜೋಪಾನ ಮಾಡುವದು
तिल-ಮಚ್ಚೆ (ಚರ್ಮದಲ್ಲಿ ಕಪ್ಪು ಕಲೆ)
नाक भौं सिकोडना-ಮೂಗು ಹುಬ್ಬು ಮುದುಡಿಸುವದು
जीता-ಜೀವಿತ
पढाई-ಓದು
ब्याह-ವಿವಾಹ
गलत-ತಪ್ಪು
बहू-ಸೊಸೆ
सिर पीट लेना-ತಲೆ ಬಡೆದು ಕೊಳ್ಳುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) अुसकी स्त्रीने जब अुसको अिस तरह पडे हुए देखा तब अुसने जाकर पूछा।

ಅವನ ಪತ್ನಿಯು ಈ ರೀತಿ ಬಿದ್ದಿರುವದನ್ನು ಕಂಡಾಗ ಅವಳು ಹೋಗಿ ಕೇಳಿದಳು.

(२) शास्त्र में लिखा है कि अगर किसी लडकी की छाती पर तिल हो तो वह अपने कुल का नाश करेगी।

ಒಂದು ವೇಳೆ ಯಾವದೇ ಹುಡಿಗಿಯ ಎದೆಯ ಮೇಲೆ ಮಚ್ಚೆ ಇದ್ದರೆ ಅವಳು ತನ್ನ ಕುಲವನ್ನೆ ನಾಶ ಮಾಡುವಳೆಂದು ಶಾಸ್ತ್ರದಲ್ಲಿ ಬರೆದಿದೆ.

प्रश्न

(अ) ब्राह्मण के लडके की शादी मछुए की लडकी से कैसे हुआ।
(आ) "होनहार" कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

(अ) (आ)

एक गाँव में एक ब्राह्मण था। उसके घर में एक लडका पैदा हुआ था। ज्योतिषीने ब्राह्मण से कहा—यह लडका पंडित होगा पर अिसका विवाह पलाने मछवे की लडकी से होगा। यह सुनकर ब्राह्मण चिंतित हुआ।

अंत में ब्राह्मणने एक उपाय निकाला। वह मछुआ उस का यजमान था। लडकी पैदा हुअी। उसकी छाती पर एक काला तिल था। ब्राह्मणने मछुअे को डराकर गंगा में उस लडकी को बहा देने भेज दिया।

ब्राह्मण का लडका काशी में पढ रहा था। उसकी पाठशाला के पास ही एक ब्राह्मण का घर था। उसकी एक सयानी लडकी थी। यह लडका तेज था। ब्राह्मणने अिसी से आपनी लडकी का विवाह करना चाहा। लडके के पिता को भी लडकी पसंद आयी। शादी होगयी। बहू घर आयी।

एक दिन फिर वह ज्योतिषी ब्राह्मण के घर आया। पंडितजी उस से खुशी से बोले—आपकी बात झूट निकली—शादी ब्राह्मण की लडकी से हुअी है। ज्योतिषीने कहा—नहीं मेरी बात सच है। चाहो तो देखो उस लडकी की छाती पर एक काला तिल है। तुम्हारे कहने के अनुसार गंगा में उसने लडकी को बहा दिया। वह लडकी काशी में ब्राह्मण को मिली। उसने उसे पाला। उसी से शादी हुअी है। ब्राह्मण यह सुनकर सिर पीट लिया। होनहार हो कर ही रहता है।

"पिता का प्रेम"

खिलाफ–ವಿರುದ್ಧ
काम काज–ಕೆಲಸ
आफसोस–ದುಃಖ
लुभाना–ಮುಗ್ಧವಾಗಿಸು, ಮೋಹಿತ ಗೊಳಿಸು
शराबी–ಸೆರೆ ಕುಡುಕ
आदत–ಚಟ
जुए–ಹೆಡ್ಡ, ಜೂಜುಗಳು
कसूर–ಅಪರಾಧ
धारा–ಪ್ರವಾಹ
कष्ट झेलना–ಕಷ್ಟಸಹಿಸುವದು
कड़े–ಕಠೋರ
जुआरी–ಹೆಡ್ಡ ಆಡುವವರು
फ़ंसना–ಸಿಕ್ಕ ಬೀಳುವದು
वंतना–ಕಳೆಯುವದು ದಿನಗಳೆಯುವದು
दिल भर आना–ಆನಂದ ತುಂಬಿ ಬರುವದು
कलेजा टुकडे टुकडे होना–ಅತಿ ದುಃಖವಾಗುವದು
निकम्मा–ನಿರುದ್ಯೋಗಿ
करनी–ಕೃತಿ
भोगना–ಭೋಗಿಸುವದು

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) वह नहीं चाहता था कि अुसके लड़के अुसको छोड़कर कहीं चले जायँ।

ತನ್ನ ಮಕ್ಕಳು ಅವನನ್ನು ಬಿಟ್ಟು ಎಲ್ಲಿಯಾದರೂ ಹೋಗಲೆಂದು ಅವನು ಬಯಸುತ್ತಿದ್ದಿಲ್ಲ.

(२) जब मालूम हुआ कि अुसके पास बहुत सा रुपया पैसा है तब अुन्होंने अुससे दोस्ती कर ली।

ಅವನ ಹತ್ತರ ಬಹಳ ರೂಪಾಯಿ ಹಣವದೆಯೆಂದು ಗೊತ್ತಾದಾಗ ಅವರು ಅವನೊಡನೆ ಗೆಳೆತನ ಬೆಳೆಸಿದರು.

(३) जब अुसने देखा कि यहाँ मेरी मदद करनेवाला कोअी नहीं है तब अुसने वर जाने का निश्चय किया।

ತನ್ನ ಸಹಾಯ ಮಾಡುವವರು ಯಾರೂ ಇಲ್ಲವೆಂದು ಕಂಡಾಗ ಅವನು ಮನೆಗೆ ಹೊರಡುವ ನಿಶ್ಚಯ ಮಾಡಿದನು.

प्रश्न

" पिता का प्रेम " कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

एक किसान के दो पुत्र थे। एक बड़ा मेहनती था और दूसरा छोटा आलसी। एक दिन छोटेने अपने हिस्से का धन पिता से माँगा। किसानने खूब समझाया पर कुछ भी असर न हुआ। अंतमें वह अपने हिस्से का धन लेकर शहर चला ही गया। शहर में उसने शराबी जुआरी लोगों की दोस्ती कर ली। बुरी आदतों में सारा धन खो बैठा। जब धन गया तब दोस्त भी चले गये।

वह एक गडरिये के यहाँ नौकरी करने लगा। वहाँ काम ज्यादा था पर खाना कम मिलता था। धीरे धीरे उसकी तबियत खराब हुअी। तब घर का सुख पिता का प्यार याद आया; तब घर जाने निश्चय किया। वह घर आया। पिता बड़ा खुश हो गया। लडकेने पिता से क्षमा माँगी। पिताने अपने सब मित्रों को एक बड़ा भोज दिया। बड़े पुत्र को यह सब देख गुस्सा आया और बोला—मैं अितना परिश्रम करता हूँ। मेरे लिये एक भोज भी नहीं दिया। अिस आलसी के लिये भोज दिया। आप उससे ज्यादा प्रेम करते हैं। पिता बोले—यह बात नहीं तुम मेरे पास आराम से रहे हो। उसने अनेक कष्ट झेले हैं। वह खो गया था अब मिल गया है। उस पर कडा मत बनो। तुम दोनों प्यारे हो। यह सुनकर बड़े पुत्र को दया आयी। दोनों मिलकर रहने लगे।

"लोभी दादा"

दादा–ಅಜ್ಜ–ಅಣ್ಣಿ
लोभी–ಲೋಭಿ, ಆಶೆ ಇದ್ದವ
गरी–ಹಸಿಕೊಬ್ಬರಿ
भाव–ಧಾರಣಿ, ಜೆಲೆ
नारियल–ತೆಂಗಿನಕಾಯಿ
घिसना–ನವಕಳಿಯಾಗುವದು
लुटाना–ಲೂಟಿಮಾಡಿಸು
छालेपडना–ಗುಳ್ಳೆ ಬೀಳುವದು
(ಗುಳ್ಳೆ ಏಳುವದು)
नगद–ರೋಖ
बागवान–ತೋಟಗ
बडे तकदीरवाले–ಬಹು
ಭಾಗ್ಯವಂತ
आपत–ಆಪತ್ತು
अकल–ಬುದ್ಧಿ
चढाअी–ಏರುವಿಕೆ, ಹತ್ತುವಿಕೆ
पाअी–ಪೈ
लटकना–ನೇತಾಡುವದು
झूलना–ತೂಗಾಡುವದು
थूकना–ಉಗುಳುವದು
घसीटना–ಎಳೆಯುವದು
आसीस देना–ಆಶೀರ್ವಾದ
ಮಾಡುವದು
तुडाअी–ಹರಿಯುವಿಕೆ,
(ಫಲ ಹರಿಯುವಿಕೆ)
छूट जाना–ಬಿಟ್ಟು ಹೋಗುವದು
(ಬಿಡುಗಡೆ)
झोंका खाना–ಜೀಕು
ಹೊಡೆಯುವದು
यार–ಮಿತ್ರ
दमडी–ಪೈ

कठिन वाक्यों का अनुवाद

(१) जितने चाहो खरीद लो।

ಬೇಕಾದಷ್ಟು ಕೊಂಡುಕೊ (ಎಷ್ಟು ಬಯಸುವಿ (ಇಷ್ಟು) ಕೊಂಡುಕೊ)

(२) थोडी दूर और चला जाअूँगा तो पैर थोडे ही घिस जायेंगे।

ಸ್ವಲ್ಪು ದೂರ ಹೊರಟು ಹೋದರೆ ಕಾಲು ಏನಾದರು ಸವೆದು ಹೋಗುವವೆ?

(३) तो चढने दो मुझे बस जो होगा सो देखा जायेगा।

ಹಾಗಾದರೇ ಹತ್ತುವಾ ಸರಿ ಏನು ಆದದ್ದು ನೋಡಲಾಗುವದು.

(೪) हाथ फैलाकर ज्यों ही नारियल तोडने लगे त्यों ही पैर छूट गये।
ಕೈಚಾಚಿ ತೆಂಗಿನಕಾಯಿ ಹರಿಯಲು ಹೋಗೊಡನೆಯೇ ಕಾಲು ತಪ್ಪಿ ಬಿಟ್ಟವು.

(೫) अधर से अधर लगे झोंके खाने और हवा में झूलने।
ಇತ್ತಿಂದ ಅತ್ತ ಜೀಕು ಹೊಡೆಯುವತ್ತಿದನು ಮತ್ತು ಹವೆಯಲ್ಲಿ ತೂಗ ಹತ್ತಿದನು.

प्रश्न

"लोभी दादा" की कहानी संक्षेप में लिखिये।

उत्तर

एक गाँव में एक लोभी आदमी था। उसे गरी खाने की अिच्छा हुअी। बाजार में दूकानदार से नारियल का भाव पूछा—व्यापारीने कहा— दो आने में एक है। लोभी दादाने एक आने में माँगा। दूकान दारने गाँव के बाहर बडी दुकान जाने कहा। लोभीने बडी दुकान में दो पैसे में नारियल माँगा। बडे दूकानदारने लोभी को बंदरगाह भेजा। लोभी बंदरगाह आया। वहाँ लोभीने नरियल का भाव पूछा—वहाँ दो पैसे बतलाया गया। लोभीने कहा—भाअी एक पैसे में दे दो। अुसने बाग जाने की सलाह दी। दादा वहीं गया। भाव पूछा—बागवानने कहा—पैसे में एक लेलो दादा। लोभीने कहा—भाअी मुफ्त में दे दो। ब्राम्हण हूँ आशीर्वाद दूँगा। बागवान बोला—भाअी यह पैसा चढाअी और तुडाअी का है। मुफ्त में चाहते हो तो पेड पर चढके तोड लो।

दादा लोभ के मारे पेढ पर चढ गया। नारियल तोडते समय उसके पैर छूट गये। दादा लटक पडा। बागवान से जान बचाने की प्रार्थना करने लगा। किसी से सहायता न मिल सकी। तब दादा कहने लगा— हे भगवान! अब तुम ही बचाओ सिर्फ एक ही पैसे के लिये मेरी जान जा रही है।

हिन्दी रचना पहले भाग की कुंजी

पाठ १ (वाक्य)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) गाय (२) घोड़ा (३) हम (४) शेर (५) तारे (६) मछली (७) मैं (८) कुत्ता।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) रोटी (२) चिट्ठी (३) सामान (४) पाठ (५) गाना (६) दूध (७) हिन्दुस्तानी (८) अखबार।

(इ) प्रश्न का उत्तरः— (१) बोलती है। (२) बेचता है। (३) खाते हैं। (४) बनाती है। (५) धोता है। (६) गेता है। (७) सीखते हो? (८) खेलते हैं।

(ई) प्रश्न का उत्तर :— (१) मोहन एक छोटा लड़का है। (२) कलकत्ता कहाँ है? (३) किताब अलमारी में है। (४) घड़ी दीवारपर है। (५) अिस घरमें कौन रहते हैं? (६) बिल्ली दूध पीती है। (७) वे तेज दौड़ते हैं। (८) क्या तुम संस्कृत सीखते हो। (९) हम शाम को खेलते हैं। (१०) वह चाय पीती है।

पाठ २ (विधिरूप)

(अ) प्रश्न का उत्तर :— (१) आओ (२) देखो (३) जाअिए (४) कीजिए (५) पीजिए (६) लीजिए (७) सिखाअिए (८) कीजिए (९) पढ़िये।

(आ) प्रश्न का उत्तर :— (१) यह किताब पढो। (२) यह कलम मत खरीदो। (३) हमेशा सच बोलो। (४) कलसे हिन्दी सीखो। (५) चाय मत पीजिए। (६) क्लास में चुप बैठो। (७) यह काम मत कीजिये। (८) यह किताब मुझे दो दिन तक दीजिये। (९) लीला, एक गिलास पानी लाओ। (१०) यह बडी मत बेचिए।

पाठ ३ वर्तमानकाल

(अ) प्रश्न का उत्तर :— (१) गाती है। (२) सुनता हूँ। (३) देखती हो? (४) जाती हूँ। (५) करते हैं? (६) खाती। (७) जाते हो? (८) देती है? (९) पीता हूँ। (१०) खेलती हैं?

(आ) प्रश्न का उत्तर :— (१) तुम आते हो। (२) वह क्या खाता है? (३) वे सोते हैं। (४) मैं काम करता हूँ। (५) हम जाते हैं। (६) आप झूठ मत बोलिए। (७) तुम पानी पीओ। (८) वे क्यों दौडते हैं? (९) मैं गाता हूँ। (१०) वे चाय पीते हैं।

(अि) प्रश्न का उत्तर :— मैं गाडीमें घर जाता हूँ। (२) वे गाँव में रहते हैं। (३) हम यह भाषा नहीं जानते। (४) सरला बहुत अच्छा गाती है। (५) यह गाय कितना दूध देती है? (६) क्या तुम्हारी माँ हिन्दी सीखती है? (७) हम हमेशा तमिल में बोलते हैं। (८) बिल्ली दूधको बहुत पसंद करती है। (९) क्या तुम यहाँ रहते हो? (१०) अिस दर्ज में कितने लडके पढते हैं?

पाठ ४ तात्कालिक वर्तमानकाल

(अ) प्रश्न का उत्तर :— (१) खा रहा हूँ। (२) खेल रहे हैं। (३) जा रहा है। (४) सी रही है। (५) बना रही है। (६) कर रहे

हो? (७) पढ रहे हैं। (८) ला रही है। (९) बेच रही है। (१०) कर रहीं है।

(आ) प्रश्न का उत्तर :— (१) पी रही है। (२) कर रही हैं? (३) देख रहे हैं। (४) खेल रहे है। (५) पढ रही है। (६) हम लड्डू खरीद रहे हैं। (७)लिख रहे हैं। (८) सिखा रहे है। (९) पी रहे है। (१०) याद कर रहा हूँ।

(इ) प्रश्न का उत्तर :— (१) गोपाल मैदान में दौड रहा है। (२) सरला गा रही है। (३) हम हिंदी सीख रहे हैं। (४) तुम क्या देख रही हो? (५) आज वे नहीं खेल रहे है। (६) आप कहाँसे आ रहे हैं? (७) आज बंबई को कौन जा रहा है? (८) हम आज रात सिनेमा देखने जाते हैं। (९) वह क्यों रो रही है? (१०) वह नहीं रो रही है; हंस रही है।

पाठ ५ (विशेषण)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) गरम (२) छोटी (३) लाल (४) बडे (५) हरे (६) सफेद (७) गंदा (८) चौडी (९) मीठा (१०) महंगा।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) हमारा घर बडा है। (२) हम अच्छे हैं। (३) सूरज गरम है। (४) खद्दर मोटा है। हिंदी आसान है। (६) पहाड ऊँचे हैं। (७) हमारा कपडा साफ है। (८) सोना महँगा है। (९) हमारे बाल काले हैं। (१०) आसमान नीला है।

(इ) प्रश्न का उत्तरः— (१) स्कूल के छोटे लडके। (२) तालाब का गंदा पानी। (३) बाग के ताजे फल। (४) बर्फ की नयी चीजें। (५) नारियल के लंबे पेड। (६) हाथी एक बडा जानवर।

(७) हम गंदे कपडे नहीं पहनते। (८) मैंट रोड एक चौडा रास्ता है। (९) वह गरम चाय पीती है। (१०) यह नदी बहुत गहरी नहीं है।

पाठ ६ (कारक चिह्न)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) से (२) को (३) के (४) से (५) से (६) से (७) का (८) पर (९) में।

(आ) प्रश्न का उत्तर :— (१) मैं अुस को दस रुपये देता हूँ। (२) बिल्ली **को** दूध बहुत पसंद है। (३) पेड **से** एक आम गिर पडा। (४) अध्यापक गोपाल से प्यार करते हैं। (५) अलमारी में अेक अुपन्यास है। (६) अुस पुस्तक में कई खूबसूरत तस्वीरें है। (७) घडी दिवार **पर** है। (८) राम पेड **पर** चढता है। (९) अुस आदमी **का** घर बडा है। (१०) सब लोग विद्यासागर **का** आदर करते हैं।

(अि) प्रश्न का उत्तर :— (१) यह गोपाल का घर है। (२) वह तुम्हारा सेवक है। (३) तालाबका पानी बहुत गंदा है। (४) मै सोम वार से यहाँ हूँ। (५) अिस चपरासी को तुम कितनी तनख्वाह देते हो। (६) तुमको हिंदी कौन सिखाते है। (७) तुम लाल स्याही से क्यों लिखते हो? (८) तुम कहाँ से आ रहे हो? (९) आजकल गांधीजी सेवाग्राम में रहते हैं। (१०) वह किताब अलमारी में है।

पाठ ७ (संबंध कारक)

(अ) प्रश्न का जवाबः— (१) का (२) की (३) के (४) के (५) की....का (६) का (७) का (८) की (९) के (१०) के।

(आ) प्रश्न का जवाब :— (१) छोटी है। (२) नजदीक है। (३) प्रसिद्ध है। (४) का नाम राम है। (५) बहुत खूब सूरत है। (६) तेज दौडता है। (७) बहुत कमजोर है। (८) कहाँ रहते हैं। (९) घर कहाँ है? (१०) नेता मेहनत करते हैं।

(अि) प्रश्न का उत्तरः— (१) की (२) के (३) के (४) के (५) के....का (६) की (७) की (८) का (९) के (१०) की।

(अी) सवाल का जवाब :— (१) अब्दुल गोपाल का दोस्त है। (२) गोपाल का घर स्टेशन से बहुत दूर है। (३) रहीम के घर में कौन रहता है? (४) सीता के वर्ग में कितनी लडकियाँ हैं। (५) अुसकी बहिन का नाम सुशीला है। (६) अिस बाग के मालिक कौन हैं? (७) जोसफ की दो लडकियाँ हिंदी दर्जे में पढती है। (८) राधा के पति का नाम कृष्णराव है। (९) हम बेंगलूर को शाम की गाडी से जायेंगे। (१०) अुसका घर कावेरी नदी के किनारे पर है।

पाठ ८ (क्रिया विशेषण)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) जोर से (२) अूपर·····तेज (३) जोर से (४) जरा (५) यहाँ·····दूर (६) बाहर (७) कभी-कभी (८) जल्दी (९) नजदीक (१०) अक्सर।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) मंदिर यहाँ से बहुत नजदीक है। (२) आज ही तुम बेंगलूर जाओ। (३) मैं कभी कभी सिगरेट पीताहूं। (४) हमारे घर से थोडी दूर पर बाजार है। (५) कल से मैं हिन्दी सीखतीहूँ। (६) जल्दी जल्दी चलो नहीं तो गाडी नहीं मिलेगी। (७) मैं

सिर्फ एक गिलास दूध पीता हूँ। (८) तुम रोज देर करके क्यों आते हो। (९) तुम्हारी बात बिलकुल ठीक है।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) यह लड़का बहुत तेज दौड़ता है। (२) वह हमेशा हिंदी में बोलती है। (३) वह रोज कम दूध लाता है। (४) अच्छी तरह पढ़ो, अिस बार तुम जरूर ही पास हो जाओगे। (५) गोपाल अभी अभी भीतर गया है। (६) यह बिलकुल ठीक है। (७) यह रेल गाड़ी कभी कभी देरसे जाती है। (८) आज कल तुमको हिन्दी कौन सिखाता है। (९) यहाँ से स्टेशन कितनी दूर है। (१०) रात में बहुत देर तक मत जागो।

पाठ ९ (संबंध सूचक अव्यय)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) के पास (२) के साथ (३) के अंदर (४) के पीछे (५) के नजदीक (६) की तरह (७) के बारे में (८) के पहले (९) के यहाँ (१०) की तरफ।

(आ) प्रश्न का जवाबः— (१) मदरसे के पास एक मैदान है। (२) रामके साथ मैं सिनेमा देखने जाताहूँ। (३) पूरब की तरफ सूरज निकलता है। (४) आप के सिवा मैं चाय नहीं पीताहूँ। (५) दो घंटे के वास्ते तुम्हारी गाडी दीजिए। (६) चार बजे के बाद वह औरत टहलने जाती है। (७) आज कल हर एक आदमी चाय के बिना नहीं रहते। (८) हिटलर के बारे में तुम क्या जानते हो? (९) चिडियों की तरह आदमी अुड नहीं सकता। (१०) गोपाल के पास मेरी घडी है।

(अि) प्रश्न का उत्तरः— (१) मेरे पास दस रुपये हैं। (२) हम अपने माँ-बाप के साथ रहते हैं। (३) हमारे घर के सामने एक

व्यापारी रहता है। (४) मैं काफी पीने के पहले सेव खाता हूँ। (५) राम तीन महीने के बाद परीक्षा में बैठेगा। (६) हम महात्मा गांधीजी के बारे में अितना ही जानते हैं कि वे एक महात्मा और अवतारी पुरुष थे। (७) नहीं, हम शक्कर के बिना चाय नहीं पीते। (८) हमारे घर में मेरे सिवा मेरे दो भाईयों को हिन्दी मालूम है। (९) अकबर के बाद हिन्दुस्तान का राजा जहाँगीर हुआ। (१०) गंगा समुद्रकी तरफ बहती है।

(आ) प्रश्न का जवाबः— (१) सीता हमेशा दस बजे के बाद सोती है। (२) अिस आदमी के बारे में तुम क्या जानते हो? (३) आज कल गोपाल राय अुसकी जगहमें काम करता है। (४) अुस पेड के नीचे दो लडके खेल रहे हैं। (५) तुम्हारे बिना कोअी भी यह काम नहीं कर सकता। (६) समुन्दर सिनेट हौस के सामने है। (७) दया करके कल सवेरे मेरे वरको आअिए। (८) सुशीला शक्कर के बिना दूध नहीं पीती। (९) कलकत्ता मेल गाडी आठ बजे के पहले ही जाती है। (१०) वह मेरे पीछे खडी थी।

पाठ १० (लिंग)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) पु (२) स्त्री (३) स्त्री (४) पु (५) पु (६) पु (७) स्त्री (८) पु (९) स्त्री (१०) स्त्री (११) पु .....स्त्री (१२) स्त्री (१३) स्त्री (१४) पु (१५) पु (१६) पु (१७) स्त्री (१८) (१९) स्त्री ..... पु (२०) स्त्री।

(आ) प्रश्न का अुत्तरः— (१) दीवार (२) बडी ..... दाम (३) कलम (४) दाँत (५) टाँग (६) मूँछ ..... बाल (७) पानी (८) किताब ..... तस्वीर (९) दही (१०) पहाड

(अि) प्रश्न का अुत्तरः— (१) आकाश में तारे चम्कते हैं। (२) तिल्क की किताब गोपाल के मेज पर है। (३) आज हवा बहुत ठंडी है। (४) चिडियाँ आसमान में अुडती हैं। (५) ललिता के हाथ में एक छोटी बडी है। (६) सरोजिनी की आँखें खूबसूरत हैं। (७) अुस के दाँत साफ नहीं हैं। (८) तुम्हारी नाक लम्बी है। (९) तुम्हारी पुस्तक का दाम क्या है? (१०) मेहर्बानी करके मुझे एक प्याला ठंडा पानी लाओ।

पाठ ११ (वचन)

(अ) प्रश्न का अुत्तरः— (१) घोडे (२) घोडों (३) बहनें (४) किताबें (५) लडकियों ..... लडकी (६) घडियाँ (७) हाथ (८) आँख ..... कान (९) नदियाँ ..... नदियों (१०)

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) वे लडके छोटे हैं। (२) ये काली गायें कितना दूध देती हैं? (३) यह कपडा बहुत मोटा है। (४) नदी में नावें चलती हैं। (५) बिल्लियाँ बच्चे देती हैं। (६) घोडे घास खाते हैं। (७) अिस कुर्सी का दाम बहुत है। (८) मेरी बहनें रोटी नहीं खातीं। (९) वह मीठा फल बंबाई से आता है। (१०) बिल्लियाँ चूहे को पकडती हैं।

(अि) प्रश्न का जवाबः— (१) कुत्ते (२) बिल्लियाँ (३) हाथी (४) आँखें (५) कान (६) किताब (७) घडियाँ (८) वह (९) कुर्सी (१०) गधा।

(अी) प्रश्न का जवाबः— (१) अुसकी गायें खूबसूरत हैं। (२) तुम रोज कितनी चपातियाँ खाते हो? (३) लडके वर्ग में शोर मचा रहे

हैं। (४) अुन लडकों को बुलाओ। (५) वे लडकियाँ क्या सीख रही हैं। (६) आजकल अिन वरों में कोई नहीं रहता। (७) अिन पुस्तकों का दाम क्या है। (८) डाकिया तुमको खत ला रहा है। (९) मुझे कहानियाँ बहुत पसंद हैं। (१०) वह अच्छी बडी बेचता है।

पाठ १२ सर्वनाम

(अ) **प्रश्न का जवाबः—** (१) मेरी (२) तुम्हारे (३) हमारे (४) मेरी (५) तुम्हारे (६) मेरे ..... अुसकी (७) तुम्हारे (८) मुझे (९) मुझे (१०) हमको।

(आ) **प्रश्न का उत्तरः—** (१) मेरा नाम रामचंद्र है। (२) तुम्हारा घर बहुत बडा है। (३) तुमको हिंदी कौन सिखाता है? (४) किताब खरीदने मुझे दो रुपये दो। (५) तुम्हारे दोस्त के कपडे हमेशा साफ रहते हैं। (६) तुम्हारी चिट्ठी पढकर मुझे बहुत खुश हुआ। (७) मैं तुमसे एक बात पूछता हूँ। (८) बंबई से मेरे लिए एक बडी लाइये। (९) मुझ से यह नहीं हो सकता। (१०) मेरी बहन बहुत छोटी है।

(अि) **प्रश्न का जवाबः—** (१) तुम्हारा नाम क्या है? (२) तुम्हारे पिताजीका नाम क्या है? (३) मेरा नाम गोपाल है। (४) मेरे पिताजी का नाम हरिदास है (५) अुन पुस्तकों को मुझे खत भेजो। (६) तुम्हारी दुकान से चावल कौन खरीदता है? (७) तुम्हारे घरसे शाला कितनी दूर है? (८) पाठशाला हमारे घर से एक मील दूर है। (९) मैं तमिल नहीं जानता। (१०) वह मुझे नहीं जानता।

पाठ १३ (सर्वनाम)

(अ) प्रश्न का अुत्तरः— (१) किस (२) किस (३) अुस या अिस (४) अुस ..... किस (५) अुस ..... अिस (६) अिन ..... अुन (७) अुस (८) अिन (९) अुन (१०) किस

(आ) प्रश्न का जवाबः— (१) अिस किताब का दाम दस रुपया है। (२) किस कलम से तुम लिखते हो? (३) अिस लडके का नाम महादेव है। (४) अुन लडकियों से एक अच्छी पुस्तक माँगो। (५) अुस कुत्ते को मत मारो। (६) एक रुपया अुस आदमी को दो। (७) अुनके वास्ते मुझे मद्रास जाना पडा। (८) अुस कमरे में चार आदमी रहते हैं। (९) तुम किसके लिये ये चीजें खरीद रहे हो? (१०) किस घोडेपर वह सवार होता है?

(अि) प्रश्न का अुत्तरः— (१) अुसका घर कहाँ है? (२) मैं अुसके कमरेमें नहीं रहता। (३) तुम किस पाठशाला में पढते हो? (४) अिस रास्ते का नाम क्या है? (५) तुम किससे दूध खरीदते हो? (६) यह लडकी बहुत होशियार है। (७) अुस लडके के घरको मैं कभी नहीं जाता हूँ। (८) तुम अुनको जानते हो। (९) अुनको हिंदी मालूम नहीं है। (१०) अुनको सिर्फ तमिल और संस्कृत मालूम है।

पाठ १४ (प्रश्नवाचक)

(अ) प्रश्न का जवाबः— (१) मेरा नाम गोपाल है। (२) अपने कपडे हम खुद धोते हैं। (३) हम हुबली में रहते हैं। (४) हिंदी राष्ट्रभाषा है। (५) गांधीजी बडे और अच्छे आदमी थे। (६) मैं रोज

तीन मील चलता हूँ। (७) मेरे पास एक सौ रुपये हैं। (८) नहीं हमारे पिताजी मास्टर नहीं हैं। (९) मुझे हाकी क्रिकेट टेनिस आदि खेल मालूम हैं। (१०) गाडी रोज आठ बजे रवाना होती है।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) कहाँ (२) क्या (३) कितना (४) कितने (५) कौन (६) किस (७) कब (८) क्यों (९) कैसा (१०) कैसे।

(इ) प्रश्न का उत्तरः— (१) तुम कहाँ नहाने हो? (२) तारे कब चमकते हैं? (४) यह बकरी कितना दूध देती है? (५) बंगलूर कैसा शहर है? (६) तुम्हारे घर का मालिक कौन है? (७) तुम्हारी कलम में क्या नहीं है? (८) तुम क्या चाहते हो? (९) आज अुसकी तबीयत कैसी है? (१०) कपडा किससे बनता है?

(ई) प्रश्न का उत्तरः— (१) तुम कितने बजे खाना खाते हो? (२) आजकल तुम किसके घरमें रहते हो? (३) अुसके घरमें हिंदी कौन बोलता है? (४) चिडियाँ कैसे उडती हैं? (५) झूटी में पानी कब बरसता है? (६) आज तुम्हारी तबीयत कैसी है? (७) ये नारंगी फल कहाँसे आते हैं? (८) तुमको चाय पसंद है या काफी? (९) सुभाष बाबु के बारे में तुम क्या जानते हो? (१०) तुम्हारी जेब में क्या है?

पाठ १५ (भविष्यकाल)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) जायेगी (२) करोगे (४) दूँगा (४) रहोगी (५) पहनेंगे (६) प्यार करेंगे (७) देगी (८) खेलेंगी (९) बोलेंगे (१०) रवाना होगी।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) पीऊँगा (२) करेगी (३) उठोगी (४) सिखायेंगी (५) करेंगे (६) लायगा (७) दूँगा (८) पहनेगी (९) धोयेंगे (१०) खुलेगी।

(इ) प्रश्न का उत्तरः— (१) तुम रेडियोपर कब गाओगे? (२) मैं यह बात मानूँगा। (३) सीता, तुम कब खेलोगी? (४) वे कल ही यहाँ से चलेंगे। (५) क्या तुम यह बडी खरीदोगे? (६) वे तुम को जरुर रुपये देंगे? (७) मैं अिसका बदल जरुर छूँगा। (८) लीला, तुम यहाँ कितने दिन रहोगी? (९) शहर जाने के बाद हम खत लिखेंगे। (१०) वह चाय पियेगा।

(ई) प्रश्न का उत्तरः— (१) रशीदा आज शाम को कलकत्ता जायगी। (२) अिस घोडे को कितने दाम पर बेचोगे? (३) क्या तुम कल की सभा में तनिक में बोलोगे? (४) आओ अब हम रेडियो सुनेंगी। (५) वह ठंडा पानी में स्नान नहीं करेगी (६) वह गाय आज दूध नहीं देगी। (७) अिस लडाअी में कौन जीतेगा? (८) मैं यह किताब दो दिन में पढ चुकता हूँ। (९) हम हवाई-जहाज में उडेंगे। (१०) तुम्हारा दोस्त देहली से कब वापस आयेगा।

पाठ १६ (क्रियार्थ संज्ञा)

(अ) प्रश्न का जवाबः—(१) तैरना (२) करना (३) देखने (४) गान (५) जागना (६) खाने (७) पीने (८) सीखने (९) घूमना (१०) बोलने

(आ) प्रश्न का अुत्तरः— (१) चाय पीना बहुत बुरी आदत

है। (२) नौकरको घर जाने दो। (३) हर एक आदमी को साफ साफ लिखना चाहिये। (४) वह देखने में सुंदर है। (५) कभी कभी सिनेमा देखना चाहिये। (६) कसरत करने से शरीर में ताकत आती है। (७) लक्ष्मण पढने में बहुत होशियार है। (८) यह चित्रपट देखने लायक है। (९) बहुत देर जागने से आदमी कमजोर होता है। (१०) मैं रोज पाठ याद करने अपने दोस्त के घर जाता हूँ।

(आ) प्रश्न का उत्तरः—(१) आपसमें झगडना अच्छा नहीं है। (२) मेरे साथ गेंद खेलने आओगे? (३) कसरत करने से हमारा शरीर मजबूत बनता है। (४) हमें अपने देशको प्यार करना चाहिए। (५) मैं अब सोने जाता हूँ। (६) आज रात मैं सिनेमा देखने जाता हूँ। (७) रेलगाडी आने में अभी बहुत समय है। (८) कल वह पाठ सीखने नहीं आयगी। (९) उनको गाना नहीं आता। (१०) बहुत चाय पीना अच्छा नहीं है।

पाठ १७ (अपूर्ण भूतकाल)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) थे (२) थीं (३) थे (४) थे (५) था (६) थी (७) था (८) थीं (९) था (१०) थीं

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) खेलता था (२) गाती थी (३) सुनते थे (४) रहते थे (५) रोता था (६) पहनते थे (७) खरीदता

था (८) करती थी (९) बनाती थी.....खाता था (१०) जानती थी।

(आ) **प्रश्न का उत्तरः**— (१) कल छुट्टी थी। (२) उसको बहुत प्यास लगी थी। (३) तुम्हारे लड़के मैदान में नहीं थे। (४) मास्टर जी वर्ग में नहीं थे। (५) मैं पहले काफी पीता था। (६) पिछले साल वह मेरे घरको कभी-कभी आता था। (७) कौरव और पांडव देहली में रहते थे। (८) पहले देहली को हस्तिपुर कहते थे। (९) मैं गरम पानी से स्नान करता था। (१०) तुम काशी में क्यों थे?

पाठ १८ (तात्कालिक अपूर्ण भूत)

(अ) **प्रश्न का उत्तरः**— (१) सी रहा था (२) दुह रही थी (३) देख रहे थे। (४) पी रहा था। (५) पार कर रहे थे। (६) चर रही थीं। (७) कात रही थीं। (८) बरस रहा था। (९) बाँट रहे थे। (१०) खेल रहीं थीं।

(आ) **प्रश्न का उत्तरः**— (१) कल मैदान में लड़के खेल रहे थे। (२) कल सवेरे लीला चाय बना रही थी। (३) हम बाजार में कागज खरीद रहे थे। (४) कल शामको नौकर गाडी चला रहा था। (५) हम फकीर को चावल दे रहे थे। (६) हमारी माँ कल दोपहर को रोटी बना रही थी (७) नदी के किनारे धोबी कपडे धो रहे थे। (८) क्लास में लडकियाँ शोर मचा रही थीं। (९) नौकर

मालिक से रुपये माँग रहा था। (१०) हम उनको देखकर हँस रहे थे।

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) हवाइजहाज आसमान में उड रहे थे। (२) कूली लोग सामान को रैल—गाडी में लाद रहे थे। (३) कल शाम को पानी बरस रहा था। (४) मुझे देखकर तुम क्यों मुस्कुरा रहे थे? (५) उपाध्याय जी तुमसे क्या बोल रहे थे? (६) किसान सवेरे अपना खेत जोत रहा था। (७) लडकियाँ मैदानमें खेल रहीं थीं। (८) सेवक मालिक को प्रणाम कर रहा था। (९) कल रात हवा बहुत जोर से बह रही थी। (१०) स्टेशन में मैं एक बंगाली दोस्त के साथ बातचीत कर रहा था।

पाठ १९ (समुच्चय बोधक)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) और (२) कि (३) इसलिए (४) इसलिये (५) क्योंकि (६) तो भी (७) या (८) अगर....तो (९) या (१०) क्योंकि

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) नारायण बडा है और मोहन छोटा। (२) गोपाल को हिन्दुस्तानी नहीं मालूम लेकिन उसको तमिल मालूम है। (३) अगर तुम यह काम न करोगे तो मैं करूँगा। (४) आप दूध पियेंगे या चाय? (५) जोसफ पाठशाला नहीं जाता क्योंकि वह बीमार है। (६) राम कहता है कि सरला बहुत अक्लमंद है। (७) उसका घर यहाँ से बहुत दूर था तो भी वह रोज

मेरा घर आता था। (८) यह कपडा बहुत मोठा है लेकिन गरम नहीं है। (९) मैं तमिल नहीं जानता अिसलिये मैं हिंदुस्तानी में बोलता हूँ। (१०) सीता कहती है कि उसके पास अेक भी रुपया नहीं है।

(अि) प्रश्न का उत्तरः— कल मेरे भाई की शादी है अिसलिए मैं अपना गाँव जा रहा हूँ। (२) फौरन जाओ नहीं तो तुमको रेल गाडी नहीं मिलेगी। (३) शाला यहाँ से बहुत दूर है तो भी मैं पैदल ही जाता हूँ। (४) मैं यह कलम पसंद करता हूँ लेकिन खरीदने मेरे पास धन नहीं है। (५) अगर तुम नागपूर जाओगे तो मेरे लिये कुछ नारंगी फल लाओ। (६) यह काम मुश्किल है तो भी मैं अिसे करूँगा। (७) वह हर रोज मेरे घर आता है क्योंकि वह मेरा जानी दोस्त है। (८) मेरे घर के पास एक तालाब है लेकिन उसका पानी अच्छा नही है। (९) उसने कहा कि पंडितजी कल आयेंगे। (१०) चीना और जापान आपसमें युद्ध कर रहे हैं।

पाठ २० (सामान्य भूतकाल) (अकर्मक)

(अ) प्रश्न का जवाबः— (१) बोला (२) खेले (३) लायी (४) पहुँचे (५) ठहरे (६) नहायी (७) सोये (८) आयी (९) हँसे (१०) खाना हुअी।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) तुम कितने बजे सोये? (२) मैं ये अंडे शहर से लाया। (३) वे भी सभा में बोलीं। (४) आप

कितने बजे स्कूल गये । बंबई की गाडी यहाँ से कितने बजे रवाना हुअी ? (६) वह अितने जोर से क्यों हँसा ? (७) मैं घोडेपर कभी नहीं चढा । (८) वे लोग हमेशा गरम पानी से नहाये । (९) हम अपने दोस्तों को कभी नहीं भूलीं । (१०) गाडी यहाँ सिर्फ पाँच मिनट ठहरी ।

(अि) प्रश्नका अुत्तर :— (१) कितने बजे बंबई की गाडी आयी ? (२) हम ठीक नौ बजे घर गये । (३) आज मैं देर से उठा । (४) वे कल की सभा में नहीं बोले । (५) तुम अपने दोस्तों को क्यों भूले ? (६) गाडी ठीक बारह बजे नहीं पहुची । (७) तुम स्कूल से कब आये ? (८) मेरी बहन आज जल्दी सोयी । (९) गोपाल अितनी जोर से क्यों दौडा । (१०) कल शाम को दो घंटे तक पानी बरसा ।

(अी) प्रश्न का उत्तरः— (१) सूरज अभी नहीं निकला । (२) कल मैं ठीक पाँच बजे उठा । (३) तुम कभी हवाई-जहाज में उडे ? (४) आज वह यहाँ से बहुत जल्दी गया । (५) तुम कलकत्ते से कितनी तस्वीरें लाये ? (६) कल यहाँ पानी नहीं बरसा । (७) तुम वहाँ कितने दिन ठहरे ? (८) मैं उसे देखने अभी नहीं गया । (९) वह क्यों रोअी । (१०) मैं आज चार मील चला ।

पाठ २१ (सामान्य-भूतकाल, सकर्मक)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१) तुमने (२) मैं (३) वह (४) किसने (५) वह (६) मैं (७) तुम (८) अुसने (९) तुमने (१०) आप ।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) देखा (२) लिये (३) दिये (४) लिखी (५) खायीं (६) खरीदी (७) साफ़ किये (८) सुनी (९) पी (१०) किया।

(अि) प्रश्न का उत्तरः— (१) कंदनने जंगल में लकडी काटी। (२) एक बूढियाने सूत काती। (३) अुन्होंने एक दफ्तर में काम किया। (४) अिस धोबी ने मेरे कपडे नहीं धोये। (५) जमनालालजी ने हिन्दी प्रचार के लिए बहुत रुपये दिये। (६) तुमने किस दूकान से रोटी खरीदी? (७) अैसी सुन्दर तस्वीर आपको किसने दी। (८) यह बात आपने किससे सुनी।

(अी) प्रश्न का उत्तरः— (१) मुझे क्यों बुलाया? (२) अिस काम के लिए अुसने मुझे दस रुपये दिये। (३) क्या तुमने अिस दूकान से रोटी खरीदी? (४) क्या तुमने आज सबेरे काफी पी? (५) आज मैंने एक खत भी नहीं लिखा। (६) रामने सीता को जंगलमें क्यों छोडा? (७) आजकल तुम्हारे कपडे कौन धोबी धोता है? (८) कल हमने रेडियो में एक मधुर गाना सुना। (९) रावणको किसने मारा? (१०) अुसने त्यागरायनगर में एक घर बनवाया।

पाठ २२ (आसन्न भूतकाल)

(अ) प्रश्न का जवाबः— (१) मैंने भात खाया है। (२) मोहनने रोटी खायी है। (३) अिस गाय्ने दो सेर दूध दिया है। (४) मैं देरसे जागा हूँ। (५) तुमने किताबें लिखी हैं। (६) हम दफ्तर नहीं गये हैं। (७) अुन्होंने सबेरे चाय पी है। (८) अुन्होंने सिर्फ दूध और फल खाये

हैं। (९) यह काम किसने किया है। (१०) क्या मास्टर साहबने सल्लाको मारा है ?

(आ) **प्रश्न का जवाबः**— (१) मैं काशी गया हूँ। (२) क्या तुमने रामायण वढी है। (३) आज आपने कितने खत लिखे हैं। (४) मैं अब तक अुसको भूला हूँ। (५) अुन्होंने कराची का बंदर देखा है। (६) तुम बाजारसे कितने फल लाये हो ? (७) अिस गायने दो सेर दूध दिया है। (७) अिस लडकेने अपने पाठ याद नहीं किये हैं। (९) हम सबेरे से दस मील चले हैं। (१०) मैं अभी दफ्तर से आया हूँ।

(इ) **प्रश्न का जवाबः**— (१) कालेज में मैंने दो बरस पढा है। (२) क्या तुमने देहली देखा है ? (३) ये लोग कहाँ से आये हैं। (४) वह दो घंटे तक बोला है। (५) तुलसीदासने रामायण लिखी है। (६) मैंने कभी मुल्कों को देखा है। (७) मेरा दोस्त कलकत्ता गया है। (८) मैंने यह किताव नहीं पढी है। (९) मेजपर किसकी किताबें रखी हैं। (१०) तुमने कितने लोगों को हिन्दी सिखायी है।

पाठ २३ (पूर्ण भूतकाल)

(अ) **प्रश्न का उत्तरः**— (१) रहीम मदरासा गया था। (२) हमने बहुत कोशीश की थी। (३) वे बंबई में रहे थे। (४) अुन्होंने देश के लिये बहुत काम किया था। (५) मैंने कुछ रेशमी कपडे खरीदे थे। (६) अिस भैंस ने चार सेर दूध दिया था। (७) क्या आपने रोज अखबार पढा था। (८) यह किताब मैंने गोपालको दी थी। (९) आपने किससे हिन्दी सीखी थी। (१०) अुन्होंने पास होनेके लिये बहुत कोशीश की थी।

(अ) प्रश्न का उत्तर :— (१) हाँ, हमने मुहमद अलीको देखा था। (२) कल क्रिकेट हम सब लडके खेले थे। (३) परसों पानी चार घंटे तक बरसा था। (४) हमारी अम्माँ कल बंगलूर गयी थीं। (५) नहीं, हमारे दोस्तने यह कहानी नहीं सुनी थी। (६) हमने अपना पाठ कल याद किया था। (७) हमको अिम्तिहान में हमारे दोस्तने मदत दी थी। (८) कल कलकत्ते कौं गाडी आठ बजे रवाना हुअी थी। (९) नहीं हम कल की सभा में नहीं बोले थे। (१०) अुसने यह छाता बंबई में खरीदा था।

(अी) प्रश्न का उत्तर :— (१) अकबर ने हिंदुस्तानपर बहुत समय तक हुकूमत की थी। (२) अुसके पास मैं दो बडे कुत्ते देखे थे। (३) अुसने परीक्षा में पास होनेके लिये बहुत कोशीश की थी। (४) कल सरोजिनी भी परीक्षा में बैठी थी। (५) पिछली लडाअी में हिंदुस्तान के सिपायी भी लडे थे। (६) गांधीजीने बडे-लाट को एक खत भेजा था। (७) मैंने अिस गायको नेल्लूर में खरीदा था। (८) राजाजी अिस विषयपर बोले थे। (९) परसों रैल-गाडी दो घंटे देर से आयी। (१०) सरलाने मुझको पिछले साल बेजवाडमें देखा था।

पाठ २४ (चाह प्रयोग)

(अ) प्रश्न का उत्तर:— (१) बिल्ली दूध चाहती है। (२) लडका कुछ खानेकी चीज चाहता है। (३) गरीब पेट भर खाना चाहता है। (४) हिन्दुस्तानके लोग काम चाहते हैं। (५) हिटलर सारी दुनियाँ को जीतना चाहता है। (६) गांधीजी हिन्दुस्तान को रामराज्य बनाना चाहते हैं। (७) हमारी छोटी बहन एक तस्वीर चाहती है। (८) हम

नारंगी चाहते हैं। (९) हम गरम दूध चाहते हैं। (१०) छोटी लडकियाँ चूडियाँ चाहतीं हैं।

(आ) प्रश्न का उत्तरः— (१) हिन्दुस्तान के लोग स्वतंत्रता चाहते हैं। (२) मैं तुम्हारी मोटर–गाडी कुछ घंटे तक चाहता हूँ। (३) आज उसने कुछ गुलाबी फूल चाहे। (४) वह अपने दोस्त के लिए एक नया घर चाहता है। (५) तुम ये किताबें चाहते हो? (६) मेरी बहन ऐसी ही एक तस्वीर चाहती है। (७) सीताने सोने का हिरन चाहा। (८) वकीलने अपने काम के लिये पचास रुपये चाहे। (९) तुम गरम पानी चाहते हो यां ठंडा पानी। (१०) मैं कुछ नहीं चाहता।

पाठ २५ ("चाह" प्रयोग)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— हाँ, हम हवाईजहाज पर चढना चाहते हैं। (२) हम रोटी और भात खाना चहते हैं। (३) मैं अेक बात पूछना चाहता हूँ। (४) मैं यहाँ चार दिन रहना चाहता हूँ। (५) मैं हिंदी में बोलना चाहता हूँ। (६) हम अपने दोस्त को खत लिखना चाहते हैं। (७) हाँ, हम हिंदी सिनिमा देखना चाहते हैं। (८) सरला दूध पीना चाहती है। (९) हम सवेरे पाँच बजे कसरत करना चाहते हैं। (१०) जोसफ क्रिकेट खेलना चाहता है।

(आ) प्रश्न का जवाब :— (१) बोलना चाहता हूँ। (२) लौटना चाहते हो (३) खेलना चाहता है। (४) पकडना चाहा। (५) पहनना चाहते हैं। (६) जीतना चाहता है। (७) बैठना चाहा (८) पूछना चाहता हूँ। (९) जानना चाहता हूँ। (१०) चलना चाहती है।

(आ) **प्रश्न का उत्तरः—** (१) क्या तुम हिंदुस्तानी समझ सकते हो ? (२) क्या राम नक्शे में देहली दिखा सकते है ? (३) वह सिर्फ पचास तक गिन सकता है। (४) आदमी नहीं उड सकते लेकिन चिडियाँ उड सकतीं हैं। (५) क्या तुम समुंदर में तैर सकते हो ? (६) मोहन अिस दिवारपर नहीं चढ सकते। (७) कल मैं तुमको नहीं देख सका। (८) वालू परीक्षा में पास नहीं कर सका। (९) क्या तुम कल हमारे घर आ सकोगे। (१०) क्या अब मैं जा सकता हूँ ?

पाठ २८ (चुक प्रयोग)

(१) हाँ हम यह किताब पढ चुके। (२) नहीं मैं यहाँ का बंदरगाह नही देख चुका। (३) हाँ, अम्मा रोटी बना चुकी। (४) हाँ, यहाँ के सब लोग हिन्दी सीख चुके। (५) हाँ, मैं उस किताब का अनुवाद कर चुके (६) नहीं, वे प्राथमिक परीक्षा नहीं दे चुके। (७) हाँ, मास्टर साहब कापियाँ जाँच चुके। (८) हाँ, मैं राजाजीसे मिल चुका। (९) हाँ हमारी बहिन की शादी हो चुकी। (१०) हाँ, गोपाल का मकान बन चुका था।

(आ) **प्रश्न का उत्तरः—** (१) वह अपना काम कर चुका। (२) हम नहा चुके। (३) क्या पाठ सीख चुके ? (४) अमीना खत लिख चुकी। (५) उस्ताद पाठ सिखा चुके। (६) कमला हिंदी गीत गा चुकी। (७) क्या वे घर बाँध चुके ? (८) वे दो मील दौड चुके थे। (९) मैं आधा पुस्तक पढ चुका हूँ। (१०) मैं अपने पास के सब धन खर्च कर चुका।

पाठ २९ (" चाहिये " प्रयोग)

(अ) प्रश्न का उत्तरः— (१ मुझे (२) उसको (३) हमको (४) आपको (५) उनको (६) किसको (७) अिनको (८) किसीको (९) तुमको (१०) हमको

(आ) प्रश्न का जवाबः— तुमको जल्दी घर जाना चाहिये। (२) उसको रात में छाँछ नहीं पीना चाहिए। (३) हमें सिर्फ खद्दर पहनना चाहिये। (४) हमको जल्दी सोना चाहिये। (५) हमें गरम पानी में न नहाना चाहिए। (६) हमें अपने देशसे प्यार करना चाहिये। (७) हमको स्वातंत्रता के लिए लडना चाहिए। (८) उसको जल्दी यह काम खतम करना चाहिये।

ಈ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ನಿಮಗೆ ಪೂರ್ಣ ಸಹಾಯಕವಾಯಿತೇ ?
ಹಾಗಾದರೆ ನಮ್ಮ ಟ್ರೇಡ್ ಮಾರ್ಕ್‌ದ
ಮುಂದಿನ ಪರೀಕ್ಷೆಗಳ ಗಾಯಿಡಿಗೆ ಬರೆಯಿರಿ.

ಎಮ್. ಬಿ. ಸಂತಬಾ, " ಗೌರೀಶ "ರು ಬರೆದ
ಗಾಯಿಡುಗಳನ್ನು ಕಳಿಸಿರಿ ಎಂದು ಬರೆಯಿರಿ.
ಪ್ರಕಾಶಕರು:
ಕೆ. ಎಸ್. ಕುಲಕರ್ಣಿ ಬುಕ್ ಡಿಪೋ,
ಸ್ಟೇಶನ್ ರೋಡ - ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ.

अपाठंत भाषा पारचय

उत्तर के प्रश्न

जवाब	सवाल
वह दस बजे सोती है।	वह कितने बजे सोती है ?
मैंने काफी पी।	तुमने क्या पिया ?
हमने यह बडी धारवाड में खरीदी।	आपने यह बडी कहाँ खरीदी ?
राम की तबियत अच्छी है	राम की तबियत कैसी है ?
मैं स्कूल दो बजे जाऊँगा	तुम स्कूल कितने बजे जाओगे ?
हम घर में कन्नड बोलते हैं।	तुम घर में कौनसी भाषा बोलते हो ?
वे साफ कपडे पहनते हैं।	वे कैसे कपडे पहनते हैं ?
मनुष्य आकाश में नहीं उड सकता।	क्या मनुष्य आकाशमें उड सकता है ?
हाँ मैंने ताजमहल देखा हैं।	क्या तुमने ताजमहल देखा है ?
हम आँखोंसे देखते है।	तुम किनसे देखते हो ?
राधा के पास चार किताबें हैं।	राधा के पास कितनी किताबें हैं ?
हिंदी राष्ट्रभाषा है अिसलिये हम पढते हैं।	तुम हिंदी क्यों पढते हो ?
वह बेंगलूर जायेगा।	वह कहाँ जायेगा ?
नहीं, मैं अंग्रेजी नहीं जानता।	क्या तुम अंग्रेजी जानते हो ?
यहाँ फल नहीं बिकते।	क्या यहाँ फल बिकते हैं ?
ताजमहल यमुना नदी के किनारे पर है।	ताजमहल किस नदी के किनारे पर है ?
तारे रात में चमकते हैं।	तारे कब चमकते हैं ?
हम नाटक देखने जा रहे हैं।	तुम क्या देखने जा रहे हो ?

उत्तरों के प्रश्न

अशुद्ध	शुद्ध
वह घर में राम है ।	उस घर में राम है ।
राम रोटी खाया ।	रामने रोटी खायी ।
हम खुली हवा में घूमना चाहिये ।	हमें खुली हवा में घूमना चाहिये
वह को काफी दो ।	उसको काफी दो ।
राधाने फल खा चुकी ।	राधा फल खा चुकी ।
मैं काफी पीता हूं कि वह से कहो	उससे से कहो कि मैं काफी पीता हूँ
तुमकी माताजी कहाँ हैं ?	तुम्हारी माताजी कहाँ है ?
मैं से यह नहीं हो सकता ।	मुझ से यह नहीं हो सकता ।
राम का घर में बिल्ली है ।	राम के घर में बिल्ली है ।
तुम हिंदी मालूम है ।	तुमको हिंदी मालूम है ।
सब हिंदी पढना चाहिये ।	सब को हिंदी पढनी चाहिये ।
मैं रोटी खाया हूं ।	मैंने रोटी खायी है ।
सीताने फल लाये ।	सीता फल लायी ।
कब वह आया तब राम आया ।	जब वह आया तब राम आया ।
मैं दो रुमया पूछा ।	मैने दो रुपये पूछे ।
तुम तुम्हारे घर जाओ ।	तुम अपने घर जाओ ।
यहाँ कौन आया था वह राम था	यहाँ जो आया था वह राम था ।

कठीन शब्दोंका अर्थ और वाक्यों में उनका प्रयोग

बछडा–ಕರು — गाय का बछडा सुंदर है ।

अनाज–ಧಾನ್ಯ — अनाज नाश मत करो आजकल देश में उनकी कमी हैं ।

कहानी–ಕಥೆ हमारे देश की कहानी पुरानी और बडी है।
मुरगी–ಕೋಳಿ मुर्गी आसमान में नहीं उड सकती।
आग–ಬೆಂಕಿ आग से फायदा भी है हानि भी है।
प्यार–ಪ್ರೀತಿ सबको अपने देश से प्यार करना चाहिये।
अमीर–ಸಾವುಕಾರ अमीरों को गरीबों की सहयता करनी चाहिये।
लडाअी–ಯುದ್ಧ हमेशा लडाअी बुरी चीज है।
मक्कीचूस–ಜಿಪುಣ मक्कीचूस आदमी पैसे खर्च नहीं करता।
जंगल–ಅಡವಿ गौतुमने जंगल में तपस्या की।
कोशिश–ಪ್ರಯತ್ನ हर एक को पास होने की कोशिश करनी चाहिये।
शिकारी–ಬೇಟೆಗಾರ शिकारी जंगल में निर्भय होकर घूमते हैं।
खून–ರಕ್ತ मनुष्य के शरीर में खून बहता रहता है।
लौटना–ಮರುಳುವದು श्री रामचंद्र बनवास के बाद लौट आये थे।
बेवकूफ–ಮೂರ್ಖ बेवकूफ प्रायशः जीवन में कष्ट ही पाता है।
पुराना–ಪುರಾತನ भारतीय अितिहास बहुत पुराना है।
उपजाऊ–ಫಲವತ್ತಾದ यहाँ की भूमि उपजाऊ है।
खेती–ಬೇಸಾಯ भारत का मुख्य पेशा खेती ही है।
भोली-भाली–ಸಾಧು-ಸಭ್ಯ गाय भोली-भाली रहती है।
फूट–ಒಡಕು आपस की फूट से बडी हानि है।
अन–ಅನ್ನ, ಆಹಾರ कोअी अन के बिना जी नहीं सकता।
जूठा–ಎಂಜಲ शबरी के बेर जूठे थे पर उन में प्रेम का रस भरा था।
बंदरगाह–ಬಂದರ बांबअी का बंदरगाह बडा है।

दीवार–ಗೋಡೆ ताजमहल की दीवारों में बेल बूटे बने हैं।

होनहार–ದೊಡ್ಡ ಮನುಷ್ಯನಾಗುವ ಲಕ್ಷಣವುಳ್ಳವ–विद्यासागर बचपन में ही होनहार थे।

शरम–ನಾಚಿಗೆ मनुष्य बुरे काम करने से शरमाता है।

फैसला–ನಿರ್ಣಯ काजी योग्य फैसला देता है।

अिज्जत–ಮಾನ सब लोग अच्छे आदमी की अिज्जत करते हैं।

बारी–ಪಾಳಿ वर्ग में लडके बारी बारी से उत्तर देते हैं।

नाराज होना–ಸಿಟ್ಟಾಗುವದು दुर्वासा मुनि जल्दी नाराज होते थे।

शिकायत–ದೂರು प्राजा की शिकायत सरकार सुन रही है।

अदालत–ನ್ಯಾಯಾಲಯ अदालत में न्याय निर्णय होता है।

हरदम–ಪ್ರತಿಕ್ಷಣ वह हरदम भगवान की याद करता है।

शीश झुकाना–ಶಿರಬಾಗಿಸುವದು हिंदू देव के सामने शीश झुकाते हैं।

बेहोश–ಎಚ್ಚರತಪ್ಪು युद्ध में अनेक जन बेहोश हो जाते हैं।

नामी–ಪ್ರಸಿದ್ಧ तानसेन नामी गवैया था।

गोद–ಉಡಿ हम भारत की गोद में बडे हो गये हैं।

मोटा ताजा–ದಷ್ಟ ಪುಷ್ಟ गांव के लोग मोटे ताजे होते हैं।

मुलाकात–ಭೆಟ್ಟಿ परसो मैंने राम से मुलाकात की।

सताना–ಪೀಡಿಸುವದು गरीबों को सताना किसी को भी अच्छा नहीं है।

तलाश–ಹುಡುಕ, ಶೋಧನೆ दुनियाँ में बडे बडे अस्त्रों की तलाश हो रही है।

विरुद्ध अर्थ के शब्द

आगे / सामने × पीछे	खुशी × रंज	सवाल × जवाब
अंदर × बाहर	गाढा × पतला	उठ × बैठ
ऊपर × नीचे	आसान × मुस्किल	ताजा × बासी
दूर × समीप	नया × पुराना	मालिक × नौकर
थोडा × बहुत	बलवान × बलहीन	लंबा × छोटा
जोर × मंद	गरीब × अमीर	चढ × उतर
शीघ्र × धीरे-धीरे	मजबूत × कमजोर	सरदी × गरमी
जल्दी × आहिस्ते	हार × जीत	नाटा × ऊंचा
कम × ज्यादा	लाभ × हानि	मित्र × शत्रु
साफ × गंदा	फायदा × नुकसान	दोस्त × दुश्मन
स्वदेश × परदेश	बेच × खरीद	असली × नकली
दुख × सुख	जीना × मरना	मोटा × दुबला
गलत × ठीक	खराब × अच्छा	भलाई × बुराई
हँस × रो	भला × बुरा	आदर × अनादर
समझ × ना समझ	दिन × रात	मान × अपमान
महंगा × सस्ता	अंधेरा × उजाला	रहमदिल × बेरहम
गरम × ठंडा	मीठा × खट्टा	वफा × बेवफा
	कडुवा × मीठा	

गिनती

१ एक	७ साथ	१२ तेरह
२ दो	८ आठ	१४ चौदह
३ तीन	९ नौ	१५ पंद्रह
४ चार	१० दस	१६ सोलह
५ पांच	११ ग्यारह	१७ सत्रह
६ छः	१२ बारह	१८ अठारह

१९ उन्नीस
२० बीस
२१ अिक्कीस
२२ बाअीस
२३ तेअीस
२४ चौबीस
२५ पच्चीस
२६ छब्बीस
२७ सत्ताअीस
२८ अट्ठाअीस
२९ उनतीस
३० तीस
३१ अिकतीस
३२ बत्तीस
३३ तैंतीस
३४ चौतीस
३५ पैंतीस
३६ छत्तीस
३७ सैंतीस
३८ अडतीस
३९ उनचालीस
४० चालीस
४१ अिकचालीस
४२ बयालीस
४३ तैंतालीस
४४ चवालीस
४५ पैंतालीस
४६ छयालीस
४७ सैंतालीस
४८ अडतालीस
४९ उनचास
५० पचास
५१ अिक्कावन
५२ बावन
५३ तिरपन
५४ चौपन
५५ पचपन
५६ छप्पन
५७ सत्तावन
५८ अट्ठावन
५९ उनसठ
६० साठ
६१ अिकसठ
६२ बासठ
६३ तिरसठ
६४ चौंसठ
६५ पैंसठ
६६ छियासठ
६७ सडसठ
६८ अडसठ
६९ उनहत्तर
७० सत्तर
७१ अिकहत्तर
७२ बाहत्तर
७३ तिरहत्तर
७४ चौहत्तर
७५ पचहत्तर
७६ छहत्तर
७७ सतहत्तर
७८ अठहत्तर
७९ उनासी
८० अस्सी
८१ अिकासी
८२ बयासी
८३ तिरासी
८४ चौरासी
८५ पचासी
८६ छियासी
८७ सतासी
८८ अठासी
८९ नवासी
९० नब्बे
९१ अिकानबे
९२ बानबे
९३ तिरानबे
९४ चौरानबे
९५ पंचानबे
९६ छियानबे
९७ सत्तानबे
९८ अठानबे
९९ निन्यानबे
१०० सौ

$\frac{१}{२}$ आधा $\frac{१}{४}$ एक चौथाअी $\frac{३}{४}$ पौन $\frac{१}{३}$ एक तिहाअी

$१\frac{३}{४}$ पौने दो $१\frac{१}{२}$ डेढ $२\frac{१}{२}$ ढाअी $२\frac{१}{४}$ सवा दो

$\frac{४}{१}$ पाव $३\frac{१}{४}$ सवा तीन $४\frac{३}{४}$ पौने पाँच $४\frac{१}{२}$ साडे चार

$१०\frac{४}{७}$ दस पूर्णांक, चार बटा सात $७९\frac{९}{८}$ उनासी पूर्णांक पाँच बटा आठ

पहला–ಒಂದನೆಯ	चौथा–ನಾಲ್ಕನೆಯ
दूसरा–ಎರಡನೆಯ	पाँचवाँ–ಐದನೆಯ
तीसरा–ಮೂರನೆಯ	छठा–ಆರನೆಯ

दुगुना–ಎರಡುಪಟ್ಟು, ಎರಡಾವರ್ತಿ; तिगुना–ಮೂರಾವರ್ತಿ,
चौगुना–ನಾಲ್ಕಾವರ್ತಿ.

समय काल के शब्द

घंटा-ತಾಸು	वर्षा–ಮಳೆಗಾಲ
मौसिम, ऋतु–ಋತು	साल, वर्ष–ವರ್ಷ
शाम, सांज–ಸಂಜೆ	हेमंत–ಹೇಮಂತ
हफ्ता–ಸಾಪ್ತಾಹ	नक्षत्र–ನಕ್ಷತ್ರ
पखवार–ಪಕ್ಷ	दिन–ದಿನಹಗಲು
सदी–ಶತಮಾನ	ग्रीष्म–ಬೇಸಿಗೆ
पहर–ಪ್ರಹರ	रात–ರಾತ್ರಿ
सुबह–ಬೆಳಿಗ್ಗೆ	शरद्–ಚಳಿಗಾಲ
वसंत ऋतु–ವಸಂತ ಋತು	महीना, मास – ತಿಂಗಳು
दोपहर, मध्यान्ह–ಮಧ್ಯಾಹ್ನ	मिनिट–ಮಿನಿಟು
शिशिर–ಶಿಶಿರ	

महीनों के नाम

चैत, वैसाख, जेठ, आसाढ, सावन, भादों, कुआर, कार्तिक, अगहन, पूस, माह, पागुन.

KARNATAK UNIVERSITY LIBRARY